RNI.No. — GUJHIN/2012/45192

सूरत भूमि

हिन्दी दैनिक

संपादक : संजय आर. मिश्रा

श्री 1008 महामंडलेश्वर
श्री स्वामी रामानंद दासजी महाराज
श्री रामानंद दास अन्नक्षेत्र सेवा ट्रस्ट, तपोवन आश्रम

स्व. पं. पू.1008 श्री रामानन्द जी
तपोवन मंदिर, मोरा गांव, सूरत

वर्ष-12 अंक:75 ता. 06 सितम्बर 2023, बुधवार , कार्यालय:114, न्यु प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेंट, डिंडोली, डिंडोली, उधना सूरत (गुजरात) मो. 9327667842, 9825646069 पृष्ठ: 8 कीमत: 2:00 रुपये

ho@suratbhumi.com /Suratbhumi.com /Suratbhumi /Suratbhumi /Suratbhumi /Suratbhumi

‘मध्य प्रदेश में हाईकमान ही तय करेगा सीएम पद का उम्मीदवार’

पार्टी में आंतरिक कलह पर क्या बोले शिवराज

भोपाल। मध्य प्रदेश में चुनावी सरगर्मियां तेज हो गई हैं। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने ने दावा किया कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के भीतर कोई आंतरिक कलह नहीं है। भाजपा आगामी विधानसभा चुनावों के लिए एकजुट होकर काम कर रही है। एक टीवी चैनल के कार्यक्रम में उन्होंने कहा कि पार्टी इस साल के अंत में होने वाले विधानसभा चुनाव के लिए मुख्यमंत्री पद का उम्मीदवार तय करेगी। ज्योतिरादित्य सिंधिया के 2020 में भाजपा में शामिल होने का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि सिंधिया के साथ आए लोग दूध में चीनी की तरह पार्टी में मिल गए हैं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अद्वितीय नेता हैं और भारत को विश्वगुरु बनने से कोई नहीं रोक सकता।

मध्य प्रदेश भाजपा इकाई के तीन गुटों- नाराज, महाराज (ग्वालियर के शाही परिवार के वंशज सिंधिया) और शिवराज की अटकलों से जुड़े सवाल पर उन्होंने कहा कि कांग्रेस के साथ दिक्कत यह है कि जब हमारी पार्टी मिलकर काम करती है तो उनकी रातों

की नींद उड़ जाती है। उन्होंने कहा, उनके सपने में भी हम दिखाई देते हैं। जैसे बैल को लाल कपड़े दिखाओ तो वह भड़क जाता है, वैसे ही सपने में भी कमलनाथ और दिग्विजय सिंह नींद में भी शिवराज, शिवराज, शिवराज चिल्लाते हैं।

बातचीत के दौरान शिवराज ने बताया कि कैसे उन्हें 2005 में मुख्यमंत्री बनाया गया था, जब वह संसद सदस्य थे और दिल्ली में रहते थे। उन्होंने कहा, मैं मुख्यमंत्री इसलिए बना, क्योंकि पार्टी चाहती थी और मुझे लोगों का आशीर्वाद प्राप्त था। 2005 में, जब मैं पहली बार मुख्यमंत्री बना, तो मुझे नहीं पता था कि मुझे चुना गया है। भाजपा संसदीय बोर्ड की बैठक हो रही थी और मैं सांसद के तौर पर दिल्ली के पंडित पंत मार्ग स्थित आवास में था।

उन्होंने याद करते हुए कहा, अचानक मेरी पत्नी ने मुझे जगाया और बताया कि टीवी चैनल ब्रेकिंग न्यूज चला रहे हैं कि मुझे मुख्यमंत्री चुना गया है। मैंने उससे कहा कि दिन में सपने देखना छोड़ दो। इसके तुरंत बाद, दरवाजे की घंटी बजी और भूपेंद्र सिंह हुड्डा मुझे बधाई देने के लिए खड़े थे। वह मेरे पड़ोसी थे।

चौहान ने कहा कि इसके तुरंत बाद भाजपा के संगठन सचिव का फोन आया और उन्होंने मुझे तत्काल कार्यालय आने को कहा, जहां मुझे बताया गया कि मुझे मुख्यमंत्री की जिम्मेदारी दी गई है।

राज्य में एकजुट होकर काम कर रहे

मुख्यमंत्री शिवराज सिंह ने कहा कि भाजपा मध्य प्रदेश में एकजुट होकर काम कर रही है। राज्य में पार्टी बंटी हुई है या नहीं, सवाल के जवाब में उन्होंने कहा, बेशक, नेता अपनी प्राथमिकताओं के अनुसार अलग-अलग काम करते हैं। यहां तक कि एक परिवार में दो भाइयों के काम करने का तरीका भी अलग-अलग होता है।

भाजपा की मध्य प्रदेश इकाई के तीन गुटों- नाराज, महाराज (ग्वालियर के शाही परिवार के वंशज सिंधिया) और शिवराज की अटकलों के बारे में पूछे जाने पर मुख्यमंत्री ने कहा, कांग्रेस के साथ दिक्कत यह है कि जब हमारी पार्टी मिलकर काम करती है, तो उनकी रातों की नींद भी उड़ जाती है।

सशक्त राष्ट्र के निर्माण में शिक्षकों का महत्वपूर्ण योगदान : शाह

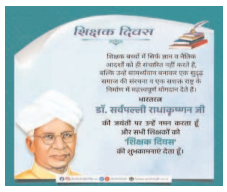

नई दिल्ली। केन्द्रीय गृह एवं सहकारितामंत्री अमित शाह ने कहा कि शिक्षक सशक्त राष्ट्र के निर्माण में महत्वपूर्ण योगदान देते हैं। वह राष्ट्र के आधार हैं। शाह ने मंगलवार को एक्स (पूर्व ट्वीट) पर सभी शिक्षकों को शिक्षक दिवस की बधाई देते हुए कहा कि शिक्षक बच्चों में सिर्फ ज्ञान व नैतिक आदर्शों को ही संचारित नहीं करते, बल्कि उन्हें सामर्थ्यवान बनाकर एक सुदृढ़ समाज की संरचना व एक सशक्त राष्ट्र के निर्माण में महत्वपूर्ण योगदान देते हैं। शाह ने भारतरत्न डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन की जयंती पर उन्हें नमन करते हुए सभी शिक्षकों को शिक्षक दिवस की शुभकामनाएं दी हैं।

अवैध खनन मामले में झारखंड के मुख्यमंत्री सहित 20 के खिलाफ एफआईआर

रांची। अवैध खनन मामले में मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन सहित 20 के खिलाफ साहिबगंज के मुफस्सिल थाना में मंगलवार को ऑनलाइन एफआईआर दर्ज की गई। इसमें मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन, अभिषेक प्रसाद उर्फ पिंटू, पंकज मिश्रा, मनीष तिवारी, विभूति कुमार, रामनिवास यादव, अनुरंज किस्फोटा, राजेंद्र दुबे और प्रमोद मिश्रा के नाम भी शामिल हैं। झारखंड हाई कोर्ट के आदेश के बाद याचिकाकर्ता ने ऑनलाइन एफआईआर दर्ज कराई है। इस संबंध में झारखंड हाई कोर्ट ने 27 अप्रैल को आदेश जारी किया था। याचिकाकर्ता तीर्थनाथ आकाश ने 21 मई 2021 को झारखंड हाई कोर्ट में जनहित याचिका दाखिल की थी। इसमें कहा गया था कि आरोपितों की मिलीभगत से साहिबगंज में रोजाना 1000 से अधिक ट्रकों से अवैध पत्थर की ढुलाई हो रही है। साहिबगंज के पत्थर व्यवसाई दहू यादव, विष्णु प्रसाद यादव, गुड्डू, आलोक रंजन, अवध किशोर सिंह, टिंकल भगत, बच्चू यादव, संजय कुमार यादव, भगवान भगत, भावेश भगत और विक्रम प्रसाद सिंह को इस मामले में आरोपित बनाया गया है।

उदयनिधि के बाद अब आप नेता ने भी कह दी ‘सनातन को खत्म’ करने की बात

नई दिल्ली। तमिलनाडु के सीएम एमके स्टालिन के बेटे उदयनिधि के सनातन पर विवादित बयान को लेकर मचे हंगामे के बीच आम आदमी पार्टी के नेता और पूर्व मंत्री ने भी उसी तरह की बात कही है। राम और कृष्ण की पूजा ना करने की शपथ दिलाकर मंत्री पद गंवाने वाली राजेंद्र पाल गौतम ने भेदभाव की बात कहते हुए कहा कि ऐसे किसी भी धर्म या सामाजिक व्यवस्था का खत्म हो जाना देश के हित में है। राजेंद्र पाल गौतम ने एक्स पर मंगलवार को लिखा, ऐसी कोई भी सामाजिक व्यवस्था या धर्म जो जाति, वर्ण-व्यवस्था या धर्म के आधार पर नफरत फैलता हो या जो ऊंच -नीच और छुआछूत के व्यवहार को बढ़ाता देता हो या जो समता, स्वतंत्रता, बन्धुता और न्याय के सिद्धान्त के खिलाफ हो उसका खत्म हो जाना समाज और देश दोनों के लिए हितकारी है ! वंचित बहुजन अघाड़ी के नेता प्रकाश आंबेडकर के एक पोस्ट को साझा करते हुए आप नेता ने यह बात कही। आबंडेकर ने लिखा था, सनातन धर्म छुआछूत को मानता है। हम इसे कैसे स्वीकार करें!?

आप नेता राजेंद्र पाल गौतम ने यह टिप्पणी ऐसे समय पर की है जब उदयनिधि के बयान को लेकर भाजपा कांग्रेस और आम आदमी पार्टी समेत उन तमाम

वंचित बहुजन अघाड़ी के नेता प्रकाश आंबेडकर के एक पोस्ट को साझा करते हुए आप नेता ने यह बात कही। आबंडेकर ने लिखा था, सनातन धर्म छुआछूत को मानता है। हम इसे कैसे स्वीकार करें!?

दलों पर आक्रामक है जो डीएमके के साथ विपक्षी इंडिया गठबंधन में शामिल हैं। ऐसे में आप नेता की टिप्पणी ने भाजपा को एक और मौका दे दिया है। इससे पहले गुजरात में विधानसभा चुनाव के दौरान गौतम ने हिंदू देवी-देवताओं की पूजा-पाठ ना करने की शपथ दिलाई थी। भाजपा के आक्रामक होने के बाद उन्हें अपने पद से इस्तीफा देना पड़ा था।

भूस्खलन ने बढ़ाई टेंशन! केंद्र की अपील- 13 राज्यों की क्षमता के आकलन के निर्देश जारी करे एससी

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने सुप्रीम कोर्ट से सभी 13 हिमालयी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के हिल स्टेशनों की वहन क्षमता का तुरंत आकलन करने के लिए निर्देश जारी करने का आग्रह किया है। एक नये पैनल बनाने का प्रस्ताव रखा है जो राज्यों द्वारा प्रस्तावित कार्य योजनाओं का मूल्यांकन करेगा। वहन क्षमता हिल स्टेशनों की अधिकतम जनसंख्या आकार है जो पर्यावरण, वन और जलवायु को बिना नुकसान पहुंचाए जारी रख सकता है। केंद्र का यह हलफनामा हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड में भारी मॉनसूनी बारिश के कहर के चार सप्ताह बाद आया है। मॉनसूनी बारिश के बाद हुए भूस्खलन से दोनों पर्वतीय राज्यों में कई इमारत ढह गई और 103 लोग काल के ग्रास में समां गए थे। सोमवार को सुप्रीम कोर्ट में दायर एक हलफनामे में केंद्र ने कहा कि पर्वतीय राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों के लिए यह जरूरी है कि वे पारिस्थितिकी तंत्र के और अधिक क्षरण को रोकने के लिए उठाए गए कदमों को बताएं और अपनी कार्य योजनाओं का प्रस्ताव दें, जिसे जीबी पंत राष्ट्रीय हिमालयी पर्यावरण संस्थान के निदेशक के संचालन वाली तकनीकी समिति द्वारा देखा जा सके। पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय ने हलफनामे

में कहा, यह जरूरी होगा कि स्थानीय अधिकारियों की मदद से प्रत्येक हिल स्टेशन के तथ्यात्मक पहलुओं को विशेष रूप से पहचाना और एकत्र किया जाए। गौर हो कि केंद्र का हलफनामा हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड में भारी मानसूनी बारिश के कहर के लगभग चार सप्ताह बाद आया है, जिसके परिणामस्वरूप भूस्खलन, इमारत ढहने और सड़कों और अन्य बुनियादी ढांचे को नुकसान होने से दोनों राज्यों में कम से कम 103 लोगों की मौत हो गई।

कौन-कौन से राज्य हैं शामिल-13 हिमालयी राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों में जम्मू और कश्मीर, लद्दाख, उत्तराखंड, हिमाचल प्रदेश, अरुणाचल प्रदेश, मणिपुर, मेघालय, मिजोरम, नागालैंड, सिक्किम, त्रिपुरा, असम और पश्चिम बंगाल शामिल हैं। शीर्ष अदालत से 13 राज्यों को नए सिरे से आकलन करने के लिए उचित निर्देश जारी करने का अनुरोध करते हुए केंद्र ने कहा कि राज्य अपने हिल स्टेशनों, शहरों के संवेदनशील क्षेत्रों में पर्यावरण की भार वहन क्षमता के बारे में जानकारी एकत्र करने के लिए अपने संबंधित मुख्य सचिवों की अध्यक्षता में समितियां गठित कर सकते हैं। इसमें बताया गया है कि पर्वतीय क्षेत्रों की वहन क्षमता का आकलन करने के लिए जीबी पंत राष्ट्रीय हिमालयी पर्यावरण संस्थान द्वारा तैयार दिशानिर्देश जनवरी 2020 में 13 राज्यों के बीच प्रसारित किए गए थे और 19 मई 2023 को राज्यों को भी भेजे गए थे। उनसे इसका अध्ययन करने और यथाशीघ्र कार्य योजना प्रस्तुत करने के लिए कहा गया था।

प्रधानमंत्री मोदी 14 सितंबर को बीपीसीएल में पेट्रो केमिकल परिसर का करेंगे भूमि पूजन

- मुख्यमंत्री ने की आयोजन की तैयारियों की समीक्षा

भोपाल। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी 14 सितंबर को सागर के बीना के बीपीसीएल में पेट्रो केमिकल परिसर में 50 हजार करोड़ रुपये की लागत से होने वाले निवेश का भूमि पूजन करेंगे। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह सिंह चौहान ने सोमवार देर शाम प्रधानमंत्री मोदी के बीना आगमन की तैयारियों के संबंध में वीडियो कांफ्रेंस के माध्यम से समीक्षा की और आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। मुख्यमंत्री चौहान ने निर्देश दिए कि सभी व्यवस्थाएं आवश्यक रूप से सुनिश्चित कर ली जाए। उन्होंने कहा कि प्रभारी मंत्री एवं मैं शीघ्र ही सागर आकर तैयारी का जायजा लेंगे। 50 हजार करोड़ रुपये की निवेश राशि से बनने वाले पेट्रो केमिकल कांपलेक्स से 15000 लोगों को प्रत्यक्ष रूप से रोजगार मिलेगा एवं दो लाख से अधिक व्यक्तियों को अप्रत्यक्ष रूप से रोजगार उपलब्ध होगा। प्रधानमंत्री मोदी बीपीसीएल फैक्ट्री में प्रदर्शनी का अवलोकन करेंगे उसके पश्चात सभा स्थल पर मौजूद व्यक्तियों को संबोधन देंगे। मुख्यमंत्री चौहान की समीक्षा के दौरान सागर कमिश्नर

डॉ वीरेंद्र सिंह रावत, पुलिस महानिरीक्षक प्रमोद वर्मा, कलेक्टर दीपक आर्य, पुलिस अधीक्षक अभिषेक तिवारी, नगर निगम कमिश्नर चंद्रशेखर शुक्ला, एडिशनल कमिश्नर पवन जैन, अपर कलेक्टर सपना त्रिपाठी एवं अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

अखिलेश के आदेश के बाद सपा में ओवरहालिंग का सिलसिला तेज, चार और नेता पार्टी से बाहर

रामपुर। अगले साल होने वाले लोकसभा चुनाव को लेकर समाजवादी पार्टी ने नई रणनीति पर काम करना तेज कर दिया है। अखिलेश यादव के निर्देश के बाद पार्टी के अंदर एक किस्म की ओवरहालिंग शुरू हुई है। इसके तहत पार्टी उन लोगों पर सख्त हो गई है जिन पर पार्टी लाइन से इधर-उधर जाने का जरा भी शक है। पार्टी ने एक बार फिर कई पार्टी विरोधी गतिविधियों के आरोप में बड़ी कार्रवाई की है। रामपुर में सपा छात्र सभा के पूर्व जिलाध्यक्ष मुमताज फूल समेत चार स्थानीय नेताओं को पार्टी से छह साल के लिए निष्कासित कर दिया गया है। बता दें कि इसके पहले अगस्त में अखिलेश यादव ने तीन नेताओं को पार्टी से बाहर का रास्ता दिखा दिया था। इनमें प्रदीप तिवारी, ब्रजेश यादव और पीडी तिवारी शामिल थी। कभी इन तीनों नेताओं को अखिलेश यादव का बेहद करीबी माना जाता

● जिन पर पार्टी लाइन से इधर-उधर जाने का जरा भी शक है। पार्टी ने एक बार फिर कई पार्टी विरोधी गतिविधियों के आरोप में बड़ी कार्रवाई की है। रामपुर में सपा छात्र सभा के पूर्व जिलाध्यक्ष मुमताज फूल समेत चार स्थानीय नेताओं को पार्टी से छह साल के लिए निष्कासित कर दिया गया है। बता दें कि इसके पहले अगस्त में अखिलेश यादव ने तीन नेताओं को पार्टी से बाहर का रास्ता दिखा दिया था। इनमें प्रदीप तिवारी, ब्रजेश यादव और पीडी तिवारी शामिल थी। कभी इन तीनों नेताओं को अखिलेश यादव का बेहद करीबी माना जाता था।

था। अब रामपुर में सपा के निवर्तमान जिलाध्यक्ष वीरेंद्र गोयल की ओर से जारी किए गए प्रेसनोट में कहा गया है कि राजनीतिक दलों के लिए अनुशासन तथा नेतृत्व के निर्णयों का पालन अति आवश्यक है। सामूहिक फैसलों से बगावत तथा मनमाना आचरण पार्टी के लिए घातक होता है, जिसे कभी सहन नहीं किया जा सकता। इसी के मद्देनजर समाजवादी पार्टी द्वारा अनुशासन भंग करने, पार्टी से गद्दारी एवं तथा पार्टी के सामूहिक निर्णयों के विरुद्ध आचरण करने के कारण रामपुर के मुमताज फूल, फैजान खां, सैफनी के कलीम खां और शाहबाद के वसीम हाशमी को सपा से छह साल के लिए निष्कासित किया गया है। मालूम हो कि मुमताज फूल रजा डिग्री कॉलेज छात्र संघ के अध्यक्ष रहे हैं और कभी आजम के बेहद करीबी होने के चलते सपा छात्र सभा के भी जिलाध्यक्ष रह चुके हैं। इनका पिछले दिनों एक आडियो तेजी से वायरल हुआ था। सपा निवर्तमान जिलाध्यक्ष वीरेंद्र गोयल का कहना है कि पार्टी के सामूहिक निर्णय के खिलाफ सार्वजनिक रूप से बयानबाजी करना गंभीर मामला है। उनके द्वारा नेतृत्व के फैसलों पर अशोभनीय टिप्पणी करना अनुशासन हीनता है।

यूपी के पांच जिलों में एनआईए के छापे, नक्सली कनेक्शन को लेकर ऐक्शन, बीएचयू में सक्रिय छात्र संगठन का दफ्तर खंगाला

लखनऊ। यूपी के पांच जिलों में आठ स्थानों पर राष्ट्रीय जांच एजेंसी के छापे पड़े हैं। बताया जा रहा है कि यह कार्रवाई नक्सली कनेक्शन और टेरर फंडिंग की जांच के सिलसिले में की गई है। प्रयागराज, वाराणसी चंदौली, आजमगढ़ और देवरिया जिलों के आठ स्थानों पर छापा मारा गया है। मंगलवार की भोर से चल रही कार्रवाई में एनआईए की कई टीमें जुटी हैं। तलाशी अभियान के साथ ही कई लोगों से पूछताछ भी की जा रही है। वाराणसी के चितईपुर थाना क्षेत्र के करौली स्थित महामनापुरी कॉलोनी के एक मकान में एनआईए ने सुबह-सुबह छापेमारी की। बताया जा रहा है कि इस मकान में दो छात्राएं भगत सिंह स्टूडेंट मोर्चा का दफ्तर चलाती हैं। यहां से सरकार विरोधी गतिविधियों को संचालित करने का आरोप है। मिली जानकारी के अनुसार संगठन की दो सदस्य हिरासत में हैं। एनआईए की टीम सुबह पहुंची और स्थानीय पुलिस को सूचित करने के साथ ही टीम अंदर दाखिल हुई। सूत्रों के मुताबिक छात्राओं के अलावा मोर्चा से जुड़े कई अन्य युवक भी मकान में मौजूद हैं। एनआईए की टीम सभी से अलग-अलग पूछताछ कर रही है। मोर्चा के सदस्यों पर आरोप है कि ये बीएचयू में विभिन्न मुद्दों पर आंदोलनरत रहे हैं। साथ ही विभिन्न मुद्दों पर सरकार के विरोध में मुखर रहे हैं। महामानपुरी कालोनी में मकान के रास्ते पर फोर्स तैनात है। किसी को भी

तलाशी अभियान के साथ ही कई लोगों से पूछताछ भी की जा रही है। वाराणसी के चितईपुर थाना क्षेत्र के करौली स्थित महामनापुरी कॉलोनी के एक मकान में एनआईए ने सुबह-सुबह छापेमारी की।

आने जाने नहीं दिया जा रहा है। मकान में भी किसी को जाने नहीं दिया जा रहा है। मकान किराए पर लिया गया है।

उधर, देवरिया के उमा नगर कस्बे में भी एनआईए की छापेमारी जारी है। वहां डॉ. रामनाथ चौहान के घर छापा पड़ा है। डॉ. चौहान जनवादी क्रांति दल के राष्ट्रीय महासचिव हैं। उनके घर के बाहर भारी संख्या में पुलिस फोर्स तैनात है। सुबह पांच बजे से छापामारी जारी है। हालांकि डॉ. रामनाथ चौहान घर पर मौजूद नहीं है। घर के अंदर परिवार के कई लोगों से एनआईए पूछताछ कर रही है। चंदौली, आजमगढ़ और प्रयागराज में भी अलग-अलग स्थानों पर एनआईए टीम ने छापामारी की है। बताया जा रहा है कि इस कार्रवाई का मकसद सीपीआई टेरर फंडिंग मामले का खुलासा करना और इससे जुड़ी सभी कड़ियों का पर्दाफाश करना है।

बारिश के कहर ने उत्तराखंड को ?किया तबाह, 80 दिनों में 93 लोगों की गई जान

देहरादून । उत्तराखंड में इस बार जमकर हुई बारिश ने तबाही मचा दी है। यही वजह है कि महज 80 दिनों में कुदरत ने पूरे प्रदेश में भयानक कहर बरपाया और 93 लोगों की जान चली गई। यहां पर कई जगह बाढ़ का कहर देखने को मिला, तो कहीं बादल फटने की और भूस्खलन की घटनाओं ने दिल दहला दिया। इस दौरान न जाने कितनी ही मासूम ज़िंदगियाँ काल के गाल में समा गई। इस वर्ष 15 जून से अब तक सौ से ज्यादा परिवारों को आपदा कभी न भर पाने वाले जख्म दे गई। आपदा के कहर ने भारी क्षति पहुंचाई है। अतिवृष्टि भूस्खलन व बाढ़ के कारण राज्य के सभी जिले कराह उठे। गौरतलब है ?कि प्रदेश के रुद्रप्रयाग जिले में सर्वाधिक जनहानि हुई। यहां पर अलग-अलग भूस्खलन की घटनाओं में 21 व्यक्तियों की जान गई जबकि 13 लोगों का कुछ पता नहीं चल पाया है। इतना ही नहीं 93 परिवारों ने अपने स्वजन को खोया, जबकि 16 का अभी तक कोई पता नहीं चल पाया है। यही नहीं, 51 लोग घायल हुए हैं। बीते 80 दिन पूरे राज्य पर भारी गुजरे हैं। आपदा प्रबंधन विभाग के आंकड़ों पर गौर करें तो आपदा में न केवल जनहानि हुई, बल्कि 1914 घरों को भी अपनी चपेट में लिया। इनमें से 56 घर पूरी तरह ध्वस्त हो गए, जबकि 181 की स्थिति रहने लायक नहीं रह गई है। शेष आंशिक रूप से क्षतिग्रस्त हुए हैं। पशुधन को भी राज्य में आपदा से बहुत अधिक क्षति पहुंची है। अब तक 7798 मवेशी काल-कवलित हुए हैं। इसके अलावा सड़कों, पेयजल व विद्युत लाइनों समेत सार्वजनिक संपत्ति को बड़े पैमाने पर क्षति पहुंची है।

गर्भवती पत्नी को निर्वस्त्र कर घुमाने पर एनएचआरसी ने लिया संज्ञान, मांगी रिपोर्ट

नई दिल्ली । एक गर्भवती पत्नी को निर्वस्त्र कर घुमाने के मामले को राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग (एनएचआरसी) ने संज्ञान में लिया है। आयोग ने राजस्थान सरकार तथा डीजीपी से रिपोर्ट तलब की है। बता दें कि प्रतापगढ़ जिले के एक गांव में एक गर्भवति महिला को उसके पति द्वारा कथित रूप से निर्वस्त्र कर घुमाने के समाचार छपे थे। इस पर आयोग ने राज्य सरकार और पुलिस विभाग को नोटिस भेजा है। अधिकारियों की मानें तो आयोग ने सोमवार को एक बयान में कहा कि वह महिला की स्वास्थ्य स्थिति के साथ-साथ इस बारे में भी जानना चाहता है कि प्रशासन ने उसे किसी प्रकार का मुआवजा दिया है या नहीं। सोशल मीडिया पर घटना से जुड़ा वीडियो प्रसारित होने के बाद राजस्थान पुलिस ने कहा था कि प्रतापगढ़ जिले के एक गांव में 21 वर्षीय एक आदिवासी महिला को उसके पति द्वारा कथित रूप से निर्वस्त्र कर घुमाने का मामला सामने आया है। एनएचआरसी ने एक मीडिया रिपोर्ट पर स्वत-संज्ञान लिया, जिसमें कहा गया है कि 31 अगस्त को राजस्थान के प्रतापगढ़ जिले में एक गर्भवति महिला को उसके परिवार के सदस्यों ने कथित रूप से पीटा और उसे निर्वस्त्र कर गांव में घुमाया। बताया जा रहा है कि महिला के ससुराल वाले उसके किसी और व्यक्ति के साथ रहने के कारण उससे नाराज थे। आयोग ने कहा कि अगर मीडिया में प्रकाशित खबर सही पाई जाती है, तो यह पीड़िता के मानवाधिकारों के उल्लंघन का गंभीर मुद्दा है। एनएचआरसी ने कहा कि तदानुसार राजस्थान के मुख्य सचिव और पुलिस महानिदेशक को नोटिस जारी कर 4 सप्ताह के भीतर एक विस्तृत रिपोर्ट मांगी गई है। रिपोर्ट में मामले में प्राथमिकी दर्ज किए जाने के बाद जांच की स्थिति और अपराधियों के खिलाफ की गई कार्रवाई की जानकारी देने को कहा है।

सोशल मीडिया साइट पर मोदी के बाद योगी की लोकप्रियता बढ़ी

लखनऊ । सोशल मीडिया साइट एक्स पर उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के फॉलोअर्स की संख्या प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के बाद सबसे ज्यादा बढ़ गई है। सोशल मीडिया साइट एक्स (पहले ट्विटर) द्वारा जारी नवीनतम आंकड़ों के अनुसार 30 दिनों में योगी के फॉलोअर्स में 2.67 लाख से अधिक की वृद्धि हुई है। एक्स ने दुनिया भर के व्यक्तित्वों, संगठनों, फाउंडेशनों सहित अपने सभी हैंडल की सूची जारी की है, जिन्हें पिछले 30 दिनों में लोगों द्वारा सबसे अधिक फॉलो किया गया है। भारतीय राजनेताओं में इस सूची में प्रधानमंत्री मोदी (6.32 लाख) के बाद दूसरा नाम योगी आदित्यनाथ का है। योगी अन्य भारतीय राजनेताओं से काफी आगे हैं, जिनमें राहुल गांधी भी शामिल हैं, जो तीसरे नंबर पर हैं। सोशल मीडिया साइट्स पर योगी के कुल फॉलोअर्स की संख्या अब 26 मिलियन हो गई है। सूची में समग्र भारतीय राजनेताओं, संस्थानों या व्यक्तित्वों में से, योगी नए फॉलोअर्स पाने में केवल इसरो (1,166,140), प्रधान मंत्री मोदी और विराट कोहली (4,74,011) से पीछे हैं।

6 से 15 सितंबर तक गौतमबुद्ध नगर जिले में धारा 144 लागू

गौतमबुद्ध नगर । उत्तरप्रदेश के गौतमबुद्ध नगर जिले में 6 से लेकर आगामी 15 सितंबर तक आने वाले त्यौहार, प्रतियोगी परीक्षाएं, किसानों द्वारा धरना प्रदर्शन और अन्य कार्यों को देखकर धारा 144 लागू कर दी गई है। इस दौरान कोरोना के समय पर बनाए गए प्रोटोकॉल और नियमों का लोगों को पालन करना होगा। सूचना के मुताबिक 6/7 सितंबर भगवान श्री कृष्ण जन्माष्टमी, दिनांक 7 सितंबर को चेहल्लुम का पर्व मनाए जाने के साथ-साथ 12 सितंबर को द्रोणाचार्य मेला दनकौर, ग्रेटर नोएडा आयोजित किया जाना है। इसके अलावा, प्रतियोगी परीक्षाएं तथा 12 सिंतबर को किसान पंचायत व 15 सिंतबर को किसानों की महापंचायत एवं विभिन्न संगठनों द्वारा समय-समय पर धरना प्रदर्शन आदि विभिन्न कार्यक्रम किया जाना प्रस्तावित है। पुलिस के मुताबिक इस दौरान असामाजिक तत्वों द्वारा शान्ति व्यवस्था को भंग करने की आशंका के चलते ही ये फैसला लिया गया है। पुलिस ने गाइडलाइंस भी जारी की है, इसके मुताबिक न 5 या इससे अधिक व्यक्तियों का किसी प्रकार का कोई जुलूस निकालेगा और न ही सार्वजनिक स्थान पर 5 या इससे अधिक व्यक्तियों का समूह बनाएगा और न ही किसी समूह में सम्मिलित होगा। इस दौरान सरकारी दफ्तरों के ऊपर व आसपास एक किमी परिधि में ड्रोन से शूटिंग करना पूर्णतया प्रतिबंधित होगा। किसी भी धार्मिक स्थल/सार्वजनिक स्थल/जुलूसों एवं अन्य आयोजनों पर लाउडस्पीकर की ध्वनि की तीव्रता 40 से 75 डेसीबल, आवासीय इलाको में दिन में 55 डेसीबल एवं रात में 45 डेसीबल, औद्योगिक क्षेत्रों में दिन में 75 डेसीबल एवं रात में 70 डेसीबल, व्यावसायिक क्षेत्रों में दिन में 65 डेसीबल एवं रात में 55 डेसीबल, साइलेन्स जोन में दिन में 50 डेसीबल एवं रात में 40 डेसीबल से अधिक अमान्य होगी।इसके साथ ही सार्वजनिक स्थानों/ मार्गों पर नमाज / पूजा अर्चना / जूलुस या अन्य प्रकार के धार्मिक आयोजन का प्रयोग पूर्णतया प्रतिबंधित रहेंगा।अपरिहार्य स्थिति में अनुमति पुलिस आयुक्त/ अपर पुलिस आयुक्त/ पुलिस उपायुक्त जोन से लेनी होगी।

भाजपा ने हिटलर से की उदयनिधि स्टालिन की तुलना

नई दिल्ली । भाजपा ने सनातन धर्म को लेकर उदयनिधि स्टालिन द्वारा दिए विवादास्पद बयान की आलोचना कर मुख्यमंत्री एमके स्टालिन के बेटे उदयनिधि की तुलना हिटलर से की है। भाजपा ने आरोप लगाया है कि जिसतहर हिटलर ने यहूदियों का नरसंहार किया, इसतरह स्टालिन की सुविचारित टिप्पणी शुद्ध घृणास्पद भाषण है और भारत की 80 प्रतिशत आबादी, जो सनातन धर्म का पालन करती है, के नरसंहार का आह्वान है। भाजपा ने सोशल मीडिया अकाउंट्स पर हिटलर और उदयनिधि स्टालिन की तस्वीरों और बयानों को शेयर कर लिखा है, हिटलर ने यहूदियों का जिस प्रकार वर्णन किया और उदयनिधि ने सनातन धर्म का जो वर्णन किया, उसमें अद्भुत समानता है। हिटलर की तरह, स्टालिन जूनियर ने भी मांग की, कि सनातन धर्म को खत्म किया जाए। बता दें कि कैसे नाजी नफरत की परिणति नरसंहार में हुई, जिसमें लगभग 6 मिलियन यूरोपीय यहूदी और कम से कम 5 मिलियन अन्य सोवियत युद्ध कैदी और अन्य पीड़ित मारे गए। उदय स्टालिन की सुविचारित टिप्पणी शुद्ध घृणास्पद भाषण है और भारत की 80 प्रतिशत आबादी, जो सनातन धर्म का पालन करती है, के नरसंहार का आह्वान है।

कर्नाटक में शशिकला के खिलाफ गैर जमानती वारंट जारी

बेंगलुरु ।कर्नाटक लोकायुक्त की विशेष अदालत ने केंद्रीय जेल में कैद के दौरान रिश्वतखोरी के मामले में शशिकला और इलावरासी के खिलाफ गैर-जमानती वारंट जारी किया। कर्नाटक कोर्ट ने जमानत की रकम देने वाले लोगों के खिलाफ भी वारंट जारी किया है। आरोप था कि एआईएडीएमके की पूर्व महासचिव शशिकला ने जेल के अंदर विशेष सुविधा लेने के लिए अधिकारियों को 2 करोड़ रुपये की रिश्वत दी थी। आरोप लगाया गया कि शशिकला और इलावरासी जेल से खरीदारी के लिए बाहर भी गई थीं।

नए संसद भवन के उद्घाटन पश्चात ही एक देश एक चुनाव की शुरु हो गई थी चर्चा

नई दिल्ली (एजेंसी)। इस समय भले ही एक देश एक चुनाव के लिए सहमति या असहमति की बातें हो रही हैं, लेकिन असल चर्चा तो नए संसद भवन के उद्घाटन के पश्चात ही शुरु हो गई थी। सूत्र बताते हैं कि सरकार ने इसकी पटकथा जून की शुरुआत से लिखना शुरू कर दी थी। साथ ही इस पूरी प्रक्रिया में राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद बड़ी भूमिका निभाते नजर आए। बहरहाल, इससे जुड़ा बिल सत्र में पेश होगा या नहीं, यह अब तक तय नहीं है। लेकिन माना जा रहा है कि अगर देश में एक ही चुनाव के फैसले पर मुहर लगती है, तो विपक्ष को बड़ा झटका लग सकता है। गौरतलब है कि भारत के नए संसद भवन के उद्घाटन के कुछ दिनों बाद ही केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने कोविंद से मुलाकात की थी। उनके साथ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रधान सचिव डॉक्टर पीके मिश्रा भी मौजूद थे। एक मीडिया रिपोर्ट की मानें तो इस बैठक में ही एक देश एक चुनाव पर बड़ी चर्चा शुरू हो गई थी। अटकले हैं कि 18 सितंबर से शुरू रहे पांच दिवसीय संसद सत्र के दौरान पेश किया जा सकता है।

आधिकारिक तौर पर पूर्व राष्ट्रपति की अगुवाई में काम करने वाली समिति के सदस्यों की भी घोषणा कर दी गई थी। सरकार द्वारा कोविंद के नाम पर ही मुहर लगाने की भी कई वजहें गिनाई जा रही हैं। रिपोर्ट के अनुसार पूर्व राष्ट्रपति जटिल कानूनी मामलों को आसानी से संभाल सकते हैं। साथ ही उन्होंने पीएम मोदी का भी भरोसेमंद माना जाता है। रविवार को केंद्रीय कानून मंत्रालय के अधिकारियों ने समिति से जुड़े कामों को लेकर मुलाकात की थी। खबर है कि पूर्व राष्ट्रपति बीते तीन महीनों में कम से कम 10 राज्यपालों से मुलाकात कर चुके हैं। कहा जा रहा है कि यह विपक्ष को भी परेशान कर सकता है। दरअसल, अगर एक देश एक चुनाव होते हैं, तो उदाहरण के लिए पश्चिम बंगाल में टीएमसी, कांग्रेस और वाम दलों के बीच लोकसभा और विधानसभा दोनों चुनावों के लिए गठबंधन मुश्किल हो सकता है। साथ ही यही स्थिति पंजाब और दिल्ली में भी बन सकती है।

चीन राष्ट्रपति के भारत नहीं आने पर जयशंकर ने कही बड़ी बात

नई दिल्ली । केंद्रीय विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने कहा है कि जी20 शिखर सम्मेलन में शामिल न होने का फैसला करने वाले नेताओं पर ध्यान केंद्रित करने के बजाय, महत्वपूर्ण मुद्दों पर देशों द्वारा अपनाए गए रुख पर ध्यान केंद्रित करे है। उन्होंने कहा कि अंतत: देशों का प्रतिनिधित्व उसी व्यक्ति द्वारा किया जाता है जिसे उन्होंने प्रतिनिधित्व करने के लिए चुना है, इसकारण प्रतिनिधित्व का स्तर किसी देश की स्थिति का अंतिम निर्धारक नहीं बनता है। उन्होंने बात चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग और रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के 9 से 10 सितंबर के बीच होने वाले जी20 शिखर सम्मेलन में शामिल नहीं होने पर एक सवाल के जवाब में कही। जयशंकर ने कहा कि शिखर सम्मेलन में प्रत्येक जी20 सदस्य वैश्विक राजनीति में योगदान देगा। उन?होंने कहा, तब मैं कहूंगा कि इस बात पर ध्यान केंद्रित करने के बजाय कि कौन सा देश किस स्तर पर आना चाहता है, असली मुद्दा यह है कि जब वे आते हैं, तब वे क्या स्थिति लेते हैं। वास्तव में यही है, हम इस जी20 को इसके परिणामों के लिए याद रखने वाले हैं। गौरतलब है कि चीनी विदेश मंत्रालय ने घोषणा की थी कि जिनपिंग शिखर सम्मेलन में भाग नहीं लेने वाले हैं, और उनके स्थान पर प्रधान मंत्री ली कियांग बहुपक्षीय कार्यक्रम में भाग लेने वाले हैं।

उपराष्ट्रपति धनखड़ का बड़ा बयान
'वो दिन दूर नहीं जब संविधान संशोधन के जरिये महिलाओं को मिलेगा उचित प्रतिनिधित्व'

नई दिल्ली (एजेंसी)। सरकार ने 18 सितंबर से लेकर 22 सितंबर के बीच विशेष सत्र बुलाया है। इस विशेष सत्र को लेकर लगातार चर्चाओं का दौर जारी है। माना जा रहा है कि सरकार इस विशेष सत्र के जरिए कई बड़े विधेयक ला सकती हैं। इसी कड़ी में महिला आरक्षण बिल को लेकर भी चर्चा जबरदस्त तरीके से जारी है। इन सबके बीच भारत के उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने कुछ ऐसा बयान दिया है जिसके बाद महिला आरक्षण बिल को लेकर चर्चाओं का दौर और भी बढ़ सकता है। सोमवार को जयपुर में राजस्थान विश्वविद्यालय से संबंध ''महारानी महाविद्यालय की छात्राओं के साथ राष्ट्र निर्माण में महिलाओं की भागीदारी विषय पर संवाद कार्यक्रम में भाग लेते हुए धनखड़ ने कहा कि वो दिन दूर नहीं जब संविधान संशोधन के जरिये संसद और विधानसभाओं में महिलाओं को उचित प्रतिनिधित्व मिलेगा।

छात्राओं से संवाद के दौरान उपराष्ट्रपति धनखड़ ने कहा कि महिलाओं के लिए आसमान ही सीमा है, वे हर क्षेत्र में - प्रशासन, सेना, कॉरपोरेट में सफलता के नए प्रतिमान गढ़ रही हैं। उन्होंने महिलाओं को कहा कि अपने निर्णय स्वयं लें और आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनें। पुरुषों की नकल मत कीजिए, वे आपसे श्रेष्ठ नहीं हैं, अपने आपको मौलिक रखिये। धनखड़ ने छात्राओं को तीन मंत्र दिए - पहला, कभी टेंशन मत लीजिये, टेंशन लेने से कुछ नहीं होता। दूसरा, असफलता से कभी मत डरिये और तीसरा यह कि आपके दिमाग मे कोई अच्छा विचार आये तो उसे केवल दिमाग मे मत रखे रखिये बल्कि जमीन पर लागू करिये। उपराष्ट्रपति ने युवाओं से अति-प्रतिस्पर्धा में ना पड़ने की अपील करते हुए कहा कि उन्हें अपनी रुचि के अनुसार कैरियर के चुनाव करना चाहिए। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि अब वो दिन दूर नहीं जब संविधान में संशोधन करके संसद और विधान सभाओं में महिलाओं को उनका उचित प्रतिनिधित्व मिलेगा। यदि महिलाओं को ये आरक्षण जल्दी मिल गया तो भारत 2047 से पहले ही विश्व शक्ति बन जायेगा। महिला शिक्षा पर बल देते हुए धनखड़ ने कहा कि लड़के को पढ़ाने से एक परिवार ही तरक्की करता है, लेकिन यदि हम एक लड़की को पढ़ाते हैं तो कई परिवार शिक्षित होते हैं। एक छात्रा द्वारा महिला सुरक्षा पर पूछे गए प्रश्न के उत्तर में धनखड़ ने कहा कि यह केवल सरकारी तंत्र का ही काम नहीं है बल्कि महिलाओं के लिए सुरक्षित वातावरण तैयार करने में समाज, व्यक्ति और संस्थानों को मिलकर प्रयास करने होंगे। उन्होंने कहा, ''हर सक्षम व्यक्ति यह निश्चय करे कि मैं इस विषय पर अपना योगदान करूंगा।

मण्डलायुक्त प्रयागराज विश्वास पंत ने चाका विकास खण्ड कार्यालय का किया औचक निरीक्षण किया जिसमे कई खामिया दिखने पर नाराज़गी व्यक्त किया

संवाददाता लक्ष्मीकांत पाण्डेय, प्रयागराज।

मण्डलायुक्त प्रयागराज विजय विश्वास पंत मंगलवार को चाका विकास खण्ड कार्यालय का औचक निरीक्षण किए। उन्होंने कार्यालय में पत्रावलियों को सुव्यवस्थित ढंग से रखने के निर्देश दिए है उन्होंने संचालित योजनाओं के क्रियान्वयन एवं उससे लाभान्वित होने वाले लाभार्थियों के बारे में जानकारी प्राप्त की मण्डलायुक्त ने निर्देशित करते हुए कहा है कि कोई भी पात्र व्यक्ति संचालित योजनाओं के लाभ से छूटने न पाये उन्होंने उपस्थिति पंजिका का निरीक्षण किया तथा अनुपस्थित कर्मचारियों का आज का वेतन रोके जाने एवं उनसे स्पष्टीकरण लेने का निर्देश मुख्य विकास अधिकारी को दिया है मण्डलायुक्त ने मुलाकाती रजिस्टर न दिखा पाने पर नाराजगी व्यक्त करते हुए प्रभारी खण्ड विकास अधिकारी को मुलाकाती रजिस्टर को अद्यतन बनाये रखने के निर्देश दिए है निरीक्षण के दौरान कार्यालय एवं कार्यालय परिसर में साफ-सफाई की समुचित व्यवस्था न पाये जाने पर नाराजगी व्यक्त करते हुए साफ-सफाई पर विशेष ध्यान दिए जाने एवं इसके साथ ही साथ कार्यालय परिसर में पेयजल तथा बैठने की समुचित व्यव-स्था सुनिश्चित किए जाने के निर्देश दिए है इसके उपरांत मण्डलायुक्त ने वहीं पर पशुचिकित्सा अधिकारी कार्यालय का भी निरीक्षण किया।

प्रयागराज हंण्डिया सरायपिथा जयापुर हनुमान मंदिर मे वार्षिक जबाबी कजरी मेले का आयोजन किया गया

संवाददाता लक्ष्मीकांत पाण्डेय, प्रयागराज।

प्रयागराज हंण्डिया तहसील के अन्तर्गत सरायपिथा जयापुर श्री सिध्द हनुमान मंदिर प्रांगण मे प्रत्येक वर्ष की भाति इस वर्ष भी जबाबी कजरी मेला महोत्सव का आयोजन किया गया जिसमे गायिका लक्ष्मी यादव एव पूरूष गायक का जबाबी कजरी मुकाबला हुआ यह कजरी मेला महोत्सव स्वज्श्री नाथ दूबे के स्मृति मे आयोजन किया गया था जिसमे लाल जी दूबे,मिलन आचार्य, फुलौरी दूबे मास्टर, मंजेश दूबे,राहुल पाण्डेय,राधेश्याम मौर्य,भगवान दूबे नागेंद्र यादव साउंड एव लाइट बटऊपुर एव जय हनुमान टेट हाऊस, समेत समस्त ग्राम वासियो का सहयोग दिखा वहा पर मौजूद लोगो ने बढ़चढ़कर हिस्सा लिया एव मेले का आनंद लिया। ग्राम प्रधान एव पूर्व प्रधान समेत सरायपिथा,किशुनीपुर ,अरई, जैतापुर,सियाडीह समेत कई गांवो के श्रोताओ ने पहुचर जवाबी कजरी के साथ साथ जलेबीयो का लुत्फ लिया।

उदयनिधि का सिर कलम करने वाले को 10 करोड़ देने का ऐलान

-अयोध्या के संत ने की घोषणा तो स्टॉलिन ने कहा - इतने में तो मैं खुद ही कर लूंगा

चेन्नई (एजेंसी)। अयोध्या के पुजारी जगदगुरु परमहंस आचार्य ने सनातन धर्म संबंधी टिप्पणी को लेकर उदयनिधि स्टालिन का सिर काटने वाले को 10 करोड़ रुपये इनाम देने की घोषणा की है। इसके प्रत्युत्तर में स्टालिन ने कहा कि यदि वह दस रूपये की कंघी ही दे दें, तो वे स्वयं ऐसा कर लेंगे।

बता दें कि तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम के स्टालिन के बेटे और तमिलनाडु सरकार में मंत्री उदयनिधि स्टालिन 'सनातन धर्म' पर अपनी टिप्पणी को लेकर आलोचना झेल रहे हैं। वहीं, अयोध्या के एक संत परमहंस आचार्य ने एक वीडियो जारी कर उन्हें एक हाथ में उदयनिधि का पोस्टर और दूसरे हाथ में तलवार पकड़े हुए और द्रमुक मंत्री का प्रतीकात्मक सिर काटते हुए दिखाया गया है। साथ ही उन्होंने पोस्टर में आग भी लगाई है। इसके आलावा उन्होंने नेता का सिर कलम करने वाले को 10 करोड़ रुपये का इनाम देने की घोषणा की है। अब इस घोषणा पर उदयनिधि ने प्रतिक्रिया देते हुए उदयनिधि ने कहा कि एक स्वामी ने मेरे सिर के लिए 10 करोड़ रुपये के इनाम की घोषणा की।

उन्होंने कहा कि जो कोई भी उदयनिधि का सिर काटेगा उसे 10 करोड़ रुपये मिलेंगे। क्या वह असली संत हैं या डुप्लिकेट उन्हें मेरा सिर इतना पसंद क्यों है? आप इतने पैसे कहां से ला रहे हैं? आप मेरे बालों में कंघी करने के लिए 10 करोड़ रुपये की घोषणा क्यों कर रहे हैं? अगर आप मुझे 10 रुपये की कंघी दे दें तो मैं यह काम खुद ही कर लूंगा।' हालांकि, उदयनिधि सनातन धर्म पर अपने बयान पर कायम हैं और कहा कि उन्होंने हिंदू समुदाय को निशाना नहीं बनाया है। उन्होंने कहा कि मैं बार-बार उस मुद्दे पर बात करूंगा जो मैंने शनिवार को कार्यक्रम में बोला था। मैं और भी बोलूंगा। मैंने उस दिन ही कहा था कि मैं उस मुद्दे पर बात करने जा रहा हूं जो कई लोगों को परेशान करने वाला है और वही हुआ है। उन्होंने दावा किया कि सनातन धर्म का मतलब यह था कि यह स्थायी है और इसे बदला नहीं जा सकता।

यह हमारे लिए नया नहीं है। हम उन लोगों में से नहीं हैं जो इन सभी खतरों से डरते हैं। मैं उस कलाकार का पोता हूं जिसने तमिल के लिए अपना सिर रेल ट्रैक पर रख दिया था।' बता दें कि उदयनिधि राज्य के प्रतिष्ठित नेताओं में से एक एम करुणानिधि के पोते हैं। इससे पहले अयोध्या स्थित तपस्वी छावनी मंदिर के मुख्य पुजारी जगदगुरु परमहंस आचार्य ने सनातन धर्म संबंधी टिप्पणी को लेकर उदयनिधि स्टालिन का सिर काटने वाले को 10 करोड़ रुपये इनाम देने की घोषणा की थी। उन्होंने कहा कि अगर किसी ने स्टालिन को मारने की हिम्मत नहीं की तो मैं खुद उन्हें दुनिया के किसी भी कोने से ढूंढूंगा और मार डालूंगा।

जून जैसी गर्मी लेकर आया सितंबर का महीना, 40 डिग्री के ऊपर पहुंचा तापमान

नई दिल्ली (एजेंसी)। सितंबर के महीने की शुरुआत ही गर्मी से हुई है। हालांकि बारिश का अंतिम दौर है, लेकिन उमस इस कदर व्याप्त है कि तापमान 40 डिग्री के ऊपर पहुंच गया है। जानकार बताते हैं कि इतना तापमान तो जून के महीने में था। इधर आईएमडी के अनुसार पाकिस्तान से आने वाली शुष्क पश्चिमी हवाओं और साफ आसमान की वजह से दिल्ली में सोमवार का दिन काफी गर्म रहा। कम से कम 32 सालों में पहली बार सितंबर में सफदरजंग में तापमान 40 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया। सफदरजंग में तापमान 40.1 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया, जो सामान्य से छह डिग्री अधिक और रविवार के अधिकतम तापमान से 2.9 डिग्री अधिक है। इस साल 14 जून के बाद यह पहली बार था जब शहर के मुख्य स्टेशन पर तापमान ने 40 डिग्री के आंकड़े को पार किया है। सितंबर में तापमान का 40 डिग्री सेल्सियस तक पहुंचना न केवल दुर्लभ है बल्कि सोमवार का अधिकतम तापमान महीने के उच्चतम स्तर 40.6 डिग्री सेल्सियस के करीब था। इससे पहले 16 सितंबर, 1938 को सफदरजंग में इतना तापमान दर्ज किया गया था। 1992 के बाद से आईएमडी के आंकड़ों में, पिछला उच्चतम तापमान 4 सितंबर 2005 को 38.5 डिग्री दर्ज किया गया था। 2022 और 2021 में सितंबर में उच्चतम दैनिक तापमान क्रमशः 38 और 36.2 डिग्री सेल्सियस था।

सफदरजंग के अलावा, अक्षरधाम के पास सीडब्ल्यूजी गांव के स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में पारा 40 डिग्री सेल्सियस, पीतमपुरा में 39.3 डिग्री सेल्सियस, नजफगढ़ में 38 डिग्री सेल्सियस, पूसा में 37.9 डिग्री सेल्सियस और रिज पर 37.7 डिग्री सेल्सियस पर पहुंच गया। वहीं न्यूनतम तापमान 26.3 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो सामान्य से एक डिग्री अधिक है। इस दौरान सापेक्षिक आर्द्रता 39 से 86 प्रतिशत के बीच रही। आईएमडी के वरिष्ठ वैज्ञानिक आर के जेनामनी ने कहा कि पाकिस्तान और पश्चिमी राजस्थान से आने वाली शुष्क पश्चिमी हवाओं के कारण तापमान बढ़ गया। बादलों की कमी और कमजोर मानसून प्रवाह के कारण शुष्क स्थिति जारी रहने से भी तापमान बढ़ने में मदद मिली।

मौसम विभाग के आंकड़ों से पता चलता है कि दिल्ली में पिछले 10 दिनों से बारिश की कोई गतिविधि नहीं हुई है। आखिरी बार, दिल्ली में 24 अगस्त को बारिश हुई थी। तब सफदरजंग में 6.4 मिमी बारिश दर्ज की गई थी। अगस्त में बारिश में 61फीसदी की कमी देखी गई। सफदरजंग में पिछले महीने 233.1 मिमी बारिश की तुलना में केवल 91.8 मिमी बारिश हुई। मौसम विभाग के अधिकारियों ने कहा कि मंगलवार को दिन का तापमान थोड़ा कम होने और 37 डिग्री सेल्सियस के आसपास रहने का अनुमान है।

अमेरिका की फर्स्ट लेडी जिल बाइडेन कोरोना संक्रमित

- जी20 समिट में भाग लेने के लिए आने वाली थीं भारत

वाशिंगटन । अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन और फर्स्ट लेडी जिल बाइडन भारत में होने वाले जी20 समिट में शामिल होने वाले थे। वहीं भारत आने से दो दिन पहले ही फर्स्ट लेडी जिल बाइडन कोरोना संक्रमित पाई गई है। हालांकि राष्ट्रपति बाइडेन की रिपोर्ट निगेटिव है। जी20 सम्मेलन इस साल 9 और 10 सितंबर को भारत की राजधानी दिल्ली में होने वाला है और जो बाइडन 7 सितंबर को भारत आने वाले थे, साथ में उनकी पत्नी और फर्स्ट लेडी जिल बाइडन ने भी आना था लेकिन उससे पहले उनकी कोरोना रिपोर्ट पॉजिटिव आई है। हालांकि फर्स्ट लेडी ऑफिस का कहना है कि उनमें कोविड के कोई लक्षण नहीं है। जिल बाइडन अब डेलावेयर स्थित अपने आवास पर आइसोलेशन में रहेंगी। बता दें कि इससे पहले 16 अगस्त को साउथ कैरोलिना में राष्ट्रपति जो बाइडेन के साथ छुट्टियां मनाने के दौरान भी 71 वर्षीय जिल बाइडेन कोरोना संक्रमित पाई गई थीं और उन्हें 5 दिन तक क्वारंटाइन में रही थीं। व्हाइट हाउस की ओर से बताया गया कि राष्ट्रपति बाइडन 8 सितंबर को प्रधानमंत्री मोदी से द्विपक्षीय वार्ता करेंगे। इसके अलावा 9-10 सितंबर को जी-20 सम्मेलन में हिस्सा लेंगे, जहां वह जी-20 के अन्य साझेदारों के साथ ऊर्जा और जलवायु परिवर्तन जैसे कई वैश्विक मुद्दों पर चर्चा करेंगे।

सूडान संघर्ष से 48 लाख लोग विस्थापित हुए : संयुक्त राष्ट्र एजेंसी

खार्तूम । मानवीय मामलों के समन्वय के लिए संयुक्त राष्ट्र कार्यालय (ओसीएचए) ने कहा है कि सूडानी सशस्त्र बलों (एसएएफ) और अर्धसैनिक सहायता बल (आरएसएफ) के बीच संघर्ष के कारण अप्रैल के मध्य से सूडान के अंदर और बाहर लगभग 4.8 मिलियन लोग विस्थापित हुए हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक ओसीएचए ने अपने नवीनतम अपडेट में कहा कि लगभग दस लाख लोग पड़ोसी देशों में चले गए हैं। इसमें कहा गया है कि चार महीने से अधिक समय पहले सूडान में संघर्ष शुरू होने के बाद से कम से कम दो मिलियन बच्चे अपने घरों से भाग गए हैं। इससे पहले सोमवार को यूएनएचसीआर ने सूडान में चल रहे संघर्ष से 2023 के अंत तक पांच पड़ोसी देशों में आने वाले 1.8 मिलियन से अधिक लोगों को आवश्यक सहायता और सुरक्षा प्रदान करने के लिए 1 बिलियन डॉलर मदद की अपील की थी। सूडानी स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार सूडान में 15 अप्रैल से खार्तूम और अन्य क्षेत्रों में एसएएफ और आरएसएफ के बीच घातक सशस्त्र झड़पों में तीन हजार से अधिक लोग मारे गए और छह हजार से अधिक घायल हुए।

गर्भ में लड़की होने का मना रहे थे जश्न, अचानक प्लेन हुआ क्रैश

मेक्सिको । उत्तर अमेरिका के मेक्सिको में एक जोड़ा अपने मेहमानों के साथ गर्भ में लड़की होने का जश्न मना रहा था, कि अचानक उनके सामने ही प्लेन क्रैश हो गया। सैन पेड्रो शहर में एक जेंडर रिवील पार्टी उस समय भयावह बन गई जब बेखबर मेहमानों के सामने स्टंट कर रहा एक विमान दुर्घटनाग्रस्त हो गया। इस दौरान पाइपर पीए-25 का लेफ्ट विंग विफल हो गया और दुर्घटनाग्रस्त हो गया। इस हादसे में पायलट की मौत हो गई। लेकिन खुशी का इजहार कर रहे लोगों को इस हादसे का पता तक नहीं चला और लोग गर्भवती महिला के ऊपर से पिंक कलर बिखरने वाले विमान का आनंद लेते रहे। इस हादसे से जुड़ा भयानक वीडियो इंटरनेट पर खूब वायरल हो रहा है। इस वीडियो में साफ और स्पष्ट नजर आ रहा है कि दंपती उत्साह से जश्न मना रहे हैं। होने वाले बच्चे के लिंग प्रकटीकरण पार्टी का आयोजन किया गया है। एक्स पर पोस्ट किए गए एक वीडियो में, फुटेज में एक गर्भवती महिला को मुस्कुराते हुए और एक संकेत के सामने हाथ पकड़े हुए दिखाया गया है जिस पर लिखा है, ओह बेबी। कुछ ही क्षण बाद, एक स्टंट विमान बेखबर मेहमानों के सामने दुर्घटनाग्रस्त हो गया। गुलाबी पानी ले जाने वाले विमान के जोड़े के ऊपर से गुजरने से सभी बेखबर रहते हैं और जश्न मनाते देखते हैं। लेकिन असल में जोड़े के ऊपर से गुजरे विमान को कुछ दूरी पार करने के बाद दुर्घटनाग्रस्त होते देखा जा सकता है। बावजूद इसके सब उस घटना से बेखबर ही दिखते हैं। भावी माता-पिता ने देखा कि एक छोटा विमान ऊपर की ओर उड़ रहा था और गुलाबी पानी जैसा एक बड़ा सा गुब्बार छोड़ रहा था, जो यह संकेत दे रहा था कि उनके गर्भ में एक लड़की है। इस तरह से मेक्सिको में लिंग का खुलासा एक त्रासदी में समाप्त होता है। वीडियो में जश्न में शामिल एक स्टंट विमान को मेहमानों के सामने दुर्घटनाग्रस्त होते दिखाया गया है। लुइस एंजेल एन नामक 32 वर्षीय पायलट को बाद में विमान के मलबे में पड़ा पाया गया, जिसके बाद उन्हें अस्पताल ले जाया गया, जहां उन्हें मृत घोषित कर दिया गया।

चार अंतरिक्ष यात्री 6 माह का अभियान पूरा कर वापस धरती पर लौटे

केप केनवरल । चार अंतरिक्ष यात्री अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन (आईएसएस) पर छह महीने रहने के बाद सोमवार तड़के वापस धरती पर लौट आए। उनका 'स्पेस एक्स' कैप्सूल फ्लोरिडा तट से दूर अटलांटिक सागर में पैराशूट से उतरा। नासा के अंतरिक्ष यात्री स्टीफन बोवेन और वॉरेन 'वुडी' होबर्ग, रूस के आंद्रेई फेदयेव और संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) के सुल्तान अल-नेयादी इस अंतरिक्ष अभियान को पूरा करने के बाद धरती पर लौटे। अल-नेयादी कक्षा में इतना लंबा समय बिताने वाले अरब दुनिया के पहले व्यक्ति हैं। अंतरिक्ष स्टेशन से प्रस्थान करने से पहले उन्होंने कहा कि मार्च में आईएसएस पर पहुंचने के बाद वह गर्म पानी से स्नान, गर्म कॉफी से भरे कप और समुद्री हवाओं के लिए तरस रहे थे। हालांकि, खराब मौसम के कारण उनकी वापसी में एक दिन की देरी हुई। 'स्पेस एक्स' ने एक सप्ताह पहले इन अंतरिक्ष यात्रियों की जगह लेने वाले अन्य यात्रियों को आईएसएस पर भेजा था। इस महीने के अंत में आईएसएस के क्रू में एक और बदलाव होगा, जिसके तहत दो रूसी और एक अमेरिकी वैज्ञानिक की लंबे समय से प्रतीक्षित वापसी होगी, जो पूरे साल अंतरिक्ष स्टेशन पर रहे हैं।

ब्वॉयफ्रेंड बनाने के लिए लडकी ने मांगे आवेदन

-मात्र 24 घंटे में आए 3000 एप्लिकेशन!

वॉशिंगटन । अपने लिए पार्टनर तलाशने कोई डेटिंग ऐप्स का सहारा लेता है तो कुछ लोग सोशल मीडिया से ही अपने लिए पार्टनर की तलाश करते हैं। एक लड़की ने इन सारे तरीकों को छोड़कर एक अनोखा रास्ता निकाला है। उसने लड़कों से कहा है कि वे उसका प्रेमी बनने के लिए एप्लिकेशन दें और 24 घंटे के अंदर ही उसके पास हज़ारों कैंडिडेट्स की लाइन लग गई। मॉडल और टिकटॉकर वीरा डिज्कमांस ने बताया है कि वो अकेले रहते-रहते थक चुकी है और अब उसे अपने लिए एक ब्वॉयफ्रेंड की तलाश है।एक रिपोर्ट के मुताबिक उसने टिकटॉक पर लोगों से कहा कि वो ब्वॉयफ्रेंड एप्लिकेशन मांग रही है, जिसे खुद को योग्य समझने वाले लोग दे सकते हैं। लड़की ने अपने पौने चार लाख फॉलोअर्स के सामने ये प्रस्ताव रखा है। इसके लिए बाकायदा एक फॉर्म है, जिसमें पर्सनल डिटेल्स भरनी है और कुछ सवालों का जवाब देना है। वीरा की इस क्विप को हज़ारों लोगों ने देखा है और आप सोच नहीं सकते कि उसे कितना बंपर रेस्पॉन्स मिला है। 24 घंटे के अंदर-अंदर उसको 3000 एप्लिकेशन मिल चुके हैं। लंदन की रहने वाली हसीना का कहना है कि लोगों को ये अजीब लग सकता है लेकिन इस वक्त में डेटिंग आसान नहीं है। ऐसे में वो अच्छे कैंडिडेट्स को शॉर्टलिस्ट करके उनमें से एक को चुनेगी। उसके ब्वॉयफ्रेंड की जो खूबियां वो बताती हैं, उसमें उसकी कमाई, आत्मनिर्भरता के अलावा कार्टून का शौकीन होना भी ज़रूरी है। बता दें कि नौकरी के लिए आवेदन देने और मांगने के बारे में तो आप जानते ही होंगे। अक्सर ये खबरें भी सुनी होंगी कि एक पद के लिए कैसे हज़ारों आवेदन आ जाते हैं क्योंकि यहां पैसे कमाने का साधन मिलना होता है। लेकिन ऐसी खबरें कम ही सुनने को मिलती है।

मंगोलिया में एक पत्रकार वार्ता को संबोधित करते हुए पोप फ्रांसिस।

पाकिस्तान में समय पर, स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव करना बहुत जरुरी : अमेरिका

इस्लामाबाद । अमेरिकी विदेश विभाग ने कहा कि वरिष्ठ अमेरिकी राजनयिक विक्टोरिया नूलैंड ने पाकिस्तानी विदेश मंत्री जलील अब्बास जिलानी से बात की और दक्षिण एशियाई राष्ट्र में समय पर, स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव के महत्व पर चर्चा की है। अमेरिकी विदेश विभाग ने कहा कि कार्यवाहक उप सचिव नूलैंड और विदेश मंत्री जिलानी ने पाकिस्तान के कानूनों और संविधान के अनुरूप समय पर, स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव के महत्व पर चर्चा की। पाकिस्तानी राजनीति एक साल से अधिक समय से संकट में है, जिसके केंद्र में पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान हैं, जिन्हें पिछले साल संसदीय अविश्वास मत में अपदस्थ कर दिया गया था। इमरान ने अपने निष्कासन के लिए संयुक्त राज्य अमेरिका और पाकिस्तान की सेना को दोषी ठहराया। वाशिंगटन और सेना दोनों ने उनके दावों का खंडन किया है। नूलैंड और जिलानी के बीच हुई बातचीत पर विदेश विभाग के बयान में खान का कोई जिक्र नहीं किया गया। पाकिस्तान ने अगस्त के मध्य में अंतरिम प्रधान मंत्री अनवार-उल-हक काकर के तहत एक कार्यवाहक कैबिनेट की शपथ ली, जिसे नए चुनावों तक देश चलाने का काम सौंपा गया था, जो नवंबर से आगे विलंबित हो सकता है क्योंकि निर्वाचन क्षेत्र की सीमाएं फिर से निर्धारित की गई हैं। कार्यवाहक कैबिनेट का शीर्ष काम पाकिस्तान को आर्थिक स्थिरीकरण की ओर ले जाना होगा, साथ ही 350 अरब डॉलर की अर्थव्यवस्था अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) से आखिरी मिनट में 3 अरब डॉलर का बेलआउट सौदा प्राप्त करने के बाद एक संकीर्ण पुनर्प्राप्ति पथ पर चल रही है, जिससे एक संप्रभु ऋण डिफ़ॉल्ट को रोका जा सके।

पाकिस्तान के राष्ट्रपति भवन पर सेना का कब्जा, अल्वी को चुनावी तारीखें घोषित करने से रोकने के लिए मिली धमकी

इस्लामाबाद (एजेंसी)। पाकिस्तान में सियासी घमासान जारी है। इमरान खान के जेल जाने के बाद भी ये बवाल थमा नहीं है। अब राष्ट्रपति और पाकिस्तानी सेना के बीच ठन गई है। पाकिस्तान के राष्ट्रपति आरिफ अल्वी इमरान खान के समर्थक माने जाते हैं। ऐसे में राष्ट्रपति अल्वी को पाक सेना ने घेर लिया है। यह कदम अल्वी को चुनाव की तारीखों की घोषणा करने से रोकने के लिए उठाया गया है। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार पाकिस्तान के राष्ट्रपति भवन पर सेना ने कब्जा कर लिया है। पाक सेना और शहबाज शरीफ गठबंधन चाहता है कि चुनाव को जितना संभव हो सके टाल दिया जाए। जबकि इमरान खान चाहते थे कि चुनाव समय पर हो। इमरान समर्थक अल्वी ऐसा कुछ न करें, इसीलिए पाक सेना ने उन्हें घेर लिया है।

अल्वी को चुनावी तारीखें घोषित करने से रोकने के लिए धमकी दी गई है। राष्ट्रपति भवन में राष्ट्रपति के दफ्तर को ही खाली करा लिया गया है। दफ्तर में मौजूद स्टॉफ को भी निकाल दिया गया है। पाकिस्तानी आर्मी ने राष्ट्रपति भवन की चौथी मंजिल को अपने कब्जे में ले लिया है। आर्मी चीफ और आईएसआई को ये भनक लगी कि राष्ट्रपति अल्वी चुनाव का ऐलान करने वाले हैं। आर्मी चीफ और आईएसआई ने राष्ट्रपति से मिलकर कोई भी घोषणा करने से रोक दिया है।

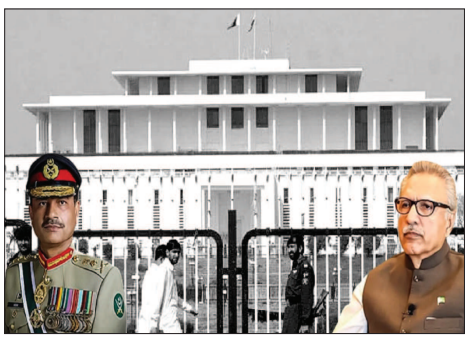

संविधान के मुताबिक 90 दिनों में चुनाव होने हैं

सूत्रों के मुताबिक, बैठक तीखी रही और राष्ट्रपति के साथ ठीक से व्यवहार नहीं किया गया। एक वरिष्ठ राजनीतिक विश्लेषक का कहना है कि पाकिस्तान के संविधान के मुताबिक मौजूदा हालात को देखते हुए 90 दिनों के अंदर चुनाव कराए जाने चाहिए। यदि राष्ट्रपति अल्वी ने चुनाव की घोषणा की होती, तो पीएम इमरान खान के खिलाफ चल रहा अभियान चल रहा होता। बड़ा झटका लगा होगा। सूत्रों के मुताबिक, राष्ट्रपति द्वारा जल्द ही चुनाव की तारीखों की घोषणा करने की खबर अंदर से लीक की गई है ताकि पाकिस्तानी सेना इमरान की पार्टी पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) पर दबाव बना सके और उसे बातचीत की मेज पर ला सके। तक लाया गया।

भारत और यूके के बीच होने वाली डील पड़ी खटाई में

-पीएम सुनक जल्दबाजी में नहीं

लंदन (एजेंसी)। भारत और यूके के बीच होने वाली एक अहम डील खतरे में पड़ गई है। ब्रिटिश मीडिया में आ रही खबरों से ऐसा ही लगता है। ब्रिटिश मीडिया ने पीएम ऋषि सुनक के हवाले से लिखा है कि नौ और 10 सितंबर को जब नई दिल्ली में जी20 सम्मेलन का आयोजन होगा, तब उस समय इस डील के साइन होने की कोई संभावना नहीं है। दरअसल पीएम सुनक ने भारत के साथ एक त्वरित व्यापार समझौते से इनकार किया है। बताया जा रहा हैं कि डील का शायद अगले साल के चुनावों तक भी हो पाना असंभव हो गया है।

पीएम सुनक को भारत के साथ इस डील की वजह से काफी आलोचनाओं का शिकार होना पड़ा है। माना जा रहा है कि सरकार के अंदर कुछ मंत्रियों को इस डील से आपत्ति थी। इसकारण यूके ने समझौते से अपने पैर पीछे खींच लिए हैं। मीडिया रिपोर्ट की माने तब पीएम सुनक ने डील पर जल्दबाजी करने से मना कर दिया है। इसके तहत व्हिस्की जैसी वस्तुओं पर टैरिफ को कम करना था। लेकिन यह डील प्रोफेशनल सर्विसेज जैसे जटिल विषयों को सुलझाने में असफल है। कहा जा रहा है कि जी20 सम्मेलन के लिए भारत आ रहे सुनक के अपने भारतीय समकक्ष नरेंद्र मोदी से मिलने से पहले किसी भी समझौते के होने की संभावना समाप्त हो गई है। अब कई लोग मान रहे हैं कि दोनों देशों के बीच साल 2024 में चुनाव होने से पहले कोई समझौता होना मुश्किल है। हालांकि यूके सरकार में कुछ लोगों का अभी भी मानना है कि इस साल के अंत में डील को फाइनल किया जा सकता है।

इस पूरी स्थिति का मतलब यही है कि भारत-ब्रिटेन मुक्त व्यापार समझौता अभी भी दूर है। इस ब्रेक्जिट के बाद ब्रिटेन के लिए सबसे बड़े अवसरों में से एक के रूप में लंबे समय से माना जाता है। पिछले साल दिवाली तक एक समझौते की बात थी। यूके के व्यापार मंत्री केमी बैडेनोच और पीएम ऋषि सुनक ने फैसला किया है कि वे उस रास्ते पर नहीं जाना चाहते हैं। इसलिए उन्होंने समय सीमा को समाप्त कर दिया है। सूत्रों का कहना है कि भारत वस्तुओं पर एक प्रारंभिक समझौता करना चाहता है। लेकिन जोखिम यह है कि इसके बजाय इससे एक व्यापक व्यापार समझौते की शुरुआत हो सकती है। इस डील से ब्रिटेन को वह कुछ भी नहीं मिलता है जो वह चाहता है। हालांकि, बातचीत वर्षों से चल रही है और निकट समाप्ति के करीब नहीं पहुंच रही है। पूर्व पीएम बोरिस नसन और उनकी उत्तराधिकारी लिज ट्रस दोनों ने पिछले साल दिवाली तक एक समझौते का वादा किया था, जो अक्टूबर में पड़ा था, लेकिन लगभग एक साल बाद उन लोगों के पास जो बातचीत के करीब हैं, उनका कहना है कि बड़े क्षेत्रों में असहमति बनी हुई है।

जी20 शिखर सम्मेलन में चीनी उपस्थिति का विरोध नहीं करेंगे तिब्बती, जिनपिंग को बताया माओत्से तुंग से भी बदतर

तिब्बती प्रतिनिधि ने कहा कि इस सप्ताह के अंत में होने वाले जी20 शिखर सम्मेलन के दौरान निर्वासित तिब्बती यहां चीनियों के खिलाफ कोई विरोध प्रदर्शन नहीं करेंगे क्योंकि चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग बैठक में भाग नहीं लेंगे। निर्वासित तिब्बती संसद के सदस्य दावा त्सेरिंग ने कहा कि अगर शी जिनपिंग शिखर सम्मेलन में शामिल होते तो हम जी20 बैठक के दौरान कुछ आंदोलन करना चाहते थे। अब हमने सुना है कि वह नहीं आ रहे हैं। सेरिंग ने कहा कि जब से शी जिनपिंग सत्ता में आए हैं, वह भारत सरकार और भारतीय लोगों को भड़का रहे हैं। उन्होंने कहा कि वह (शी) तिब्बती लोगों पर अत्याचार कर रहे हैं और उन्होंने छोटे बच्चों को अपनी भाषा सीखने की इजाजत नहीं दी। अगर मेरा बेटा भिक्षु बनना चाहता है, तो वह इसकी इजाजत नहीं देते। यह एक सांस्कृतिक नरसंहार है। वह माओत्से तुंग से भी बदतर हैं।

यह पूछे जाने पर कि क्या तिब्बती शिखर सम्मेलन में चीनी प्रतिनिधि की उपस्थिति का विरोध करेंगे, त्सेरिंग ने कहा कि विरोध तभी होता जब शी जिनपिंग बैठक में भाग लेने आते। उन्होंने कहा कि हम उम्मीद करते हैं कि भारत सरकार चीनी विस्तारवादी नीति के खिलाफ दृढ़ता से खड़ी होगी जो वह न केवल भारत बल्कि सभी दक्षिण एशियाई देशों के प्रति अपनाती है। जी20 बैठक में दक्षिण एशियाई देशों के प्रतिनिधिमंडलों को इस चीनी नीति के खिलाफ खड़ा होना चाहिए।

इज़राइल ने गाजा पट्टी से माल का निर्यात रोका

- सभी वस्तुओं को अगली सूचना तक केरेम शालोम सीमा पार से निर्यात से रोका जाएगा

गाजा (एजेंसी)। इजरायली अधिकारियों ने कहा है कि उन्होंने मंगलवार से अगली सूचना तक गाजा पट्टी से माल का निर्यात रोक दिया है। सूत्रों ने बताया कि इजरायल ने फिलिस्तीनी प्राधिकरण द्वारा संचालित समन्वय आयोग को सूचित किया कि सभी वस्तुओं को केरेम शालोम सीमा पार से निर्यात से रोका जाएगा, जो क्षेत्र में एकमात्र वाणिज्यिक सीमा है। सूत्रों के अनुसार इज़राइल द्वारा क्रॉसिंग पर विस्फोटक सामग्री की तस्करी के प्रयास को विफल करने के बाद यह निर्णय लिया गया। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक फिलिस्तीनी क्षेत्रों में इजरायली सरकार की गतिविधियों के समन्वयक घासन अलियान ने शिन्हुआ को एक प्रेस बयान में कहा कि इससे पहले सोमवार को, गाजा से कपड़े ले जा रहे एक ट्रक में छिपाकर रखी गई विस्फोटक सामग्री की तस्करी के प्रयास को क्रॉसिंग पर विफल कर दिया गया था। उन्होंने कहा कि तस्करी के प्रयास के बाद इजरायली अधिकारियों ने गाजा से इजरायल और वेस्ट बैंक में माल की शिपिंग रोकने का फैसला किया। एलियान ने कहा कि पट्टी में आर्थिक स्थिति पर निलंबन के संभावित नकारात्मक प्रभावों के बावजूद, इज़राइल आतंकवादियों को गाजा में नागरिक और मानवीय क्षेत्र का शोषण करने की अनुमति नहीं देगा। इस्लामिक प्रतिरोध आंदोलन (हमास) द्वारा संचालित आर्थिक मंत्रालय ने एक प्रेस बयान में फैसले की निंदा करते हुए कहा कि यह गाजा में मानवाधिकारों का उल्लंघन है।

किम जोंग-उन हथियार सौदे पर पुतिन से चर्चा करने जा सकते हैं रूस

- दोनों नेता ईस्टर्न इकोनॉमिक फोरम में भाग लेंगे, जो 10 से 13 सितंबर तक चलेगा

सियोल (एजेंसी)। उत्तर कोरिया के नेता किम जोंग-उन जल्द ही रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से मिलने और संभावित हथियार सौदे पर चर्चा करने के लिए रूस का दौरा कर सकते हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक न्यूयॉर्क के एक अखबार में प्रकाशित अपनी रिपोर्ट में अज्ञात अमेरिकी और संबद्ध अधिकारियों का हवाला देते हुए कहा कि किम अगले सप्ताह व्लादिवोस्तोक की यात्रा कर सकते हैं। रिपोर्ट में कहा गया है कि किम उत्तर कोरिया की राजधानी प्योंगयांग से, संभवतः बख्तरबंद ट्रेन से रूस के प्रशांत तट पर व्लादिवोस्तोक तक यात्रा करेंगे, जहां वह पुतिन से मिलेंगे। इसमें कहा गया है कि दोनों नेता ईस्टर्न इकोनॉमिक फोरम में भाग लेने के लिए व्लादिवोस्तोक में सुदूर पूर्वी संघीय विश्वविद्यालय के परिसर में होंगे, जो 10 से 13 सितंबर तक चलने वाला है। व्हाइट हाउस राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद (एनएससी) ने पूछे जाने पर रिपोर्ट की पुष्टि करने से इनकार कर दिया, लेकिन कहा कि किम रूस में उच्च स्तरीय बातचीत की उम्मीद कर सकते हैं। एनएससी के प्रवक्ता एड्रिएन वॉटसन ने रूसी रक्षा मंत्री सर्गेई शोइगु की जुलाई में प्योंगयांग की यात्रा का हवाला देते हुए एक समाचार एजेंसी को बताया कि जैसा कि हमने सार्वजनिक रूप से चेतावनी दी है, रूस और डीपीआरके (उत्तर कोरिया का आधिकारिक नाम) के बीच हथियार वार्ता सक्रिय रूप से आगे बढ़ रही है।

एनएससी के प्रवक्ता ने कहा कि हमारे पास जानकारी है कि किम जोंग-उन को उम्मीद है कि ये चर्चाएं जारी रहेंगी, इसमें रूस में नेता स्तर की राजनयिक भागीदारी भी शामिल होगी। एनएससी समन्वयक जॉन किर्बी ने पहले चेतावनी दी थी कि प्योंगयांग यूक्रेन में चल रहे युद्ध में उपयोग के लिए रूस को अतिरिक्त हथियार और सैन्य उपकरण प्रदान करने पर विचार कर सकता है। विदेश विभाग के एक प्रवक्ता ने कहा कि शोइगु की यात्रा के बाद रूसी अधिकारियों के एक दूसरे समूह ने संभावित हथियार सौदों के बारे में आगे की चर्चा के लिए उत्तर कोरिया की यात्रा की थी। प्रवक्ता ने मीडिया को बताया कि डीपीआरके और रूस के बीच कोई भी हथियार सौदा सीधे तौर पर संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के कई प्रस्तावों का उल्लंघन होगा। अधिकारी ने कहा कि हम डीपीआरके से रूस के साथ अपनी हथियार वार्ता बंद करने का आग्रह करते हैं और हम रूस और डीपीआरके के बीच हथियारों के सौदे को सुविधाजनक बनाने के लिए काम करने वाले व्यक्तियों और संस्थाओं को बेनकाब और मंजूरी देकर सीधे कार्रवाई कर रहे हैं। शोइगु ने पहले कहा था कि रूस और उत्तर कोरिया चीन के साथ संयुक्त सैन्य अभ्यास करने पर विचार कर रहे हैं। एक रिपोर्ट में कहा गया है कि लगभग 20 उत्तर कोरियाई अधिकारियों का एक प्रतिनिधिमंडल, जिसमें नेतृत्व के लिए सुरक्षा प्रोटोकॉल की देखरेख करने वाले कुछ लोग भी शामिल हैं, ने अगस्त के अंत में व्लादिवोस्तोक की यात्रा की, जो किम की आगामी यात्रा का संकेत देता है।

एलन मस्क के पिता को सता रहा है बेटे के मर्डर होने का खतरा

वॉशिंगटन (एजेंसी)। एलन मस्क के पिता ने कहा है कि सरकारी फैसलों पर उनके असर के बारे में एक रिपोर्ट के बाद उन्हें चिंता है कि टेस्ला के सीईओ की हत्या हो सकती है। एलन मस्क के पिता ने अमेरिकी मीडिया को बताया कि उन्हें डर है कि उनके अरबपति बेटे की हत्या की जा सकती है। 77 साल के एरोल मस्क ने मीडिया में आए एक हालिया लेख की आलोचना भी की। जिसमें यूक्रेन में जंग के बारे में सरकारी फैसलों पर दुनिया के सबसे अमीर शख्स एलन मस्क के असर के बारे में बताया गया था। पेंटागन के अधिकारियों ने बताया था कि एलन मस्क के साथ एक 'अनिर्वाचित अधिकारी' की तरह व्यवहार किया गया। रिपोर्ट में यह भी बताया गया है कि यूक्रेन युद्ध में स्पेसएक्स के स्टारलिंक सेटेलाइट कितने महत्वपूर्ण थे। एलन मस्क के बुजुर्ग पिता ने कहा कि यह एक चोट पहुंचाने वाला काम है, एलन मस्क पर एक छद्म सरकार का गहरा साया पड़ चुका है। जब उनसे पूछा गया कि क्या उन्हें डर है कि यह 'छद्म सरकार' उनके बेटे की हत्या कर सकती है? तो उन्होंने हां में जवाब दिया। उन्होंने व्लादिमीर पुतिन के प्रति उनके रवैये पर चिंता भी जताई।

बता दें कि पिछले साल मई में स्पेसएक्स के यूक्रेनी सैनिकों को स्टारलिंक टर्मिनल देने के फैसले पर रूस के स्पेस चीफ के साथ बहस के बाद एलन मस्क ने मजाक में कहा था कि वह 'रहस्यमय परिस्थितियों में मर सकते हैं'। एक एक्स इंजीनियर ने पहले ही बताया था कि दो अंगरक्षक बाथरूम सहित कंपनी मुख्यालय के आसपास एलन मस्क के लगातार साथ रहते थे। मई में दायर एक मुकदमे में कहा था कि उन्होंने अपने एक्स ऑफिस के बगल में एक बाथरूम बनाने का भी अनुरोध किया था ताकि उन्हें आधी रात में अपने सिक्योरिटी स्टाफ को जगाना न पड़े। एलन मस्क की सुरक्षा संबंधी चिंताएं पिछले दिसंबर में उनके निजी जेट को ट्रैक किए जाने के विवाद के दौरान सबसे अधिक तेजी से उभरी थीं। एलन मस्क ने इससे पहले कहा था कि उनके बेटे को ले जा रही कार का एक शख्स ने यह सोचकर पीछा किया था कि उसमें टेस्ला के सीईओ खुद सवार हैं।

अदभुत देवत्व के धनी योगेश्वर श्रीकृष्ण!

डा श्रीगोपाल नारसन

हजारों सालों तक कृष्ण के जीवन को हर किसी ने अपने तरीके से रखकर भागवत कथा सुनाने लगे श्रीकृष्ण का असली चरित्र जो वीरता का चरित्र है, जो साहस का चरित्र है,जो ज्ञान चरित्र का है, जो नीति निर्धारक का चरित्र है, जिसमें युद्ध की कला है,उसे सामने नही लाया गया। श्रीकृष्ण के प्रति अहिंसा की बात के पीछे कायरता दिखा दी गई ।

श्रीकृष्ण जन्माष्टमी पर्व भाद्रमाह के कृष्ण पक्ष की अष्टमी तिथि को मनाई जाती है।प्रायः जन्माष्टमी का त्योहार दो दिन मनाया जाता है। एक दिन गृहस्थ जीवन वाले और दूसरे दिन वैष्णव संप्रदाय वाले जन्माष्टमी मनाते हैं।इसलिए 6 व 7 सितंबर दोनों दिन श्री कृष्ण जन्मोत्सव मनाया जा सकता है। 6 सितंबर को भगवान श्रीकृष्ण का 5250 वां जन्मोत्सव है। श्रीकृष्ण का जन्म भाद्रपद मास के कृष्ण पक्ष की अष्टमी तिथि को रोहिणी नक्षत्र में मध्यरात्रि 12 बजे मथुरा में हुआ था। इस दिन श्रीकृष्ण भक्त उपवास रखकर श्रीकृष्ण की पूजा-अर्चना करते हैं। कंस के बढ़ रहे अत्याचारों से मुक्ति दिलाने के लिए भगवान विष्णु ने जन्माष्टमी के दिन कृष्ण के रूप में आठवां अवतार लिया था।श्रीकृष्ण पूजा का समय 6 सितंबर 2023 को रात्रि 11.57 बजे से 07 सितंबर 2023, प्रातः 12:42 तक है,यानि केवल 46 मिनट की पूजा अवधि है।रात्रि पूजन के लिए श्रीकृष्ण के लिए झूला सजाएं, इसके बाद श्रीकृष्ण को पंचामृत या गंगाजल से अभिषेक करें और फिर उनका श्रृंगार करें। इस दिन श्रीकृष्ण का बांसुरी, मोर मुकुट, वैजयंती माला कुंडल, पाजेब, तुलसी दल आदि से श्रृंगार किया जाता है। इसके साथ ही पूजा में उन्हें मक्खन, मिठाई, मेवे,मिश्री और धनिया की पंजीरी का भोग लगाया जाता है।पूजा में श्रीकृष्ण की आरती जरूर करें।वास्तव में योगिराज श्रीकृष्ण सोलह कला सम्पन्न देवता है, जिन्होंने अपनी सर्वगुण सम्पन्नता से महाविकारी व अत्याचारी शासक कंस का वध किया था।वे महाभारत युद्ध के समय श्रीमद् भागवत गीता के उदभव के लिए खासे चर्चित हुए। श्रीमद्भागवत स्वयं परमात्मा का सन्देश है ,जो अर्जुन को धर्म की रक्षा के लिए दिया गया।श्रीकृष्ण का पूर्ण आभामण्डल ही हर किसी को लुभाता रहा है।उनका मनमोहक स्वरूप,उनकी गीत संगीत से ओत प्रोत ज्ञान मुरली,उनकी प्राकृतिक आपदा के समय गोवर्धन पर्वत के माध्यम से जनसामान्य की मदद करने की घटना ,गरीब मित्र सुदामा का अपने राजमहल मे अतिथि सत्कार करना भक्तों

को इतना भाया कि श्रीकृष्ण को उन्होंने दिलो मे बसा लिया।तभी तो कही लड्डू गोपाल के रूप मे तो कही नटखट गोपाल के रूप मे,कही घनश्याम के रूप मे तो कही कन्हैया के रूप मे श्री कृष्ण विभिन्न कला दिखाते हुए नजर आते है।श्रीकृष्ण जिन्हें पौराणिक दृष्टि से लीलाधर, रसिक, गोपी प्रेमी, कपड़े चोर, माखन चोर और न जाने क्या-क्या लिखा गया है ,की भक्ति मनोरथ पूरा करने वाली है । ब्रह्माकुमारीज व आर्य समाज जैसी संस्थाओं ने हमेशा अपने महापुरुषों को अंधविश्वास से मुक्त करने का काम किया है। लोगों को वास्तविकता का बोद्ध कराया है। योगिराज श्रीकृष्ण के चरित्र को किस तरह से पेश कर कह दिया गया कि उनकी 16 हजार गोपियाँ थी, वे छिपकर माखन व गोपियों के कपडे चुराने जाया करते थे।जबकि इसमें कोई सच्चाई नही है।फूहड़ गीत बना दिए कि मनिहार का वेश बनाया श्याम चूड़ी बेचने आया, अश्लील कथा जोड़ दी कि उनके आगे पीछे हजारों स्त्रियाँ नाचती थी, वो रासलीला रचाते थे यदि कोई हमारे सामने हमारे माता-पिता के बारे में ऐसी टिप्पणी करे तो क्या हम सहन करेंगे? नहीं ना! तो फिर आर्य समाज कैसे सहन करता? ऐसी स्थिति में श्रीकृष्ण के वास्तविक चरित्र को समझना बहुत आवश्यक है श्रीकृष्ण महाभारत में एक पात्र है जिनका वर्णन सबने अपने-अपने तरीके से किया है,सबने कृष्ण के जीवन को खंडो में बाँट लिया सूरदास ने उन्हें बचपन से बाहर नही आने दिया, सूरदास के श्रीकृष्ण कभी बच्चे से बड़े नहीं हो पाते है। रहीम और रसखान ने उनके साथ गोपियाँ जोड़ दी, इन लोगों ने वह श्रीकृष्ण प्रस्तुत नही किया जो शुभ को बचाना, अशुभ को छोड़ना सिखाता है।श्री कृष्ण की बांसुरी में सिवाय ध्यान और आनंद के और कुछ भी नहीं था, पर मीरा के भजन में दुख खड़े हो गये पीड़ा खड़ी हो गयी। हजारों सालों तक कृष्ण के जीवन को हर किसी ने अपने तरीके से रखकर भागवत कथा सुनाने लगे श्रीकृष्ण का असली चरित्र जो वीरता का चरित्र है, जो साहस का चरित्र है,जो ज्ञान चरित्र का है, जो नीति निर्धारक का चरित्र है, जिसमें युद्ध की कला है,उसे सामने नही लाया गया। श्रीकृष्ण के प्रति अहिंसा की बात के पीछे कायरता दिखा दी गई । स्वामी दयानंद ने कृष्ण के शब्दों को उनकी नीति, उनकी युद्ध कला के रूप में समझायो वास्तव में अर्जुन नाम एक मनुष्य का है,जबकि कृष्ण नाम चेतना का है ,जो सोई चेतना को जगा दे उसी जाग्रत चेतना का नाम कृष्ण है जो अपने धर्म व देश के प्रति आत्मा को जगा दे उसी का नाम श्रीकृष्ण हैपुराणों के चश्मे से श्रीकृष्ण को नहीं समझा जा सकता क्योंकि वहां सिवाय मक्खन व कपड़े चोरी के आरोपों के अलावा कुछ नहीं मिलतो मन्दिरों में नाचने से श्रीकृष्ण को नहीं पाया जा सकतो उसके लिए अर्जुन बनना पड़ेगा, तभी श्रीकृष्ण को समझा जा सकता है यह सत्य है श्रीकृष्ण जैसा कोई दूसरा उदहारण फिर पैदा नहीं हुओ यदि स्त्री जाति के सम्मान की बात आये तो कृष्ण जैसा उदहारण नहीं मिलेगा ।श्रीकृष्ण ने हर किसी स्त्री का सम्मान किया। स्त्री जाति भी श्रीकृष्ण का सम्मान करती रही। लेकिन खुद नारी जाति का शोषण करने के लिए योगिराज के महान चरित्र को रासलीला से जोड़ दिया गयो धर्म की बुनियादों में श्रीकृष्ण हमेशा से जीवित है, जिस दिन अंधविश्वास के अंधकार का पत्थर हटेगा, तभी हम श्रीकृष्ण को पा सकेंगे उनके विराट स्वरूप के दर्शन कर सकेंगे। वही समय कलियुग की पूर्णतः समाप्ति व सतयुग के आरंभ का भी समय होगा।यानि श्रीकृष्ण सतयुग का प्रथम पुरुष होगा।

(लेखक आध्यात्मिक चिंतक एवं वरिष्ठ पत्रकार है)

संपादकीय

'तैयार हैं हम' का संदेश

दिल्ली में जी-20 के शिखर सम्मेलन के पहले प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के लंबे इंटरव्यू का एक खास मकसद है। हालांकि इनमें बहुत सारी बातें पुरानी हैं। एकाध बातों को छोड़कर। पर वर्तमान में इसका प्रयोजन भारत की अंगड़ाई लेतीं वैश्विक महत्त्वाकांक्षाओं से देश-दुनिया को साक्षात्कार कराना है। इसके जरिए मोदी 'तैयार हैं हम' का भरोसा भिन्न व्यवस्थाओं से संचालित होने वाले भूगोल और उनमें रहने वाली पूरी मानवजाति को देना चाहते हैं। यह भरोसा भारत की ठोस आर्थिकी, भौतिक-भौगोलिक, वैज्ञानिक एवं जनसांख्यिकीय विलक्षणता का है, जो परम्परागत दूरदर्शिता, गुणवत्ता एवं युवा आबादी की क्षमता-कौशल से भरपूर है। प्राय हर क्षेत्र में इसकी उपलब्धि के निशान हैं। भारत ने वैश्विक संकट-आतंकवाद, कोरोना जैसी महामारी में नुकसान सह कर भी सहायता देने की मानवीय प्रतिबद्धता दिखाई है। जलवायु परिवर्तन जैसी समस्या पर उसकीसक्रियता ने रास्ता दिखाया है। इसके बावजूद,

दक्षिण एशिया और अफ्रीकी महादेश तक विकसित होने के लिए संघर्षरत हैं। यह केवल एकांगी और विखंड़नवादी यूरोपीय दर्शन से दुनिया को हांकने का नतीजा है। उन्हें बराबरी तक लाने के लिए विकास का जीड़ीपीए आधारित दृष्टि नहीं बल्कि भारत के अविभेदकारी मूल दर्शन 'वसुधैव कुटुम्बकम्' यानी संसार एक परिवार है, के तहत मानवीय दर्शन को अपनाना होगा। इसमें सभी विचारों-दर्शनों के फलने-फूलने की एक सामूहिक विविधता है। संयुक्त राष्ट्र के सम्यक विस्तार की यही उचित दृष्टि होनी चाहिए। भारत इसी बुनियाद पर सुरक्षा परिषद के स्थायी सदस्य का दावा करता रहा है। मोदी कहना चाहते हैं कि भारत का रवैया वैश्विक नेतृत्व के मानकों के एकदम अनुरूप है। दुनिया को इस भारत का इस्तकबाल करना चाहिए। जी-२० की वार्षिक अध्यक्षता एवं उसकी मेजबानी एक सुबूत है। खचीर्ला होने के बावजूद भारत में इसका आयोजन उसके कद को और ऊंचा करने के लिए जरूरी है। इंदिरा गांधी के समय हुए गुटनिरपेक्ष सम्मेलन या एशियाड के जरिए यह स्थापित करना था कि भारत सपेरों या भूखे-नंगों का देश नहीं है। लेकिन मोदी अब ह्वजीरो से इसरो तक' में तथ्यों के साथ भारत के नायकत्व की ठोस दावेदारी कर रहे हैं। वे कश्मीर एवं अरुणाचल में चीन की आपत्तियों को साहस से खारिज कर रहे हैं। वहीं, देश को संदेश दे रहे हैं कि यह सब स्थिर सरकार (उनकी) के रहते ही संभव हुआ है। वे युवा आबादी पर दांव लगा कर अगले चुनाव में बाजी पलटने की तैयारी में भी हैं।

चिंतन-मनन

निर्णय में बदलाव पर नजर

लोगों के व्यवहार व कार्यों से या तो तुम सहमत होते हो या असहमत। परंतु इतना सदैव याद रखो कि सब कुछ परिवर्तनशील है। इसीलिए किसी भी निर्णय पर अड़े मत रहो वरना तुम्हारी धारणाएं चट्टान की तरह ठोस हो जाती हैं और तुम्हें व औरों को दुःखी करती हैं। यदि निर्णय हवा के झोकों की तरह हल्के हों तो वे सुगंध फैलाकर आगे बढ़ जाते हैं। वे दुर्गंध भी फैलाकर जा सकते हैं-परंतु उन्हें हमेशा वहीं नहीं रहना है। निर्णय इतने सूक्ष्म होते हैं कि तुम्हें उनके होने का आभास भी नहीं होता। किसी को निणार्यात्मक ठहराना या समझना भी एक निर्णय है। केवल जब तुम सत्ता के साथ होते हो, प्रेम और अनुकम्पा से पूर्ण, केवल तभी तुम निर्णयों से मुक्त हो सकते हो। पर यह संसार फैसलों के बिना आगे नहीं बढ़ सकता। जब तक तुम अच्छे या बुरे का निर्णय नहीं ले लेते, तुम किसी कार्य को नहीं कर पाते। यदि कोई तुमसे दस बार झूठ कहे तो तुम सोचते हो अगली बार भी शायद वह झूठ ही कहेगा। निर्णय स्वतः ही हो जाता है। परंतु इस संभावना को सदा ध्यान में रखो कि व्यक्ति व वस्तु कभी भी बदल सकते हैं और अपने फैसलों पर अड़े मत रहो।

हां, अपनी संगति पर तुम्हें निर्णय करना आवश्यक है। तुम्हारी संगत तुम्हें ऊपर उठा सकती है और नीचे भी खींच सकती है। जो संगत तुम्हें संदेह, निरुत्साह, शिकायत, प्रोध, भ्रम और कामना की तरफ नीचे खींचती हैं, वह कुसंगत है। जो संगति तुम्हें आनंद, उत्साह, सेवा, प्रेम, विश्वास और ज्ञान की तरफ ऊपर खींचती है, वह अच्छी संगत है। जब कोई शिकायत करता है, पहले तुम सुनते हो। फिर उसकी हां में हां मिलाते हो, फिर उसके साथ सहानुभूति दिखाते हो; फिर तुम भी शिकायत करने लगते हो। बस, याद रखो, अपने निर्णयों को पक्का मत होने दो।

बेचैन सत्ता - उत्साहित इंडिया

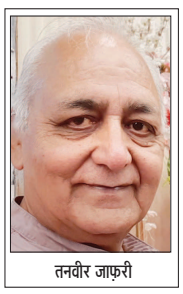

तनवीर जाफ़री

विपक्षी गठबंधन इंडिया की तीसरी बैठक पिछले दिनों मुंबई में सफलतापूर्वक संपन्न हुई। इस बार मुंबई में इंडिया गठबंधन की मेजबानी महाराष्ट्र विकास अघाड़ी द्वारा की गयी जिसमें मुख्यतः शिवसेना (उद्धव),राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी तथा महाराष्ट्र कांग्रेस पार्टी शामिल है। जबकि पटना में हुई पहली बैठक की मेजबानी जनता दल यूनाइटेड द्वारा की गयी थी व बंगलौर में हुई दूसरी बैठक कर्नाटक कांग्रेस पार्टी द्वारा आहूत की गयी थी। पटना से मुंबई तक के विपक्षी गठबंधन का अब तक का यह सफर निश्चित रूप से गठबंधन के 26 सदस्यों में परस्पर विश्वास बनाने में सफल रहा है। इंडिया के गठन के बाद सत्ता के गलियारों में मची उथल पुथल स्वयं इस बात का सुबूत है कि 2024 के लोकसभा चुनाव और उससे पूर्व होने जा रहे विभिन्न राज्यों के विधानसभा चुनाव, स्वयं को अजेय समझने वाली भारतीय जनता पार्टी के लिये नाकों चने चबाने जैसे हालत पैदा करने जा रहे हैं। सत्ता की घबराहट इससे भी पता चलती है कि विपक्षी गठबंधन इंडिया के नेता स्वयं अपने नवगठित राजनैतिक गठबंधन की सफलता या उसकी विशेषता का उतना गुणगान व प्रचार प्रसार नहीं कर रहे जितना कि भाजपा के नेता इसकी आलोचना व निन्दा करने में व्यस्त हैं। यहाँ तक कि सत्ता द्वारा रसोई गैस में की गयी 200 / रुपए प्रति सिलेंडर की कमी जैसे फैसले भी इंडिया के बढ़ते कद के तहत ही लिये बताये जा रहे हैं। गौरतलब है कि जिस भाजपा ने 2014 से लेकर अब तक अपने सहयोगी एन डी ए दलों की बैठक बुलाने की जरुरत महसूस नहीं की थी,इंडिया का गठन होते ही उसे भी एन डी ए की बैठक बुलानी पड़ी। इतना ही नहीं बल्कि विपक्षी गठबंधन इंडिया से घबराई भाजपा अपने विरोधी नेताओं को परेशान करने,उनमें विभाजन पैदा करने उन्हें डराने धमकाने जैसे निकृष्टतम हथकंडे भी अपना रही है। यह सब सत्ता की बेचैनी और बौखलाहट के ही परिणाम हैं।

बहरहाल,पटना में पहली मुलाकात,बंगलौर में गठबंधन का नामकरण और मुंबई में जुड़ेगा भारत, जीतेगा इंडिया के नारे के साथ इस बैठक में तीन मुख्य प्रस्ताव पारित करना गठबंधन की प्रारंभिक सफलता को दर्शाता है। मुंबई बैठक में जहां सीट बंटवारे की प्रक्रिया जल्द ही पूरी करने की बात कही गयी वहीँ इस बैठक में चार समितियां बनाने का फैसला भी किया गया है। बैठक में पारित प्रस्ताव में कहा गया है, हम, इंडिया के विभिन्न दल, लोकसभा का अगला चुनाव जहां तक संभव हो, एक साथ मिलकर लड़ने का संकल्प लेते हैं। विभिन्न राज्यों में सीट के बंटवारे की व्यवस्था तुरंत शुरू होगी और विचार-विमर्श की सहयोग वाली भावना के साथ यथाशीघ्र पूरी की जाएगी। हम, इंडिया के विभिन्न दल, लोगों की चिंता और महत्व के मामलों पर देश के विभिन्न हिस्सों में जल्द से जल्द सार्वजनिक रैलियां आयोजित करने का संकल्प लेते हैं। प्रस्ताव के अंत में कहा गया है, हम, इंडिया के विभिन्न दल, विभिन्न भाषाओं में जुड़ेगा भारत, जीतेगा इंडिया थीम के साथ अपनी संबंधित संचार और मीडिया रणनीतियों और मुहिमों का समन्वय करने का संकल्प लेते हैं। बैठक के समापन पर आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में राहुल गांधी सहित अनेक नेताओं ने दोहराया कि - इंडिया गठबंधन बीजेपी को आसानी से हराएगा. उन्होंने कहा - इस मंच पर बैठी सारी पार्टियां यदि एकजुट रहती हैं, तो हमें हराना मुश्किल ही नहीं बल्कि नामुमकिन भी है। जैसे जैसे लोकसभा चुनाव का समय नजदीक आता जा रहा है भारतीय जनता पार्टी के लिये परेशानी बढ़ाने वाली कई खबरें भी सामने आ रही हैं। जैसे कि पिछले दिनों विश्व के प्रतिष्ठित समाचार पत्र ह्यद गार्डियनह्ल और ह्यफाइनेंशियल टाइम्सह्ल ने एक रिपोर्ट प्रकाशित की जिस में कहा गया है कि टैक्स हैवन्स देश मॉरीशस के दो फंड - इमर्जिंग इंडिया फोकस फंड (ईआईएफ एफ) और ईएम रीसर्जेंट फंड (ईएमआरएफ) ने 2013 से 2018 के बीच अदानी ग्रुप की चार कंपनियों में पैसा लगाया और इनके शेयरों की खरीद-फरोख़्त भी की। इन फंडस के द्वारा यूएई के निवेशक नासिर अली शाबाना अहली और ताइवान के निवेशक चांग चुंग लींग ने इन कंपनियों में पैसा लगाया था। ये पैसा बरमूडा के इन्वेस्टमेंट फंड ग्लोबल अपॉर्च्युनिटीज के जरिये लाया गया। 2017 में नासिर अली और चांग चुंग लींग के इस निवेश की कीमत लगभग 43 करोड़ डॉलर थी। इस समय इसकी कीमत (मौजूदा एक्सचेंज रेट) 3550 करोड़ रुपये है। जनवरी 2017 में इन दोनों निवेशकों की अदानी इंटरप्राइजेज, अदानी पावर और अदानी ट्रांसमिशन में क्रमशः 3.4, 4 और 3.6 फीसदी हिस्सेदारी थी। दरअसल गौतम अडानी के भाई विनोद अदानी के कहने पर ही नासिर अली और चांग चुंग लींग के फंडस ने अदानी ग्रुप की कंपनियों में जो पैसा लगाया, उससे अदानी ग्रुप की कंपनियों अदानी एंटरप्राइजेज और अदानी ट्रांसमिशन में प्रमोटर ग्रुप (जिसके विनोद अदानी सदस्य थे) की हिस्सेदारी जनवरी 2017 में 78 फीसदी से ज्यादा हो गई।

इसी प्रकार दूसरा गंभीर विषय चीनी घुसपैठ का है। पिछले दिनों जब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी दक्षिण अफ्रीका में ब्रिक्स देशों की बैठक में भाग ले रहे थे उसी के फौरन बाद चीन के नेचुरल रिसोर्स मिनिस्ट्री की तरफ से 28 अगस्त 2023 को अधिकृत रूप से एक नया नक़्शा जारी किया गया जिसमें भारत के अरुणाचल प्रदेश और अक्साई चिन को चीनी क्षेत्र दिखाया गया है। इससे पहले इसी वर्ष अप्रैल के महीने में चीन ने अरुणाचल प्रदेश के 11 जगहों के नाम बदलने की मंजूरी दे दी थी। चीन के इस नए नक़्शे में भारत के उपरोक्त क्षेत्रों के अलावा चीन द्वारा ताइवान और

विवादित दक्षिण चीन सागर को भी चीनी क्षेत्र में शामिल किया गया है। विपक्षी गठबंधन चीन के कुत्सित इरादों से अधिक भारत सरकार द्वारा इस विषय पर अपनायी जा रही उदासीनता व खामोशी को लेकर चिंतित है। पिछले दिनों कांग्रेस नेता राहुल गाँधी ने लद्दाख तथा पेंगोंग झील का एक सप्ताह का दौरा किया। उन्होंने स्थानीय लोगों से मुलाकात कर क्षेत्र में चीनी घुसपैठ की हकीकत से देश को आगाह किया। इसका जिक्र उन्होंने इंडिया गठबंधन की बैठक के बाद भी किया। गोया विपक्ष द्वारा अगले चुनावों में जहां मंहगाई,बेरोजगारी,भ्रष्टाचार व साम्प्रदायिकता जैसे मुद्दे सत्ता को घेरने के लिये उठाये जायेंगे वहीँ चीनी घुसपैठ और अडानी जैसे चंद उद्योगपतियों को सरकार द्वारा दिया जाने वाला संरक्षण भी सत्ता के लिये बड़ा सिर दर्द साबित होने जा रहा है। इसीलिये जहाँ सत्ता की बेचैनी बढ़ती जा रही है वहीं इंडिया घटक दलों का उत्साह बढ़ता जा रहा है।

उत्तर प्रदेश : विधान सभा का बदलता स्वरूप

विजय शंकर पंकज

उत्तर प्रदेश विधान सभा, भारत की ऐतिहासिक धरोहरों में से एक विशिष्ट भवन है। इस विशाल और शानदार इमारत के अब से 5 वर्ष बाद 2028 में इसके निर्माण के 100 वर्ष पूरे हो जाएंगे।

इतनी अवधि पूरे होने के बाद भी इमारत की मजबूती और भव्यता शान से अपने इतिहास की गौरव गाथा बताती है।

पिछले कुछ वर्षों में भवन की आंतरिक साज-सज्जा में काफी बदलाव किया गया है। इस सजावट और आकर्षण के चक्कर में मूल भवन की मजबूती के कमजोर होने की आशंका जताई जा रही है। बहुत कम लोगों को जानकारी होगी और यह जानकर आश्चर्य होगा कि उत्तर प्रदेश विधान सभा कही जाने वाली वर्तमान मूल भवन का जब निर्माण कार्य पूरा हुआ तो इसकी कुल लागत मात्र 21 लाख रु पए थी, जबकि आज इस भवन के रखरखाव और साज-सज्जा के नाम पर प्रति वर्ष 100 से 150 करोड़ रु पए का खर्च हो रहा है। ब्रिटिश सरकार के निर्देश में तत्कालीन गवर्नर सर स्पेंसर हरकोर्ट बटलर ने 15 दिसम्बर 1922 को विधान भवन के निर्माण का प्रस्ताव रखा। इस भवन के निर्माण के वास्तुकार सर स्वीनन जैकब और हीरा सिंह थे। यह बिल्डिंग

ब्रिटिश एवं भारतीय निर्माण व वास्तु कला के मिशग्रकी अद्भुत देन हैं। इसका निर्माण मेसर्स मार्टिन एंड कंपनी ने किया था। इसके पूर्व तत्कालीन संयुक्त प्रांत की राजधानी 1922 तक इलाहाबाद में थी।

1922 में ब्रिटिश सरकार ने इलाहाबाद से हटाकर लखनऊ को राजधानी बनाया और विधान भवन के निर्माण का प्रस्ताव हुआ। बटलर ने 4 अगस्त 1923 को भवन निर्माण की नींव रखी। 5 वर्ष में इस भवन का निर्माण कार्य पूरा होने के बाद 21 फरवरी 1928 को बटलर ने ही इसका उद्घाटन किया। गवर्नर हरकोर्ट बटलर तब आज की बटलर कालोनी की एतिहासिक कोठी में रहते थे। इस कोठी की शान यहां की शानदार झील थी। आज इस इलाके में कई शानदार सरकारी कोठिया तथा बंगले बन गए हैं।

विधान सभा का इतिहास

ब्रिटिश शासन में पहली बार एम.एन. राय ने 1934 में संयुक्त राज्य-आज के उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड-के लिए विधान सभा के गठन का विचार प्रस्तावित किया। इसके बाद तत्कालीन कांग्रेस पार्टी ने 1935 में विधान सभा की मांग उठाई। कांग्रेस की मांग थी कि विधान सभा में जनता की समस्याओं के साथ ही उनकी आवाज उठाई जा सकती है। कांग्रेस की मांग पर 1940 में ब्रिटिश संसद ने कैबिनेट मिशन योजना के तहत घटक विधान सभा के चुनाव कराने की अनुमति दी। ब्रिटिश शासन के भारत सरकार अधिनियम 1935 के तहत संयुक्त प्रांत के लिए सदस्यों की संख्या 228 निर्धारित की गई। इसका कार्यकाल 5 वर्ष निर्धारित किया गया। संयुक्त प्रांत विधान सभा का गठन 1 अप्रैल 1937 को किया गया। 31 जुलाई 1937 को संयुक्त विधान सभा के सभापति तथा उप सभापति का निर्वाचन किया गया। पुरुषोतम दास टंडन सभापति और अब्दुल हलीम उप सभापति बने।

संयुक्त प्रांत विधान सभा के सदस्य के रूप में तत्कालीन कई बड़े राजनेता शामिल रहे। इसकी कार्य संचालन नियमावली और सदन के निदेर्शों को लेकर ब्रिटिश सरकार जब तब विरोध करती रही, जिसके कारण कुछ सदस्यों ने इस्तीफा दे दिया। आजादी के बाद 3 नवम्बर 1947 को संयुक्त प्रांत की नई विधान सभा का गठन किया गया। 4 नवम्बर 1947 की पहली बैठक में विधान सभा की कार्यवाही एवं संचालन नियमावली बनाई गई। विधान सभा की कार्यवाही के लिए हिंदी भाषा को अनिवार्य किया गया। तब के संयुक्त प्रांत में रामपुर और टिहरी गढ़वाल जैसी बड़ी रियासतें थी। 25 जनवरी 1950 को सरदार वल्लभ भाई पटेल के प्रयास से इन रियासतों को मिलाकर संयुक्त प्रांत को उत्तर प्रदेश बना दिया गया। पंडित गोविंद वल्लभ पंत इसके पहले मुख्यमंत्री बने।

वर्तमान विधान सभा 18वीं है। इसके अध्यक्ष सतीश महाना है। वैसे विधा सभा के आंतरिक साज-सज्जा को लेकर दशकों से कम चल रहा है। 2017 में प्रदेश में भाजपा की सरकार बनने के बाद इस दिशा में काफी तेजी आई है। विधान भवन के द्वितीय तल के गलियारे की साज-सज्जा एवं खूबसूरत लाइटिंग दर्शकों को आकर्षित कर रही है, तो इनके फर्श के रंग बिरंगे पत्थर चार चांद लगा रहे हैं। प्रथम तल पर प्रवेश द्वार के गलियारे में लगाई गई बड़ी-बड़ी इलेक्ट्रानिक स्क्रीन चकाचौंध पैदा कर रही है। ई वीथिका से विधान सभा के इतिहास से लेकर अन्य जानकारियों की अनमोल धरोहर को संजोया जा रहा है। देश की बड़ी लाइब्रेरी में शामिल विधान सभा लाइब्रेरी का डिजीटलाइजेशन किया जा रहा है। विधानसभा का मुख्य मंडप अलग ही छटा बिखेर रहा है। अब हर विधानसभा सदस्य की सीट पर टैबलेट लगे हैं। पूरी विधान सभा की कार्यवाही डिजिटल हो गई है। विधान भवन के बाहरी हिस्से की लाइटिंग के लिए नई एलईडी लाइट लगाई गई है। इस साज-सज्जा से विधान भवन के बाहरी से लेकर अंदरूनी हिस्से का स्वरूप ही बदल गया है।

शिक्षक दिवस पर काजोल ने कहा

मैं ऐसे गांव में पली-बढ़ी, जो मजबूत महिलाओं से भरा था'

शिक्षक दिवस पर एक्ट्रेस काजोल ने इंस्टाग्राम पर मंगलवार को एक रील शेयर की, जिसमें उनके कई इंटरव्यू की झलक दिखी। काजोल ने इस इंटरव्यू में गर्व से अपनी मां और अभिनेत्री तनुजा, अपनी नानी शोभना समर्थ, परदादी रतन बाई के बारे में बात कर रही हैं। शोभना और रतन बाई दोनों भारतीय फिल्म इंडस्ट्री की एक्ट्रेस थीं। वीडियो में काजोल को यह कहते हुए देखा जा सकता है, 'मेरे सबसे बड़े गुरु के लिए, मेरी मां सुपर कूल हैं। मेरी मां ऑसम हैं और उनकी मां अमेजिंग हैं। जब मैं 5-6 साल की थी तब मेरी परदादी ने मुझे बुनाई करना सिखाया। उन्होंने मुझे हारमोनियम बजाना भी सिखाया।' 'बाज़ीगर' फेम एक्ट्रेस ने वीडियो को कैप्शन दिया, 'मैं वास्तव में एक गांव में पली-बढ़ी हूं। वह गांव, जो एकदम कूल महिलाओं से भरा हुआ था। मैंने ठोकरें खाकर सीखा है, कोई भी बातें मेरे दिमाग में बैठाई नहीं गई है। मैं कितना भी धन्यवाद कर दूं, लेकिन वह कम ही है। अच्छा और बुरा और बीच का, सब मुझे सिखाई गई, जिनका स्कूल से कोई लेना-देना नहीं है।' 'इन सीखों का संबंध जीवन से था और वे तब काम आए, जब मुझे उनकी सबसे अधिक जरुरत थी। ज्यादातर बच्चों की तरह मैं भी किसी की नहीं सुनती थी, लेकिन सीखती थी और इसलिए वर्तमान में इतनी उभर पाई हूं। ये सीखना खत्म नहीं हुआ है।' वर्कफ्रंट की बात करें तो काजोल को आखिरी बार 'लस्ट स्टोरीज 2' में 'देवयानी' के रूप में देखा गया था। उन्होंने डिज्नी प्लस हॉटस्टार पर स्ट्रीमिंग एक कानूनी ड्रामा ''द ट्रायल : प्यार कानून धोखा' में भी अभिनय किया। उनकी अगली फिल्म 'सरजमीं' और 'दो पत्ती' हैं।

करीना, कियारा और सुहाना पर थमी नजरें

एक इवेंट में भाग ले रही बालीवुड एक्ट्रेस करीना कपूर खान, कियारा आडवाणी और सुहाना खान पर जाकर लोगों की निगाहें थम सी गईं। ये तीनों एक्ट्रेस रिलायंस के नए 'टीरा ब्यूटी' का फेस हैं। इस इवेंट के होस्ट के तौर पर एक्टर अर्जुन कपूर नजर आए। करीना ब्लैक स्टेपलेस गाउन में दिखीं। 'बेबो' ने अपने लुक को डार्क आई मेकअप के साथ कंप्लीट किया था। वहीं सुहाना ने रेड स्ट्रेपलेस गाउन पहना था, जिसमें वो बेहद ग्लैमरस नजर आ रही थीं। कियारा की बात करें तो उन्होंने पेस्टल ग्रीन कलर का हॉलटेड टॉप और प्लाजो पहना था। कियारा ने अपने बालों को खास अंदाज में टाई किया हुआ था। सुहाना और करीना ने अपने बाल खुले छोड़े थे। अर्जुन हमेशा की तरह डैपर नजर आ रहे थे। वर्कफ्रंट की बात करें तो शाहरुख खान की बेटी सुहाना जल्द ही जोया अख्तर की फिल्म 'द आर्चीज' से अपना डेब्यू करने जा रही हैं। सुहाना की फिल्म 7 दिसंबर को रिलीज होगी। करीना जल्द ही 'जाने जान' से अपना ओटीटी डेब्यू करने वाली हैं। वहीं कियारा 'वार 2' और 'गेम चेंजर' में नजर आने वाली हैं।

धक-धक गर्ल को देखकर इन एक्टर्स के धड़के थे दिल

90 के दशक की जानी मानी अदाकारा रहीं माधुरी दीक्षित ने फिल्मों में अपनी अदाकारी और डांस से सिर्फ फैंस के नहीं बल्कि कई एक्टर्स के दिलों पर भी बिजलियां गिराई हैं। इनमें से तो कुछ के साथ उनकी शादी के चर्चे भी रहे चुके हैं।

माधुरी दीक्षित 90 के दशक की सबसे सफल एक्ट्रेस थीं। उस दौर में बॉलीवुड में उनके नाम का डंका बजता था। हर एक्टर, डायरेक्टर उनके साथ काम करने की आरजू रखता था। सिर्फ एक्टिंग ही नहीं धक-धक गर्ल अपने डांस और जानलेवा मुस्कुराहट से भी लोगों का दिल धड़का देती थीं। तेजाब, खलनायक, दिल तो पागल है जैसी कई फिल्मों में माधुरी ने अपना बेहतरीन डांस दिखाया। फिल्मों के अलावा एक्ट्रेस के अफेयर्स ने भी उन्हें खूब चर्चा दिलाई। माधुरी का नाम कई शादीशुदा एक्टर के साथ भी जुड़ा और उनपर घर तोड़ने के भी इल्जाम भी लगें।

इस कड़ी में सबसे पहले नाम आता है संजय दत्त का। संजू और माधुरी दीक्षित 90 के दशक की हिट जोड़ी के रुप में सबको पसंद थे। दोनों ने साथ में कई फिल्में की थीं। साथ काम करते-करते पहले से शादीशुदा संजय अपना दिल माधुरी पर हार बैठें। दोनों के बीच काफी तगड़ी केमिस्ट्री थी, यहां तक कि दोनों के शादी की भी खबरें जोरो पर थीं, लेकिन मुंबई बम ब्लास्ट केस में नाम आने के बाद माधुरी ने संजय दत्त से मुंह फेर लिया और अपने सारे रिश्तें उनसे खत्म कर लिए। और इस तरह से दोनों की प्रेम कहानी का अंत हो गया।

संजय दत्त के अलावा माधुरी की जोड़ी अनिल कपूर के साथ भी खूब पसंद की जाती थी। खबरों की माने तो दोनों की सिर्फ ऑनस्क्रीन ही नहीं बल्कि ऑफ स्क्रीन केमिस्ट्री भी काफी अच्छी थी। अनिल और माधुरी ने लगभग 18 फिल्में साथ की थीं। गुमनामी में जी रही माधुरी को पहली बार फेम अनिल कपूर के साथ वाली फिल्म तेजाब के गाने एक,दो, तीन से ही मिली थी। फिल्म में दोनों की जोड़ी भी लोगों को खूब पसंद आई थी। अफवाहें चाहे कितनी भी उड़ी हो, लेकिन दोनों ने मीडिया में कभी भी अपने अफेयर की बात नहीं कबूली।

बॉलीवुड में ही लोग इस धक धक गर्ल के दीवाने नहीं थे। क्रिकेटर्स भी माधुरी पर दिल हार चुके थे । माधुरी की लाइफ में आने वालों की लिस्ट में क्रिकेटर अजय जडेजा का भी नाम शामिल हैं। दोनों एक एड शूट के दौरान मिले थे। उस वक्त दोनों का करियर पीक पर था। दोनों की डेटिंग की खबरों के बीच अजय का नाम 1999 में मैच फिक्सिंग में आ गया। एक तरफ क्रिकेटर का करियर खत्म हुआ तो वहीं, दूसरी ओर माधुरी ने भी उनसे मुंह मोड़ लिया।

आख़िर में माधुरी को अपना जीवन साथी मिल ही गया, यानि श्रीराम नेने। साल 1999 में माधुरी अपने एक रिश्तेदार से मिलने अमेरिका गईं और वहां एक पार्टी के दौरान उनकी मुलाकात डॉक्टर श्री राम नेने से हो गई। दोनों ने कुछ महीनों की डेटिंग में ही एक-दूसरे को हमसफर बनाने का फैसला कर लिया। वापस लौटकर माधुरी ने पहले अपने सारे प्रोजेक्ट खत्म किए और फिर अपने फैंस समेत पूर इंडस्ट्री को हैरान करते हुए अचानक शादी कर ली। शादी के बाद वो फिल्मी दुनिया छोड़ अमेरिका चली गईं और अपनी घर गृहस्थी में बिजी हो गईं। दोनों बेटों के बड़े होने के बाद माधुरी एक बार फिर भारत वापस लौटीं । और अपना फिल्मी करियर शुरू किया। अब वे अपनी पूरे फैमिली के साथ मुंबई में ही बस गई हैं।

पार्वती की भूमिका में नजर आएगी सुभा राजपूत

पार्वती की भूमिका में एक्ट्रेस सुभा राजपूत नजर आने वाली हैं। शिव शक्ति - तप त्याग तांडव शो में सुभा राजपूत प्रमुख भूमिका में है। भगवान शिव के रूप में राम यशवर्धन और देवी शक्ति के रूप में सुभा राजपूत की प्रेम, कर्तव्य और बलिदान की दिव्य कहानी से लोगों का दिल जीत लिया है। इस महासप्ताह शिव शक्ति - तप त्याग तांडव में तारकासुर भगवान ब्रह्मा का ध्यान और जप करता है। उसके समर्पण से प्रसन्न होकर भगवान ब्रह्मा प्रकट हुए और पूछा कि वह क्या प्राप्त करना चाहता है? वज्रांग के पुत्र ने वरदान मांगा कि केवल भगवान शिव का पुत्र ही उसे मार सकता है। दूसरी ओर आदिशक्ति देवताओं से कहती हैं कि वह हिमवान और मैनावती से जन्म लेंगी। ध्यान में लीन भगवान शिव को आभास होता है कि शक्ति का पुनर्जन्म होने वाला है। मृत्यु के भय से भयभीत तारकासुर ने सभी नवजात शिशुओं को मारने का आदेश दिया। इन भारी बाधाओं के बावजूद पार्वती वयस्क हो गई हैं और प्रेम, कर्तव्य और बलिदान की शाश्वत यात्रा पर हैं।

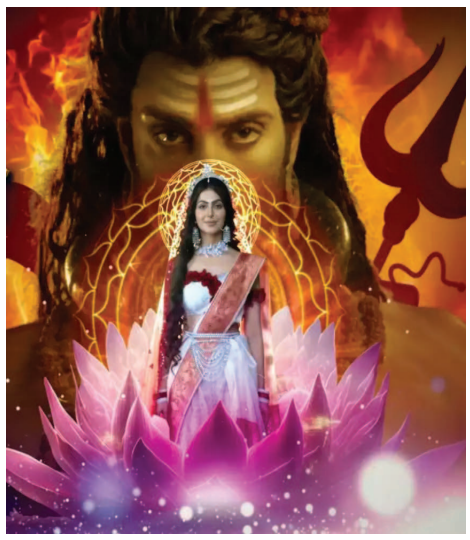

अपकमिंग फिल्म 'जवान' को लेकर सुर्खियों में शाहरुख

बालीवुड की अपकमिंग फिल्म 'जवान' को लेकर बालीवुड के सुपर स्टार शाहरुख खान इन दिनों सुर्खियों में हैं। 'जवान' 7 सितंबर को रिलीज होने वाली है। इससे पहले शाहरुख खान एक बार फिर ट्विटर के जरिए अपने फैंस से रुबरु हुए और अपने फेमस 'आस्क एसआरके' सेशन के साथ फैंस के बीच फिर वापस आए और ट्विटर यूजर्स के पूछे सवालों के जवाब दिए। शाहरुख खान अपने हाजिर जवाबी अंदाज के लिए काफी फेमस हैं, जिसकी झलक एक बार फिर देखने को मिली। शाहरुख खान ने रविवार को अपनी फिल्म जवान के बारे में कुछ फैंस के सवालों के जवाब दिए और अपकमिंग फिल्म की खासियत भी बताई। दरअसल, आस्क एसआरके सेशन के दौरान शाहरुख खान से एक फैन ने पूछा- 'फिल्म जवान से क्या सीख ली जा सकती है?' जवाब में शाहरुख खान ने फैंस को जवान की एक-दो नहीं कई खासियतें गिना डालीं और बताया कि आखिर क्यों उनकी फिल्म खास है। शाहरुख खान ने फैन के सवाल का जवाब देते हुए कहा- 'फिल्म से इस बात की सीख मिलती है कि हम लोग कैसे बदलाव ला सकते हैं जो हम अपने आसपास चाहते हैं। कैसे महिलाओं को सशक्त बनाएं और अपने अधिकार के लिए किसी से भी लड़ जाएं।'वहीं एक अन्य यूजर ने शाहरुख खान से उनके रोल को लेकर भी सवाल कर डाला।

यूजर ने पूछा- 'जवान में आखिर कितने रोल हैं। मैं कन्फ्यूज हूं। जितने रोल्स हैं, उसके उतने टाइम मल्टीप्लाय करके देखूंगा। है ना।' जवाब में किंग खान ने कहा- 'पहले बोलता चार-पांच रोल और बढ़ा सेट। हाहा, एंजॉय।' वहीं एक यूजर ने शाहरुख के बाल्ड लुक पर भी सवाल किया। यूजर ने लिखा- 'जवान के लिए बाल्ड हो गए। आपको लुक कैसा लगा।' इसके साथ ही यूजर ने एक फोटो भी शेयर की थी, जिसमें शख्स का दोस्त बाल्ड लुक में दिखाई दे रहा है। शाहरुख खान ने जवाब दिया- 'वॉव, दूसरे वाले का क्या। उसको भी करवाओ ना।'

500 करोड़ का आंकड़ा पार कर चुकी है जेलर

फिल्म जेलर वर्ल्डवाइड कलेक्शन के मामले में 500 करोड़ का आंकड़ा पार कर चुकी है। सुपरस्टार रजनीकांत की जेलर अक्षय कुमार की फिल्म ओएमजी-2 और सनी देओल की फिल्म गदर-2 से सिर्फ एक दिन पहले रिलीज हुई थी। दोनों ही फिल्मों को बॉक्स ऑफिस पर काफी अच्छा रिस्पॉन्स मिला, लेकिन कमाई के मामले में जेलर बाजी मार गई। फिल्म को सबसे अच्छा रिस्पॉन्स इसके तमिल और तेलुगू वर्जन से मिला। रिलीज वाले दिन ही फिल्म ने 48 करोड़ रुपये का बिजनेस कर लिया था जिसमें से 37 लाख रुपये इसने सिर्फ तमिल वर्जन से कमाए थे। पहले हफ्ते के आखिरी तक फिल्म का घरेलू बॉक्स ऑफिस पर कुल कलेक्शन 235 करोड़ 85 लाख रुपये हो गया था जिसमें से इसने 184 करोड़ रुपये सिर्फ तमिल वर्जन से कमाए थे। हिंदी वर्जन से सिर्फ 2 करोड़ 1 लाख रुपए की कमाई हुई थी। दूसरे हफ्ते में फिल्म का बिजनेस थोड़ा घटा और इसने 62 लाख 95 हजार रुपये का बिजनेस किया। तीसरे हफ्ते में कमाई का ग्राफ और नीचे गया और फिल्म ने 29 करोड़ 75 लाख रुपये का बिजनेस किया। हालांकि इसमें गौर करने की बात यह थी कि तीसरा हफ्ता खत्म होने तक भी यह फिल्म बॉक्स ऑफिस पर टिकी हुई थी। मालूम हो कि आमतौर पर इतने वक्त में फिल्में सिनेमाघरों से उतर जाती है और मेकर्स इन्हें ओटीटी पर रिलीज करने का विचार करने लगते हैं। माना जा रहा है कि जेलर 7 सितंबर तक फिल्म सिनेमाघरों से उतर भी जाएगी। डॉमेस्टिक बॉक्स ऑफिस पर जेलर का अभी तक का कुल कलेक्शन 332 करोड़ 85 लाख रुपये हो चुका है। बात करें चौथे हफ्ते की तो सुपरस्टार शाहरुख खान की अपकमिंग फिल्म जवान की रिलीज से ठीक पहले जेलर की कमाई में काफी गिरावट दर्ज की जा रही है। बीते शुक्रवार को फिल्म ने कुल मिलाकर सिर्फ 1 करोड़ 8 लाख रुपये का बिजनेस किया और शनिवार को इसकी कमाई 2 करोड़ 50 लाख रुपये (लगभग) रही।

क्या आप तैयार हैं फर्स्ट इंप्रेशन के लिए?

आज के समय में सिर्फ कॉलेज की पढ़ाई पूरी कर लेना ही काफी नहीं है। जॉब पाने के लिए प्रोफेशनल एटिकेट्स की समझ-बूझ होना भी बहुत जरूरी है। इसी से आपकी एक इमेज भी बनती है। जब आप इंटरव्यूअर के साथ बैठते हैं, तो फर्स्ट इंप्रेशन बनने में महज कुछ सेकंड का समय ही लगता है। इतने ही वक्त में आपके बारे में एक राय बन जाती है। भले ही इस दौरान आप एक भी शब्द न बोलें, लेकिन इंटरव्यूअर आपकी ड्रेसिंग, ग्रूमिंग, चेहरे के भाव और बॉडी लैंग्वेज को देखकर बहुत कुछ समझ जाते हैं। ऐसे में बहुत जरूरी हो जाता है कि आप अच्छा इंप्रेशन बनाने को लेकर चौकस रहें।

'हाथ' देता है संदेश

एक-दूसरे से हाथ मिलाने के स्टाइल से भी आपके व्यक्तित्व और आत्मविश्वास को आंका जा सकता है। इसलिए हैंडशेक को कतई हल्के में न लें। किसी व्यक्ति से मुलाकात के दौरान चेहरे पर मुस्कान रखना और आंख मिलाकर बात करना जितना जरूरी है, उतना ही जरूरी है मजबूती और गर्मजोशी से हाथ मिलाना। इतना ही नहीं, हाथ मिलाते समय आप सामने वाले को उत्साही भी दिखें। यह हैंडशेक सही ढंग से होना चाहिए, यानी न तो सामने वाले का हाथ बहुत ज्यादा कसकर पकड़ना चाहिए और न ही इसे ढीला छोड़ना चाहिए। आम तौर पर हैंडशेक के दौरान हाथ को दो-तीन बार हिलाना सही माना जाता है।

ड्रेसिंग-ग्रूमिंग पर ध्यान

प्रोफेशनल ड्रेसिंग और सोशल ड्रेसिंग मौके के हिसाब से उपयुक्त होना चाहिए। अगर आप पहली बार जॉब के लिए इंटरव्यू देने जा रहे हैं, तो आपको यह फर्क समझना होगा। इंटरव्यू के लिए जाने हेतु पुरुषों के लिए डार्क कलर का ट्राउजर और लाइट कलर की फॉर्मल शर्ट ही श्रेष्ठ होती है। हल्की-फुल्की धारीदार शर्ट भी पहन सकते हैं। ऐसे मौके पर पैटर्न या डिजाइन वाले कपड़े पहनने से बचें। महिलाएं स्ट्रेट-कट कुर्ता पहन सकती हैं। चाहें, तो साड़ी भी पहन सकती हैं। मगर ध्यान रहे, इसमें ज्यादा तड़क-भड़क न हो। अगर वेस्टर्न ड्रेस पहनना चाहें, तो स्ट्रेट-कट, वेल फिटिंग ट्राउजर पहन सकती हैं। ऐसे मौकों पर एक्सेसरी व मेकअप के मामले में जितना सिंपल रहें, उतना बेहतर होता है।

रेज्यूमे में कॉपी-पेस्ट नहीं!

रेज्यूमे आपकी प्रोफेशनल लाइफ का आईना होता है। इसलिए इसको लेकर हमेशा गंभीरता बरतें। कई युवा अपना रेज्यूमे बनाते समय किसी दोस्त के रेज्यूमे को लगभग जस-का-तस कॉपी-पेस्ट कर देते हैं। यह बिल्कुल गलत है। कारण यह कि हर व्यक्ति की शख्सियत और खासियत अलग होती है और इसी प्रकार हर जॉब के लिए अलग तरह के रेज्यूमे की जरूरत होती है। अगर कोई हॉस्पिटैलिटी सेक्टर में काम कर रहा है, तो उसके रेज्यूमे को कॉपी-पेस्ट करके आप आईटी सेक्टर में जॉब के लिए आवेदन नहीं कर सकते। रेज्यूमे में आपकी अपनी शख्सियत झलकनी चाहिए। इसमें आपके अनुभव, काम, हॉबी, कॉलेज के प्रोजेक्ट्स आदि का उल्लेख हो। कोशिश करें कि इसमें स्पेलिंग या ग्रामर की गलतियां बिल्कुल न हों। ऐसी गलतियों से आपके बारे में नकारात्मक इंप्रेशन बनता है। रेज्यूमे बनाने के बाद इसे किसी सीनियर या जानकार को एक बार जरूर दिखा दें ताकि उसमें कोई कमी रह जाने पर उसे दूर किया जा सके।

जॉब पाने के बाद

अगर आपको जॉब मिल जाती है, तो वर्कप्लेस पर विनम्र और मिलनसार बने रहना कई मायनों में फायदेमंद होता है। शुरूआती दिनों में कोई शिकायत या दूसरों की आलोचना करने से बचें। अपना ध्यान सिर्फ काम पर लगाएं। जो जिम्मेदारी आपको दी गई है, उसे बेहतर तरीके से निभाने की कोशिश करें। काम के प्रति प्रो-एक्टिव रवैया दिखाकर आप बॉस की नजर में अच्छा इंप्रेशन बना सकते हैं। सोशल मीडिया पर आजकल लगभग सभी सक्रिय हैं। मगर ध्यान रहे, अपनी ऑनलाइन इमेज साफ-सुथरी रखना जरूरी है क्योंकि आपके बारे में इंप्रेशन बनाने में इसका भी योगदान होता है।

बाजार के बदलते मिजाज पर रखिए नजर

कंपनियों के बीच बढ़ती प्रतिस्पर्धा के चलते मार्केट रिसर्च बड़े उद्योग के रूप में उभर रहा है। यहां आपके लिए जॉब के कई अवसर है।

बाजार में किसी भी उत्पाद की लॉन्चिंग से पहले कंपनियों के जेहन में एक बात जरूर होती है कि लोगों को उनका उत्पाद पसंद आएगा या नहीं। लोग क्या पसंद करते हैं? उत्पाद की बिक्री कैसी रहेगी.? इन सवालों के जवाब पाने के लिए कंपनियां बाकायदा मार्केट रिसर्च कराती हैं। फिर मार्केटिंग की रणनीति बनाती हैं। ऐसा कमोबेश सभी कंपनियां करती हैं। यही वजह है कि बीते कुछ वर्षों में मार्केट रिसर्च की अहमियत बढ़ी है क्योंकि बाजार का मिजाज रोज बदल रहा है। किसी भी उत्पाद की लॉन्चिंग में कंपनियों के करोड़ों रुपए दांव पर लगे होते हैं। इसलिए कंपनियां कोई रिस्क नहीं लेना चाहतीं। किसी प्रोडक्ट या सर्विस की लॉन्चिंग/ रीलॉन्चिंग से पहले वे मार्केट सर्वे का सहारा जरूरी लेती हैं। मार्केट रिसर्च सोसायटी ऑफ इंडिया की एक हालिया रिपोर्ट के अनुसार, देश में रिसर्च इंडस्ट्री की वर्तमान विकास दर करीब 10 प्रतिशत है। इसमें आगे और विस्तार की उम्मीद बनी हुई है क्योंकि देश में कंज्यूमर कॉन्फिडेंस लगातार बढ़ रहा है।

सर्वे का बढ़ता स्कोप मार्केट रिसर्च कंपनियों की सेवाएं निजी कंपनियों के साथ अब राजनीतिक दल भी खूब लेने लगे हैं। आम तौर पर सभी राजनीतिक पार्टियां टिकट बंटवारे से लेकर चुनावी व्यूह रचना और घोषणापत्र तक मार्केट रिसर्च के आधार पर ही तैयार करती हैं। चुनाव पूर्व सर्वे के जरिये जनता का मूड जानने की कोशिश भी की जाती है। टीवी चैनल्स और अखबारों में छपने वाले ओपिनियन पोल और एक्जिट पोल की लोकप्रियता से तो सभी वाकिफ हैं।

कैसे होती है मार्केट रिसर्च?

मार्केट रिसर्चर या एनालिस्ट का कार्य मुख्य रूप से सर्वे और रिसर्च से जुड़ा है। अपने तरीकों से ये प्रोफेशनल बाजार का मूड टटोलने की कोशिश करते हैं। दरअसल, यह भी एक मार्केटिंग रणनीति है। उत्पाद की लॉन्चिंग से पहले सर्वे कराने से यह पता चलता है कि प्रतिस्पर्धा में कौन-कौन-से उत्पाद हैं, उनकी कीमत क्या है, बिक्री क्या है? कंपनी की मार्केटिंग रणनीति क्या है? बाजार में नए उत्पान की बिक्री का स्कोप क्या है? साथ ही, कंपनियां यह भी जानना चाहती हैं कि लोग क्या पसंद करते हैं, उन्हें क्या नया पसंद आएगा आदि। इन सभी सवालों का फीडबैक जुटाने के लिए मार्केट रिसर्चर एक क्वैश्चनेयर नुमा फॉर्म तैयार करते हैं। फिर कंज्यूमर सर्वे कराते हैं। ये सर्वे कई तरह से किए जाते हैं, जैसे टेलिफोन या इंटरनेट के जरिये या फिर ग्राउंड सर्वे। बाद में रिसर्च कंपनियां क्लाइंट कंपनी के लिए एक रिपोर्ट या प्रेजेंटेशन तैयार करती हैं। मार्केट रिसर्चर के इन्हीं सुझावों के आधार पर आखिरकार कंपनियां अपने उत्पाद या सेवा की लॉन्चिंग करती हैं।

पर्सनल स्किल

मार्केट रिसर्च के क्षेत्र में काम करने के लिए आपको डाटा एनालिसिस का ज्ञान रखना बहुत जरूरी है। आपकी कम्युनिकेशन स्किल भी अच्छी होनी चाहिए। इंग्लिश पर अच्छी पकड़ भी होना जरूरी है। बेहतर सेल्समैनशिप और क्रिएटिव क्वॉलिटी भी रखनी होगी। साथ ही, अगर आप टीमवर्क की भावना और काम के प्रति लगन रखते हैं, तो बेझिझक मार्केट रिसर्च के क्षेत्र में अपना करियर बना सकते हैं।

जॉब प्रोफाइल

मार्केट रिसर्च का कार्य मुख्य तौर पर दो हिस्सों में बंटा है : फील्ड वर्क और रिसर्च वर्क। इसलिए यहां अलग अलग पृष्ठभूमि के लोगों के लिए जॉब के अवसर भी खूब हैं। रिसर्च एजेंसीज में आप वाइस प्रेसिडेंट ऑफ मार्केटिंग रिसर्च, रिसर्च डायरेक्टर, असिस्टेंट डायरेक्टर, प्रोजेक्ट मैनेजर, डाटा प्रोसेसिंग स्पेशलिस्ट, एनालिस्ट, फील्ड वर्क डायरेक्टर, फील्ड सुपरवाइजर आदि पदों पर जॉब पा सकते हैं।

कहां हैं जॉब्स?

मौजूदा समय में कई देशी-विदेशी कंपनियां आपको इस फील्ड में जॉब दे सकती हैं। बड़ी कंपनियों में आपको विदेश में भी काम करने का मौका मिल सकता है। इसके अलावा केंद्र व राज्य सरकारों के तमाम विभागों में भी मार्केट रिसर्चर की काफी मांग है। टेलीकॉम कंपनियों में भी जॉब की संभावनाएं हैं। डिजिटल प्लेटफॉर्म और कंसल्टेंसी का विकल्प भी खुला है। अगर चाहें, तो एंटरप्रेन्योर बनकर खुद की रिसर्च एजेंसी भी खोल सकते हैं।

शैक्षणिक योग्यताएं

मार्केट रिसर्च के क्षेत्र में काम की न्यूनतम शैक्षणिक योग्यता ग्रेजुएशन है। अगर करियर बनाना चाहते हैं, तो बीबीए या मार्केटिंग में एमबीए करके यहां एंट्री लें। साइकोलॉजी, सोश्योलॉजी या एंथ्रोपोलॉजी में ग्रेजुएट भी यहां करियर बना सकते हैं। कम्प्यूटर साइंस में ग्रेजुएट के लिए भी यहां करियर स्कोप है। कई संस्थान मार्केट रिसर्च के लिए डिप्लोमा और पीजी डिप्लोमा कोर्स भी ऑफर कर रहे हैं। वहीं, फील्ड वर्क के लिए न्यूनतम योग्यता 12वीं पास है।

सैलरी कितनी?

रिसर्च कंपनियों में हर तरह के प्रोफेशनल्स को काफी आकर्षक सैलरी मिलती है। रिसर्चर या एनालिस्ट लेवल पर शुरूआत में ही 30 से 40 हजार रुपए महीना आसानी से मिल जाते हैं। अनुभव बढ़ने पर यह सैलरी 70 हजार से 1 लाख रुपए के आसपास भी पहुंच सकती है। फील्ड वर्क से जुड़े लोग भी शुरूआत में 10 से 15 हजार रुपए महीना कमा सकते हैं।

ऑनलाइन एग्जाम से डरें नहीं, अपनाएं ये टिप्स

बैंकों में नियुक्ति के लिए परीक्षाएं कराने वाली प्रमुख एजेंसियां, जैसे आईबीपीएस, एसबीआई और आरबीआई भी कम्प्यूटराइज्ड ऑनलाइन फॉर्मेट में परीक्षा लेना या तो शुरू कर चुकी हैं या ऐसा करने की तैयारी में हैं। ऑनलाइन फॉर्मेट अपनाने पर परीक्षार्थियों और अकादमिक विशेषज्ञों दोनों की ओर से मिश्रित प्रतिक्रियाएं आई हैं। इस बात में कोई शक नहीं कि कम्प्यूराइज्ड एग्जाम के कई फायदे हैं मगर कई लोगों ने इस आधार पर इसका विरोध भी किया है कि इससे कम्प्यूटर टेक्नोलॉजी तक पहुंच और उसमें सिद्धहस्तता के आधार पर विभिन्न परीक्षार्थियों में भेद किया जाता है।

जो युवा इस टेक्नोलॉजी से कम परिचित हैं, वे अन्य मामलों में योग्य होने हुए भी पिछड़ सकते हैं। कई ऐसे युवा भी हो सकते हैं, जो यूं तो कम्प्यूटर का प्रयोग खूब करते हैं लेकिन परीक्षा ऑनलाइन देने के नाम पर असहज हो जाते हैं। यदि आप भी उन लोगों में से हैं, जो ऑनलाइन बैंकिंग एग्जाम को लेकर चिंतित हैं, तो हम आपके लिए कुछ टिप्स दे रहे हैं, जिनसे आपको निश्चित ही लाभ होगा। ऑनलाइन परीक्षा की तकनीक पर चर्चा करने से पहले यह जानना भी जरूरी है कि आखिर क्यों बैंकिंग परीक्षाओं को ऑनलाइन करने का फैसला किया गया।

ऑनलाइन का है भविष्य

जो भी हो, ऑनलाइन परीक्षाओं के लाभ इसकी हानियों से ज्यादा हैं और भविष्य तो कम्प्यूटराइज्ड परीक्षाओं का ही है। आगे चलकर तमाम परीक्षाएं इसी फॉर्मेट में होने वाली हैं, इसमें कोई संदेह नहीं। अभी तक पेपर-पेन वाली परीक्षाएं देते आए परीक्षार्थियों को शुरू-शुरू में ऑनलाइन परीक्षा थोड़ी असहज लग सकती है लेकिन यह कोई हिमालय लांघने जैसा काम भी नहीं है। वैसे भी, सभी बैंकिंग प्रोफेशनल्स से यह अपेक्षा तो की ही जाती है कि उन्हें कम्प्यूटर का बेसिक ज्ञान हो। तो फिर परीक्षा भी कम्प्यूटर पर ही देने में हिचक कैसी?

परीक्षा के माहौल से परिचित हों

कम्प्यूटराइज्ड बैंक परीक्षाओं की आलोचना का एक आधार यह रहा है कि परीक्षार्थी प्रश्नों के उत्तर देने में सहज नहीं हो पाते और समय पर पेपर पूरा नहीं कर पाते। इस समस्या का समाधान खुद परीक्षार्थी के पास ही है। जो युवा बैंकिंग एग्जाम देने का इरादा रखते हैं, वे परीक्षा के इस नए माहौल से खुद को अभ्यस्त करना शुरू कर दें। इससे आप एग्जाम फॉर्मेट, स्टाइल और प्रश्नों की शैली से परिचित हो जाएंगे।

टेक्नोलॉजी का लाभ उठाएं

टेक्नोलॉजी हमेशा से भविष्य का रास्ता बताती आई है। ऑनलाइन बैंक पीओ एग्जाम भी इससे अलग नहीं है। टेक्नोलॉजी से समय और मेहनत की बचत होती है, यह तो सब जानते हैं। सो आप भी इस बात पर फोकस करें कि आप टेक्नोलॉजी का इस्तेमाल अपने फायदे के लिए कैसे कर सकते हैं और कैसे कम समय व कम मेहनत के साथ पेपर हल कर सकते हैं।

अपनी ताकत और कमजोरी पहचानें

एक बार आप ऑनलाइन परीक्षा की टेक्नोलॉजी और फॉर्मेट से परिचित हो जाएं, तो आप अपनी ताकत और कमजोरी को पहचान सकते हैं। फिर आप अपनी कमजोरियों को दूर करने पर ध्यान केंद्रित कर सकते हैं। मसलन, हो सकता है कि आप कम्प्यूटर पर मैथ्स के प्रश्न तो आसानी से हल कर लें लेकिन स्क्रीन पर इंग्लिश लैंग्वेज के प्रश्न पढ़ने और उनके उत्तर देने में आपको दिक्कत हो रही हो। ऐसे में आप मैथ्स के मुकाबले इंग्लिश की तैयारी पर अधिक ध्यान दे सकते हैं।

ऑनलाइन मॉक टेस्ट

कम्प्यूटराइज्ड आरबीआई बैंक एग्जाम्स के आने के बाद से कई कोचिंग सेंटर्स तथा टेस्ट प्रेप वेबसाइट्स ऑनलाइन मॉक टेस्ट कराती हैं। ये मॉक टेस्ट बैंकिंग एग्जाम के सिलेबस, फॉर्मेट तथा प्रश्नों की शैली को अच्छी तरह समझने के बाद तैयार की जाती हैं। इसलिए इन्हें हल करने पर आप वास्तविक परीक्षा के अनुभव से अवगत हो सकते हैं। इससे नियत समय में पूरा पेपर हल करने में भी आपको मदद मिलेगी।

शॉर्टकट और ट्रिक्स

बैंकिंग एग्जाम में बैठने वाले परीक्षार्थी मैथ्स और क्वॉन्टिटेटिव एबिलिटी के प्रश्न हल करने के लिए कई तरह के शॉर्टकट तथा ट्रिक्स का इस्तेमाल करते आए हैं। ऑनलाइन कम्प्यूटराइज्ड टेस्ट में भी आप ऐसा कर सकते हैं। सच तो यह है कि ऑनलाइन टेस्ट दे चुके कई परीक्षार्थियों का कहना है कि उन्हें इस फॉर्मेट में पहले से कहीं ज्यादा शॉर्टकट और ट्रिक्स हाथ लगी हैं! आप भी इन शॉर्टकट्स और ट्रिक्स को जानें और इन्हें आजमाएं।

विश्वकप के लिए भारतीय टीम घोषित, राहुल ओर अय्यर को मौका

-सैमसन को नहीं मिली जगह, शुभमन और ईशान सहित 6 खिलाड़ी पहली बार खेलेंगे

मुम्बई (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने मंगलवार को एकदिवसीय विश्वकप 2023 के लिए रोहित शर्मा की कप्तानी में 15 सदस्यीय भारतीय टीम घोषित कर दी। कप्तान रोहित और मुख्य चयनकर्ता अजित आगरकर ने टीम के सदस्यों के नाम घोषित किये। इस टीम में विकेटकीपर बल्लेबाज केएल राहुल और श्रेयस अय्यर को शामिल किया गया है। इससे पहले इनकी फिटनेस को लेकर संदेह जताया जा रहा था। वहीं विकेटकीपर बल्लेबाज संजू सैमसन को टीम में जगह नहीं मिली है। विश्वकप का आयोजन भारत में 5 अक्टूबर से होगा। इसका उद्घाटन और फाइनल अहमदाबाद के नरेन्द्र मोदी स्टेडियम में होगा। भारतीय टीम में शामिल 6 खिलाड़ी पहली बार एकदिवसीय विश्वकप खेलेंगे। इसमें शुभमन गिल, ईशान किशन, सूर्यकुमार यादव, मोहम्मद सिराज, शार्दुल ठाकुर और श्रेयस अय्यर शामिल हैं। अक्षर को पहली बार विश्व कप का कोई मैच खेलने मिल सकता है। वह 2015 में उतरने वाली टीम में भी शामिल थे पर उन्हें किसी भी मैच में अवसर मिला था। विराट कोहली सहित टीम में शामिल 4 खिलाड़ी 3 या उससे अधिक बार विश्वकप में खेलते हुए दिखेंगे।

गेंदबाज के तौर पर तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह, मोहम्मद शमी, मोहम्मद शमी जबकि स्पिनर के तौर पर कुलदीप यादव को मिली है। वहीं ऑलराउंडर के तौर पर हार्दिक पंड्या, रवींद्र जडेजा, अक्षर पटेल और शार्दुल ठाकुर को शामिल किया गया है। वहीं बल्लेबाजी की जिम्मेदारी रोहित के अलावा शुभमन , विराट , श्रेयस , सूर्यकुमार , राहुल और ईशान पर रहेगी।

विराट का का यह चौथा विश्व कप होगा। वर्ल्ड कप के लिहाज से वे टीम इंडिया के सबसे अनुभवी खिलाड़ी हैं। उन्होंने 2011, 2015 और 2019 का भी विश्वकप खेला था। रोहित शर्मा, ऑलराउंडर रवींद्र जडेजा और तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी का यह तीसरा विश्वकप होगा। तीनों ही खिलाड़ी 2015 और 2019 वर्ल्ड कप में उतर चुके हैं। विश्वकप कप के लिए घोषित टीम में हालांकि सैमसन को अवसर नहीं मिला। ईशान और राहुल विकेटकीपर के तौर पर टीम में जगह बनाने में सफल हुए हैं। वहीं आक्रामक बल्लेबाज सूर्यकुमार यादव भी टीम में जगह मिली है।

15 सदस्यीय टीम की बात करें, तो सिर्फ विराट ही खिताब विजेता टीम का हिस्सा रहे हैं। ऐसे में अन्य 14 खिलाड़ियों के पास पहली विश्वकप जीतने का अवसर है। भारतीय टीम ने 1983 और 2011 में विश्वकप जीता है। भारतीय टीम ने साल 2011 में महेन्द्र सिंह धोनी की कप्तानी में अंतिम बार विश्वकक जीता था।

वहीं ऑस्ट्रेलिया ने सबसे अधिक 5 बार ये खिताब जीता है। वेस्टइंडीज ने भी 2 बार जबकि श्रीलंका, पाकिस्तान और इंग्लैंड एक-एक बार से खिताब जीता है। वेस्टइंडीज की टीम इस बार क्वालिफाई नहीं कर पायी है जबकि इंग्लैंड की टीम टूर्नामेंट की डिफेंडिंग चैंपियन है।

विश्व कप 5 अक्टूबर से 19 नवंबर तक खेला जाएगा। इस टूर्नामेंट में कुल 10 टीमें उतर रही हैं। सभी टीम को 9-9 मैच खेलने हैं। इसके बाद शीर्ष-4 टीमें सेमीफाइनल में जाएंगी। कुल 10 वेन्यू पर मैच होने हैं. उद्घाटन मैच, भारत-पाकिस्तान का मुकाबला और फाइनल अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में होना है। सेमीफाइनल 15 और 16 नवंबर को खेला जाएगा। टूर्नामेंट में कुल

48 मैच खेले जाएंगे।

विश्व कप के लिए भारतीय टीम इस प्रकार है

रोहित शर्मा (कप्तान), हार्दिक पंड्या (उपकप्तान), शुभमन गिल, विराट कोहली, श्रेयस अय्यर, सूर्यकुमार यादव, केएल राहुल (विकेटकीपर), ईशान किशन (विकेटकीपर), रवींद्र जडेजा, शार्दुल ठाकुर, अक्षर पटेल, जसप्रीत बुमराह, कुलदीप यादव, मोहम्मद शमी और मोहम्मद सिराज।

सुपर फोर में 10 सितंबर को होगा भारत और पाक का मुकाबला

कोलंबो (एजेंसी)। भारत और पाकिस्तान की टीमें एशिया कप के सुपर फोर में पहुंच गयी हैं। यहां एक बार फिर दोनो के बीच मुकाबला होगा। इससे प्रशंसकों को एक बार फिर दोनो के बीच टक्कर देखने को मिलेगी। इससे पहले 2 सितंबर को भारत और पाक का मुकाबला बारिश के कारण पूरा नहीं हो पाया था जिससे प्रशंसकों को निराशा हुई थी। इससे उनके रोमांचक क्रिकेट देखने की उम्मीदें टूट गयीं थीं।सुपर फोर के मुकाबले बुधवार से शुरू होंगे। भारत और पाकिस्तान के अलावा बची हुई दो टीम का फैसला अफगानिस्तान और श्रीलंका के बीच मैच के परिणाम के आधार पर होगा।

भारत-पाक के बीच अब 10 सितंबर को मुकाबला होगा। ये मुकाबला कोलंबो में खेला जाएगा। वहीं अगर बारिश हुई तो इस मैच को हम्बनटोटा में स्थानांतरित किया जा सकता है। केवल ये ही मुकाबला नहीं। कोलंबो में सुपर-4 राउंड के 4 और मुकाबले होने हैं, उन्हें भी हम्बनटोटा में आयोजित किया जा सकता है। इसका कारण है कि श्रीलंका के दक्षिणी हिस्से में बसे इस शहर में सितंबर में बारिश की संभावना कम होती है।

गौरतलब है कि एशिया कप 2023 में सुपर-4 राउंड के मैच 6 सितंबर से शुरू होंगे। इसका पहला मैच ग्रुप-ए में पहले स्थान पर रहने वाली टीम पाकिस्तान और ग्रुप-बी में दूसरे नंबर की टीम के बीच होगा। इसके बाद 9 सितंबर को ग्रुप-बी की शीर्ष दो टीमों के बीच सुपर-4 राउंड का दूसरा मैच होगा। 10 सितंबर को ग्रुप-ए की दो टीमें भारत और पाक आमने-सामने होंगी। 12 सितंबर को सुपर-4 मैच में भारतीय टीम का सामना ग्रुप-बी की शीर्ष टीम से होगा जबकि 14 सितंबर को पाकिस्तान सुपर-4 में ग्रुप बी की शीर्ष टीम से खेलेगी। वहीं, 15 सितंबर को भारत का मुकाबला ग्रुप-बी की दूसरे नंबर की टीम से होगा। वहीं फाइनल 17 सितंबर को होगा।

पहले दो मैचों से हमें बल्लेबाजी और गेंदबाजी का अवस

कैंडी (ओमान) (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम ने नेपाल को हराकर एशिया कप के सुपर फोर में प्रवेश कर लिया है। इस मैच में भारतीय टीम की ओर से कप्तान रोहित शर्मा और और शुभमन गिल ने अर्धशतक लगाये। रोहिन हलांकि अपनी बल्लेबाजी को लेकर संतुष्ट नजर नहीं आये। उन्होंने कहा कि वास्तव में मैं अपनी बल्लेबाजी से खुश नहीं था। शुरुआत में कुछ घबराहट थी लेकिन एक बार जब मेरी नजर टिकी तो खेलना आसान हो गया।

रोहित ने कहा कि जब हम यहां आए तो हमें पता था कि विश्व कप के लिए हमारी टीम कैसी होने वाली है। एशिया कप के दो मैचों में हमें बल्लेबाजी और गेंदबाजी का अवसर मिला है। उन्होंने हार्दिक पंड्या और ईशान किशन की सराहना करते हुए कहा दोनो ने ही पहले मैच में अच्छी बल्लेबाजी की। साथ ही कहा कि हमें

गेंदबाजी और क्षेत्ररक्षण में और सुधार करना होगा।

वहीं नेपाल क्रिकेट टीम के कप्तान रोहित पौडेल ने कहा कि उनकी टीम के सलामी बल्लेबाजों ने अच्छा प्रदर्शन किया हालांकि मध्य क्रम और बेहतर प्रदर्शन कर सकता था। हमने 30 रन कम बनाए और यदि मध्य क्रम ने अच्छा प्रदर्शन किया होता तो हम 260-270 बना थे। हमारे निचले क्रम के साथ ही गेंदबाजों ने भी इस मैच में अच्छा प्रदर्शन किया है।

दक्षिण अफ्रीका ने विश्व कप के लिए घोषित की टीम, बावुमा करेंगे कप्तानी

-इसी साल पदार्पण करने वाले कोएट्ज़ी भी शामिल

जोहांसबर्ग (एजेंसी)। क्रिकेट दक्षिण अफ्रीका ने अक्टूबर-नवंबर में होने वाले आईसीसी पुरुष क्रिकेट विश्व कप 2023 के लिए अपनी 15 सदस्यीय टीम घोषित कर दी है। इस टीम की कप्तानी उसके नियमित एकदिवसीय कप्तान टेम्बा बावुमा को मिली है। टीम में इसी साल अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में पदार्पण करने वाले गेंदबाज गेराल्ड कोएट्जी को शामिल किये जाने से सभी हैरान हैं। अब तक अपने दो एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय मैचों में कोएट्ज़ी ने पांच विकेट लिए हैं। इसमें से तीन विकेट उन्होंने अपने एकदिवसीय पदार्पण पर ही लिए थे।

टीम में क्विंटन डी कॉक, रीज़ा हेंड्रिक्स, हेनरिक क्लासेन, एडेन मार्कराम, डेविड मिलर और रासी वैन डेर डुसेन जैसे अनुभवी बल्लेबाजों को भी जगह मिली है जबकि तेज गेंदबाजी आक्रमण की कमान कगिसो रबाडा संभालेंगे। इसके साथ ही टीम में एनरिक नॉर्टजे और लुंगी एनगिडी जैसे अन्य तेज गेंदबाजों को भी शामिल किया गया है। उपमहाद्वीप के हालातों में स्पिनरों को मिलने वाली सहायता को देखते हुए केशव महाराज और तबरेज शम्सी को शामिल किया है। दक्षिण अफ्रीका अपना पहला

विश्व कप मुकाबला 7 अक्टूबर को दिल्ली के अरुण जेटली स्टेडियम में श्रीलंका से खेलेगा।

दक्षिण अफ्रीका की टीम इस प्रकार है

टेम्बा बावुमा (कप्तान), गेराल्ड कोएट्जी, क्विंटन डी कॉक, रीजा हेंड्रिक्स, मार्को जानसन, हेनरिक क्लासेन, सिसंडा मगाला, केशव महाराज, एडेन मार्कराम, डेविड मिलर, लुंगी एनगिडी, एनरिक नॉर्टजे, कैगिसो रबाडा, तबरेज शम्सी, रासी वैन डेर डुसेन।

एशिया कप में संयुक्त रूप से सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले भारतीय गेंदबाज बने जडेजा

कैंडी। भारतीय क्रिकेट टीम के ऑलराउंडर रविंद्र जडेजा ने नेपाल के साथ एशिया मुकाबले में नेपाल के खिलाफ तीन विकेट लेने के साथ ही एक अहम उपलब्धि हासिल कर ली है। अब जडेजा पूर्व तेज गेंदबाज इरफान पठान के साथ एशिया कप में संयुक्त रूप से सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले भारतीय गेंदबाज बन गये हैं। जडेजा ने एशिया कप के 16 मैचों में 24.77 की औसत से 22 विकेट लिए हैं। उनका सर्वश्रेष्ठ गेंदबाजी प्रदर्शन 29 रन देकर चार विकेट रहा है। वहीं पठान ने अपने करियर के दौरान 12 एकदिवसीय एशिया कप मैचों में 27.50 की औसत से 22 विकेट लिए थे। एशिया कप में सबसे अधिक विकेट का रिकार्ड श्रीलंकाई स्पिनर मुथैया मुरलीधरन के नाम है। मुरलीधरन ने कुल30 विकेट लिए हैं। वहीं दूसरे नंबर पर लसिथ मलिंगा 29 विकेट और अजंता मेंडिस 26 विकेट हैं।

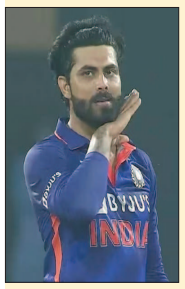

विश्व कप के बाद एकदिवसीय क्रिकेट को अलविदा कह देंगे डी कॉक

जोहांसबर्ग। दक्षिण अफ्रीकी क्रिकेटर क्विंटन डी कॉक ने कहा है कि वह इस साल के अंत में भारत में होने वाले विश्वकप के बाद एकदिवसीय क्रिकेट से संन्यास ले लेंगे। गत दिनों ही विकेटकीपर बल्लेबाज डिकॉक ने ऑस्ट्रेलियाई बिग बैश लीग (बीबीएल) में एक करार किया था। डी कॉक जैसे स्टार बल्लेबाज की इस घोषणा से उनके प्रशंसकों को भी करारा झटका लगा है। डिकॉक ने अब तक 140 एकदिवसीय मैच में 44.85 के औसत से 5966 रन बनाए हैं। इस बल्लेबाज ने अपने करियर में 17 शतक और 29 अर्धशतक भी लगाये हैं। उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर 178 रनों का है। इस विश्व कप में डिकॉक अपने एकदिवसीय करियर के 6 हजार रन भी पूरे कर सकते हैं। क्रिकेट विश्व कप के बाद दक्षिण अफ्रीका की टीम के साथ उन्हें भारत आना था पर संन्यास की घोषणा के बाद अब वह नहीं आयेंगे। डिकॉक ने भारत के खिलाफ 19 एकदिवसीय में 56 की औसत से 1072 रन बनाए हैं जिसमें 6 शतक और दो अर्धशतक भी शामिल हैं। दक्षिण अफ्रीका अपना पहला विश्व कप मुकाबला 7 अक्टूबर को दिल्ली के अरुण जेटली स्टेडियम में श्रीलंका से खेलेगा। अपना अंतिम विश्वकप होने के कारण यह विकेटकीपर बल्लेबाज बेहतरीन प्रदर्शन का प्रयास करेगा।

सुपर फोर में पाक तेज गेंदबाजों के खिलाफ बड़ा स्कोर बनाएगी भारतीय टीम: राठौड़

पालेकल (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम के बल्लेबाजी कोच विक्रम राठौड़ ने कहा है कि हमारे बल्लेबाज पाकिस्तान के तेज गेंदबाजों के खिलाफ बड़े स्कोर बनाने में सक्षम है। राठौड़ ने 10 सितंबर को सुपर फोर में पाक के खिलाफ होने वाले मुकाबले से पहले ये बात कही। एशिया कप के अपने पहले ही मैच में भारतीय शीर्ष क्रम शाहीन आफरीदी और हारिस रऊफ जैसे तेज गेंदबाजों के सामने विफल रहा था। उसके बाद से ही कहा जा रहा था कि भारतीय बल्लेबाज इस मैच में दबाव में आ गये थे। बल्लेबाजी कोच ने कहा, 'हम सुपर चार के मैच में बेहतर बल्लेबाजी करेंगे। साथ ही कहा कि पिछले मैच में हालात अलग थे। उन्होंने कहा, 'ऐसा नहीं है कि हम पाकिस्तान के तेज गेंदबाजी आक्रमण का सामना नहीं कर सकते। यह सही है कि उनके पास अच्छा गेंदबाजी आक्रमण है और के

किसी दिन हमपर हावी हो जाते हैं पर जब हमें अच्छी शुरुआत मिलती है तो हमारे बल्लेबाज भी बड़ा स्कोर बनाते हैं।

पहले मैच में विकेटकीपर बल्लेबाज ईशान किशन और हार्दिक पांड्या की शतकीय साझेदारी से भारत 266 रनों तक पहुंच पाया था। बारिश के कारण यह मैच पूरा नहीं हो पाया था। राठौड़ ने कहा कि भारत के लिए यह अच्छा संकेत है कि उसके पास मध्यक्रम में चयन के लिए ईशान और केएल राहुल के रूप में दो अच्छे बल्लेबाज हैं। उन्होंने कहा, 'ईशान ने पाक के खिलाफ अच्छी बल्लेबाजी की। केएल राहुल पिछले दो वर्षों से टीम के लिए अच्छा प्रदर्शन कर रहा है। यह अच्छी समस्या है। हमारे पास चयन के लिए दो अच्छे खिलाड़ी हैं। दो संघर्षरत बल्लेबाजों के बजाय ऐसे खिलाड़ियों में से किसी का चयन करना बेहतर है।

राठौड़ ने कहा कि भारत अंतिम एकादश में चार विशेषज्ञ गेंदबाजों या तीन गेंदबाजों और एक ऑलराउंडर को रखने का फैसला हालातों को देखते हुए लेगा। उन्होंने कहा, 'शार्दुल ठाकुर की मौजूदगी में बल्लेबाजी को गहराई मिलती है और वह गेंदबाजी भी कर सकता है।

विश्वकप के लिए टिकटों की हो रही कालाबाजारी , लाखों में पहुंची कीमतें

नई दिल्ली । आगामी एकदिवसीय विश्वकप क्रिकेट टूर्नामेंट में भारत और पाकिस्तान के बीच होने वाले मुकाबले के लिए टिकटों की धांधली के कारण दाम आसमान पर पहुंच गये हैं। विश्वकप में 14 अक्टूबर को भारत और पाकिस्तान का मुकाबला होगा। हाल में ही ही इसके लिए टिकट की ऑनलाइन बुकिंग शुरू हुई पर कुछ ही देर में सभी टिकट बिक गये। एक रिपोर्ट के अनुसार वायागोगो नामक बेवसाइट पर 100 से ज्यादा टिकट उपलब्ध हैं। इस ऑनलाइन स्पोर्ट्स टिकट बिक्री प्लेटफॉर्म पर टिकट 19 लाख से ज्यादा में बिक रहे हैं। इसके साथ ही शिपिंग और होम डिलिवरी के लिए लोगों को अलग से पैसे देने होंगे। इससे साफ है कि टिकट खरीदना आम आमदी के बस की बात नहीं है। इसमें भारत और पाकिस्तान के मुकाबले के लिए टिकट की कीमत 66 हजार से शुरू होकर 19 लाख तक पहुंची है। इसके साथ ही टिकट की कीमतें भी बार-बार बदल रही हैं। लखनऊ में होने वाले भारत और इंग्लैंड के मैच के लिए टिकट की की शुरुआती कीमत 2 लाख 34 हजार रुपये है। वहीं दिल्ली के अरुण जेटली स्टेडियम में होने वाले भारत और अफगानिस्तान के मैच की टिकट 38,877 रुपये में मिल रही है। सबसे महंगा टिकट 2 लाख 34 हजार का है। भारत और ऑस्ट्रेलिया के मैच के टिकट 41 हजार से 2 लाख 85 हजार तक में मिल रहे हैं। गौरतलब है कि बुक माय शो विश्व कप टिकट के लिए आधिकारिक साझीदार था पर टिकट ब्रिकी शुरू होते ही वहां भी टिकटों के लिए वेटिंग दिखने लगी। टिकट खरीदने के लिए ऐप या बेवसाइट पर जाने के बाद 2 से 5 घंटे तक वेटिंग दिखाया जा रहा था। फिर कुछ ही देर में सोल्ड आउट आने लगा। जिसके बाद भड़के प्रशंसकों ने अपना गुस्सा सोशल मीडिया पर निकाला। नाराज प्रशंसकों का कहना था कि एक लाख से ज्यादा की क्षमता वाले स्टेडियम में बिक्री के लिए 10 हजार से भी कम टिकट रखे गए थे।

भारत के खिलाफ एकदिवसीय सीरीज में शायद ही खेलें मैक्सवेल

मेलबर्न (एजेंसी)। ऑस्ट्रेलियाई ऑराउंडर ग्लेन मैक्सवेल अपने भारत दौरे में शायद ही एकदिवसीय सीरीज खेलें। मैक्सवेल विश्व कप से पहले अपनी फिटनेस को लेकर किसी भी प्रकार का जोखिम नहीं लेना चाहते हैं। इसी कारण वह सावधानी के कारण ये फैसला कर सकते हैं। मैक्सवेल को पिछले साल बायें टखने में चोट लगी थी जिससे अब वह उबर गये हैं। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ हाल में समाप्त हुई टी20 अंतरराष्ट्रीय श्रृंखला में उन्हें टखने में फिर दर्द का अनुभव हुआ था। उसके बाद से ही वह डरे हुए हैं।

मैक्सवेल ने सोशल मीडिया में लिखा, 'मैं भारत के खिलाफ श्रृंखला के कुछ हिस्से में खेलना चाहता हूं पर मुझ पर इसे लेकर प्रबंधन का कोई दबाव नहीं है। ऑस्ट्रेलियाई टीम विश्व कप से पहले तीन मैच की एकदिवसीय श्रृंखला के लिए भारत

आयेगी। इसकी शुरुआत 22 सितंबर को मोहाली में होने वाले मुकाबले से होगी। उन्होंने कहा, 'चयनकर्ता और स्टाफ मेरा काफी सहयोग कर रहे हैं। वे मुझ पर ज्यादा दबाव नहीं बनाना चाहते कि मैं किसी तरह की तारीख तय करूं।

मैक्सवेल ने कहा, 'इसलिए खेलने में जल्दबाजी करने की जगह मैं अपने को अतिरिक्त समय देना चाहता हूं जियसे ये तय कर सकूं कि हम पूरे टूर्नामेंट में खेल सकें। सभी टीमों को विश्व कप के लिए अपनी 15 सदस्यीय टीम की घोषणा पांच सितंबर तक करनी है हालांकि 27 सितंबर तक टीम में बदलाव किये जा सकेंगे। पिछले साल नवंबर में जन्मदिन की पार्टी में मैक्सवेल फिसल गये थे। जिससे उनके बायें पैर में फ्रेक्चर हो गया था और इसी कारण उनके पैर में धातु की प्लेट डली हुई है। टखने में दर्द के कारण टीम के पहले ट्रेनिंग सत्र के बाद ही उन्हें दक्षिण अफ्रीका से वापस लौटना पड़ा था। उन्होंने कहा, 'जब मैं दक्षिण अफ्रीका गया तो मुझे नहीं पता था कि इसमें दर्द होगा। मैं जब उस दिन ट्रेनिंग के लिए गया था तो भी ठीक था। कुछ भी नहीं हो रहा था। लेकिन फिर मेरे टखने में सूजन और दर्द होने लगा।

सहवाग का बीसीसीआई से आग्रह, विश्व कप जर्सी पर 'इंडिया' के बजाय भारत लिखो

नई दिल्ली (एजेंसी)। पूर्व भारतीय क्रिकेटर वीरेंद्र सहवाग ने मंगलवार को बीसीसीआई (भारतीय क्रिकेट बोर्ड) से आग्रह किया कि आगामी वनडे विश्व कप में राष्ट्रीय टीम के खिलाड़ियों की जर्सी पर 'इंडिया' के बजाय 'भारत' लिखा जाए। सहवाग ने बीसीसीआई सचिव जय शाह को 'टैग' करते हुए सुझाव दिया कि खिलाड़ियों को ऐसी जर्सी पहननी चाहिए जिस पर 'भारत' लिखा हो।

सहवाग ने 'ट्विटर' पर लिखा, 'मेरा हमेशा से मानना है कि नाम ऐसा होना चाहिए जो हममें गर्व पैदा करे। हम भारतीय हैं, 'इंडिया' नाम अंग्रेजों ने दिया था और आधिकारिक रूप से हमारा मूल नाम 'भारत' वापस लाने में लंबा समय हो चुका है। मैं बीसीसीआई (सचिव) जय शाह से यह आग्रह करता हूं कि वे सुनिश्चित करें कि इस विश्व कप में हमारे खिलाड़ी अपनी छाती पर 'भारत' लिखी हुई जर्सी पहने।' एक अन्य पोस्ट में उन्होंने लिखा, 'टीम इंडिया नहीं, टीम भारत। इस विश्व कप में जब हम कोहली, रोहित, बुमराह, जड्डू के लिए चीयर करेंगे तो हमारे दिल में भारत होगा और खिलाड़ी 'भारत' लिखी जर्सी पहनेंगे।'

सहवाग की यह टिप्पणी राष्ट्रपति भवन द्वारा 9 सितंबर को जी20 रात्रिभोज के लिए आमंत्रण भेजने के विवाद के बाद आई है जिसमें 'प्रेसिडेंट ऑफ इंडिया' के बजाय 'प्रेसिडेंट ऑफभारत' लिखा है। कई राजनेता इस मुद्दे पर बयानबाजी कर रहे हैं। पर सहवाग ने अन्य देशों का भी उदाहरण दिया जिन्होंने अपने नाम में बदलाव किया है। उन्होंने लिखा, ''नीदरलैंड 1996 विश्व कप में भारत में 'हालैंड' के नाम से विश्व कप खेलने आया था। पर 2003 में जब हम उनसे मिले तो वे 'द नीदरलैंड' थे और तब से ऐसा ही है। बर्मा ने भी अंग्रेजों द्वारा दिये गये नाम को बदलकर म्यामां कर लिया।'

इस पूर्व धुरंधर सलामी बल्लेबाज ने कहा, 'और भी कई अन्य देश हैं जिन्होंने अपना मूल नाम वापस रख लिया है।' खबर है कि केंद्र सरकार 18 से 22 सितंबर तक होने वाले संसद के विशेष सत्र में 'इंडिया' का नाम बदलकर भारत करने पर विचार कर रही है।

न्यूजीलैंड के कोच बोले, विश्वकप में खेलेंगे विलियमसन

वैलिंगटन । न्यूजीलैंड क्रिकेट टीम के कोच गैरी स्टीड ने कहा है कि कप्तान केन विलियमसन विश्वकप में खेलेंगे। स्टीड ने कहा कि आईपीएल के दौरान लगी घुटने की चोट से अब विलियमसन उबर गये हैं। उन्होंने कहा कि कप्तान ने वापसी के लिए काफी प्रयास किये थे जो सफल रहे। स्टीड ने कहा कि विलियमसन ने अपने पुनर्वास के लिए समर्पित रुप से अभ्यास किया। इस दौर उन्हें विशेषज्ञों के एक समूह का भी सहयोग मिला। स्टीड ने कहा कि उन्होंने शीर्ष स्तर पर क्रिकेट खेलने के प्रयासों में कोई कसर नहीं छोड़ी है। हम उसे चयन से उत्साहित हैं। वह जल्दी में लौटने की इच्छा नहीं रखते हैं। जैसा कि हमने पहले कहा है, यह बहुत अच्छी बात है कि वह लंबे समय तक न्यूजीलैंड के लिए क्रिकेट खेलना चाहता है। हम भी उसकी रिकवरी में सहायता करना चाहते हैं। विश्व कप कोई छोटा टूर्नामेंट नहीं है और इसी को देखते हुए हम टूर्नामेंट के शुरुआती मैच से पहले अगले महीने उनकी प्रगति का ध्यान रखेंगे। विलियमसन इंग्लैंड दौरे पर न्यूजीलैंड टीम के साथ हैं, हालांकि वह टीम में शामिल नहीं हैं। घुटने की सर्जरी से उबरने के बाद अब विलियमसन को उम्मीद रहेगी कि वह विश्व कप की शुरुआत से ही खेल सकेंगे।

भारतीय महिला फुटबॉल टीम फीफा विश्व कप के लिए क्वालीफाई करने में सक्षम -चौबे

कोलकाता (ईएमएस)। भारतीय फुटबॉल टीम ने हाल के दिनों में अपने प्रदर्शन में काफी सुधार किया है। जिससे वह दिन प्रति-दिन बेहतर होती जा रही है। इससे अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ (एआईएफएफ) भी खुश है। एआईएफएफ प्रमुख कल्याण चौबे ने टीम की प्रशंसा करते हुए कहा है कि हमारी महिला टीम के पास अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल में प्रगति करने का काफी अच्छा अवसर है। टीम कुछ और प्रयासों करे तो फीफा विश्व कप के लिए भी क्वालीफाई कर सकती है। पूर्व भारतीय खिलाड़ी चौबे ने एआईएफएफ अध्यक्ष के तौर पर एक साल का कार्यकाल पूरा कर लिया है। अध्यक्ष पद संभालने के बाद से ही उन्होंने फुटबॉल के स्तर को सुधारने के काफी प्रयास किये हैं। चौबे ने कहा, ''मैं सुनिश्चित करना चाहता हूं कि महिलाओं की फुटबॉल को वो सारी सुविधायें मिलें जो भारत में पुरुष फुटबॉलरों को मिलती है और मैं मानता हूं कि हमारे पास महिलाओं के फुटबॉल में अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रगति करने का बेहतर मौका है।

एकमात्र शिक्षक ही श्रेष्ठ बालक, श्रेष्ठ परिवार, श्रेष्ठ समाज और श्रेष्ठ राष्ट्र का निर्माण कर सकते हैं : राज्यपाल

गांधीनगर ।

राज्यपाल आचार्य देवव्रतजी एवं मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने मंगलवार को शिक्षक दिवस के अवसर पर गांधीनगर में विद्या समीक्षा केंद्र में आयोजित गरिमामय समारोह में 34 शिक्षकों को श्रेष्ठ शिक्षक राज्य पुरस्कार से सम्मानित किया तथा राज्य के 11श्रेष्ठ तेजस्वी विद्यार्थियों को भी अवार्ड प्रदान किए। इस अवसर पर शिक्षा राज्य मंत्री प्रफुल पानशेरिया और मुख्य सचिव राज कुमार उपस्थित रहे।

35 वर्षों तक गुरुकुल में विद्यार्थियों को शिक्षा प्रदान करने वाले राज्यपाल आचार्य देवव्रत आज भी यही पसंद करते हैं कि वे समाज में शिक्षक के रूप में ही पहचाने जाएँ। उन्होंने कहा, आज मुझे बेहद सुख की अनुभूति हो रही है कि मुझे अपने परिवार से पुन: मिलने का मौका मिला। राज्यपाल आचार्य देवव्रत जी ने कहा कि जीवन निर्वाह के लिए अनेक व्यवसाय-व्यापार-उद्योग हैं, लेकिन सभी कर्मों में शिक्षक का कर्म अत्यंत पवित्र एवं महत्वपूर्ण है। दान का महत्व है लेकिन विद्या से बड़ा कोई दान नहीं है। शिक्षक-गुरुजन बच्चे की दशा और दिशा बदल सकते हैं। उन्होंने शुक्ल यजुर्वेद के शतपथ ब्राह्मण ग्रंथ का संदर्भ देते हुए कहा कि बच्चे के तीन गुरु होते हैं; माता, पिता और गुरु। वह बच्चा धन्य है जिसे आदर्श, धर्मात्मा, जितेंद्रिय और परोपकारी माता, पिता और गुरु मिले हैं। शिक्षक स्वयं दीपक की तरह प्रज्वलित होकर दूसरों को प्रकाश देता है। गु का अर्थ है अंधकार और रु का अर्थ है प्रकाश। गुरु जो अज्ञानता के अंधकार से प्रकाश की ओर ले जाता है। राज्यपाल आचार्य देवव्रत जी ने कहा कि वेदों में उल्लेख है कि माता-पिता अपने बच्चों को पालन-पोषण के लिए गुरुजी के सानिध्य में सौंप देते थे। भारत के गुरु, माता-पिता को आश्वस्त करते थे कि, माँ के गर्भ में बालक की जितनी सुरक्षा और देखभाल होती है उसी तरह से मैं भी बालक की देखभाल करूंगा। शिक्षक का इससे बड़ा कोई महान विचार संसार में नहीं हो सकता। भारत के गुरुओं ने विश्व को तक्षशिला, नालन्दा, विक्रमशिला और वल्लभी जैसे विश्वविद्यालय दिये हैं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत भौतिक एवं आध्यात्मिक क्षेत्र में विश्व में अग्रणी बन रहा है ऐसा कहते हुए राज्यपाल श्री आचार्य देवव्रत जी ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के प्रयासों से भारत आज पुन: विश्व गुरु बनने जा रहा है ऐसे में राष्ट्र के शिक्षक अपनी जिम्मेदारी समझें। समाज में सकारात्मक सोच-रचनात्मक सोच विकसित करना शिक्षकों का दायित्व है। शिक्षक ही श्रेष्ठ परिवार, श्रेष्ठ समाज और श्रेष्ठ राष्ट्र का निर्माण कर सकते हैं। राष्ट्र और राज्य के प्रत्येक शिक्षक को अपना कर्तव्य ईमानदारी से निभाना चाहिए और ऐसे बच्चे का निर्माण करना चाहिए जो संस्कारी हो, शरीर से स्वस्थ हो, विचारों से समृद्ध हो, माता-पिता का आदर करने वाला हो, बड़ों के प्रति समर्पित हो, राष्ट्रीय भावना से परिपूर्ण हो और आवश्यकता पड़ने पर राष्ट्र के लिए बलिदान देने को तैयार हो। राज्यपाल आचार्य देवव्रत जी ने प्राकृतिक कृषि के महत्व को समझाते हुए शिक्षकों से अनुरोध किया कि वे स्कूली शिक्षा में ही छात्रों को स्वस्थ जीवन शैली के लिए प्राकृतिक कृषि और प्राकृतिक कृषि उत्पादों के महत्व को समझाएं। उन्होंने श्रेष्ठ शिक्षकों एवं विद्यार्थियों को बधाई देते हुए कहा कि मानवता की सार्थकता बालक निर्माण, परिवार निर्माण, समाज निर्माण एवं राष्ट्र निर्माण के इस पवित्र मिशन में ईमानदारी से कार्य करने में ही है।

मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने राज्य पुरस्कार से सम्मानित शिक्षकों को बधाई देते हुए उन्हें स्वर्णिम भारत के भविष्य के आकिटेक की उपाधि दी। इस संदर्भ में मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश आजादी का अमृत महोत्सव मनाकर अमृतकाल में प्रवेश कर चुका है। उन्होंने कहा कि इस अमृतकाल तथा 21वीं शताब्दी में भारत को ज्ञान-विज्ञान का अधिष्ठाता बनाने वाली सक्षम पीढ़ी के निर्माण के लिए शिक्षक समुदाय को बड़ा और महत्वपूर्ण योगदान देना है। मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने विचार व्यक्त किया कि वेदों से लेकर वेब और उपनिषदों से लेकर उपग्रहों तक हमारी संस्कृति की विकास यात्रा में शिक्षा और शिक्षकों की सकारात्मक भूमिका रही है। उन्होंने कहा कि सरकार स्कूल बनाती है, इंफ्रास्ट्रक्चर उपलब्ध कराती है, शिक्षकों की भर्ती करती है, परंतु स्कूल में प्राण तो शिक्षक डाल सकता है। मुख्यमंत्री ने विशेष रूप से उल्लेख किया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने इस बात को साकार करने और नये भारत के निर्माण के लिए नई शिक्षा नीति लागू की है। मुख्यमंत्री ने विश्वास व्यक्त किया कि यह नई शिक्षा नीति उज्ज्वल भविष्य के संकल्पों को शिक्षा के आयुध, शिक्षकों के योगदान और विद्यार्थियों की ज्ञान ऊर्जा से चरितार्थ करेगी। भूपेंद्र पटेल ने कहा कि इस शिक्षा नीति का उद्देश्य आने वाली पीढ़ी को शिक्षा एवं श्रम कौशल से सम्पन्न, शारीरिक मानसिक बुद्धि से सुसज्जित एवं विश्व के युवाओं के साथ प्रतिस्पर्धा करने में सक्षम बनाना है। मुख्यमंत्री ने अपेक्षा व्यक्त की कि शिक्षक समुदाय की वाणी, व्यवहार और विद्यार्थियों के प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण से ऐसी सक्षम पीढ़ी का निर्माण होगा। उन्होंने स्मार्ट क्लासरूम, डिजिटल लर्निंग और ज्ञान कुंज प्रोजेक्ट के तहत 16 हजार कक्षाएं शुरू करके नई शिक्षा नीति के अनुरूप समयानुसार शिक्षा-दीक्षा प्रदान करने के लिए गुजरात द्वारा किए गए सफल आयामों की भूमिका दी। मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के दिशानिर्देशन में कन्या केलवणी, गुणोत्सव, विद्यार्थियों की प्राथमिक स्कूली शिक्षा मूल्यांकन जैसे शिक्षा सुधार आंदोलनों को सफलता हासिल हुई है।

सेंट मार्क्स हायर सेकेंडरी स्कूल, अडाजण, सूरत में शिक्षक दिवस भव्य रूप से मनाया गया

सूरत।

सेंट मार्क्स हायर सेकेंडरी स्कूल में आज शिक्षक दिवस मनाया गया। जिसमें स्कूल के शिक्षक, ट्रस्टी श्री बीवीएस राव सर और श्रीमती सुशीला राव मैडम मंच पर बैठे और मंच पर पहुंचे, इस दौरान स्कूल के शिक्षकों और छात्रों द्वारा उन पर फूलों की वर्षा की गई। इसके बाद ट्रस्टियों, प्राचार्यों व प्रत्येक प्रभारियों का फूल-मालाओं से स्वागत किया गया। राव सर एवं उपस्थित गणमान्य अतिथियों ने दीप के साथ सरस्वती वंदना कर कार्यक्रम की शुरूआत की। स्कूल ट्रस्टी श्री राव सरे डॉ. सर्वपल्लीन ने राधाकिशनन की जीवनी के बारे में संक्षिप्त जानकारी दी।

पूर्व प्राथमिक, प्राथमिक, माध्यमिक एवं उच्च माध्यमिक शिक्षकों को साड़ी एवं शिक्षकों को गणवेश देकर सम्मानित किया गया। साथ ही सेवक भाईयों एवं बहनों को पुष्प एवं अंगवस्त्र से सम्मानित भी किया गया। चौहान प्रियंका, पल्लवी सिंह, पायल शर्मा, नवीन बाबू, भाग्यश्री मल्लपुरम, सुरेशभाई गोहिल और वृपाली जोशी को "सर्वश्रेष्ठ शिक्षक पुरस्कार" की शील्ड, शॉल और पौधे देकर सम्मानित किया गया। श्री बीवीएस राव सर एवं सुशीला मैडम, विद्यालय प्राचार्य श्री धान्या प्रिंस एवं डेविड सर ने विद्यालय के शिक्षकों को उत्तरोत्तर प्रगति हेतु आशीर्वाद दिया। उन्होंने विद्यालय में सेवारत शिक्षकों द्वारा विद्यालय के उत्तरोत्तर प्रगति की कामना भी की। विद्यालय के शिक्षकों ने ट्रस्टियों को स्मृति चिन्ह देकर उनका आभार व्यक्त किया। समारोह के अंत में सभी कर्मचारियों एवं उपस्थित अतिथियों ने लजीज भोजन किया।

अग्रवाल विकास ट्रस्ट महिला शाखा द्वारा टीचर्स डे प्रोग्राम का हुआ आयोजन

सूरत भूमि, सूरत। अग्रवाल विकास ट्रस्ट महिला शाखा द्वारा मंगलवार को सिटी-लाइट स्थित महाराजा अग्रसेन भवन के वृंदावन हॉल में टीचर्स डे प्रोग्राम का आयोजन किया गया । महिला शाखा की अध्यक्ष शालिनी कानोडिया ने बताया की इस अवसर पर महिला शाखा एवं युवा शाखा के ही सदस्य जो स्कूल टीचर, योगा टीचर डांस टीचर, संस्कृत टीचर आदि का स्वागत एवं सम्मान किया गया । सभी टीचर्स ने अपने अनुभव बताए । इस अवसर पर क़रीबन 200 से ज़्यादा सदस्य उपस्थित रहे । आयोजन में सभी को गेम खिलाये गये । आयोजन में महिला शाखा की दीपाली सिंहल, सोनिया गोयल, सुषमा दारुका, अलका अग्रवाल सहित अनेकों सदस्य उपस्थित रहीं ।

सूरत के आर्किटेक्ट ने 7200 हीरों से पीएम मोदी की बनाई तस्वीर

सूरत।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का 17 सितंबर को जन्म दिन है। पीएम मोदी का जन्म दिन हर साल भाजपा समेत देश-विदेश में रहनेवाले उनके समर्थक बड़ी धूमधाम से मनाते हैं। आगामी 17 सितंबर को पीएम मोदी 72 वर्ष के हो जाएंगे, इस मौके पर सूरत के एक आर्किटेक्ट विपुल जेपी वाला ने 7200 डायमंड से एक तस्वीर बनाई है। हीरों से चमकती यह तस्वीर पीएम मोदी की है। विपुल जेपीवाला यह तस्वीर पीएम मोदी को उनके जन्म दिन पर पूरे गुजरात की ओर से भेंट करना चाहते हैं। विपुल को यह हीरों से तस्वीर बनाने का विचार उस वक्त आया जब पीएम मोदी अमेरिकी दौरे पर गए थे और वहां के राष्ट्रपति जो बाइडन की पत्नी को 7.5 कैरेट हीरे क्राफ्ट भेंट किया था। फिर क्या था विपुल ने काफी मेहनत कर तीन महीने में 7200 हीरों की मदद से पीएम मोदी की चकमती तस्वीर तैयार की है। विपुल जेपीवाला ने बताया कि उन्होंने बहुत मेहनत और मन से पीएम मोदी की हीरों वाली तस्वीर बनाई है, जिसे वह पीएम मोदी के जन्म दिवस पर पूरे गुजरात की ओर उन्हें भेंज करना करना चाहते हैं। ऐसा पहली बार नहीं है जब पीएम मोदी को कीमती तोहफा दिया जाने वाला हो। इससे पहले भी सूरत के एक हीरा कारोबारी ने सोने के तार से 'नरेन्द्र दामोदर मोदी' लिखा हुआ एक कीमती सूट गिफ्ट किया था, जो आज भी चर्चा का विषय बना हुआ है। बाद में इस सूट को पीएम मोदी ने नीलाम कर दिया उससे मिली रु. 4.31 करोड़ रुपए गंगा नदी की सफाई में लगा दी थी। भेंट में मिली हर वस्तुओं का नीलाम कर पीएम मोदी गंगा सफाई अभियान में लगाते हैं।

16वीं रिन्यूवेबल एनर्जी इंडिया एक्सपो के प्रीव्यू ने आगामी प्रमुख आयोजन के लिये उत्सुकता जगाई

सूरत भूमि, सूरत। देश की प्रमुख प्रदर्शनी आयोजक, इन्फॉर्मा मार्केट्स इन इंडिया अत्यंत महत्वपूर्ण रिन्यूवेबल एनर्जी इंडिया (आरईआई) शो के 16वें संस्करण की मेजबानी के लिये तैयारी कर रही है। यह नवीकरणीय ऊर्जा के क्षेत्र में एशिया का सबसे बड़ा एक्सपो है, जिसका आयोजन 4 से 6 अक्टूबर 2023 तक इंडिया एक्सपो मार्ट, ग्रेटर नोएडा, दिल्ली-एनसीआर में होने जा रहा है। इसके साथ-साथ 'द बैटरी शो इंडिया' का अति अपेक्षित लॉन्च एडिशन भी होगा।

एक्सपो के उद्घाटन के लिए ठीक एक महीना बचा है और इस बीच इन्फॉर्मा इन इंडिया ने आज सूरत मैरियट होटल, सूरत में एक विशिष्ट आयोजन-पूर्व प्रेस सम्मलेन किया। यह पूर्वावलोकन कार्यक्रम एक गतिशील मंच साबित हुआ, जहाँ प्रमुख हितधारकों, सरकारी प्रतिनिधियों और मीडियाकर्मियों ने भारत के नवीकरणीय ऊर्जा उद्योग की अनंत संभावनाओं पर गहन विमर्श किया। हरित एवं चिरस्थायी ऊर्जा पर एशिया के अग्रणी शो में एक उत्साही भागीदार के तौर पर गुजरात की पूर्व-प्रतिष्ठा भी प्रकाश में आई।

आयोजन के उच्चाधिकार-प्राप्त पैनल में प्रतिष्ठित हस्तियां, जैसे कि वारी ग्रुप के नैशनल सेल्स हेड (मॉड्यूल्स) श्री संदेश शेट्टी, गोल्डी सोलर के को-फाउंडर और डायरेक्टर श्री भरत भट, पहल सोलर के डायरेक्टर श्री पेरेश शिंगला, गुजरात सरकार के जलवायु परिवर्तन विभाग के तकनीकी सलाहकार श्री श्वेतल शाह, रेजॉन सोलर के फाउंडर और मैनेजिंग डायरेक्टर श्री चिराग नकरानी, द सदर्न गुजरात चैम्बर ऑफ कॉमर्स ऐंड इंडस्ट्री के प्रेसिडेंट श्री रमेश वघासिया और फ्रॉस्ट ऐंड सुलिवान इंडिया के डायरेक्टर - ऊर्जा एवं पर्यावरण श्री स्नदनील रॉय शर्मा सम्मिलित थे। इन्फॉर्मा मार्केट्स इन इंडिया के सीनियर ग्रुप डायरेक्टर, श्री रजनीश खट्टर द्वारा संचालित इस प्रतिष्ठित पैनल ने भारत के नवीकरणीय ऊर्जा का भविष्य तय करने वाले महत्वपूर्ण विषयों पर गंभीर चर्चाएँ की। जिन विषयों पर चर्चा हुई उनमें पूँजी की सुलभता, कृषि पीवी में उभरती सभावनायें, ऊर्जा भंडारण, और हरित हाइड्रोजन के साथ-साथ गतिशील औद्योगिक परिदृश्य के भीतर सस्टेनेबल ग्रोथ के लिए रणनीतियाँ शामिल थीं।

आरईआई 2022 में 31,000 से ज्यादा आगंतुकों शामिल हुए थे। उसकी उपलब्धि की प्रगति को जारी रखते हुए इस वर्ष की प्रदर्शनी में और बड़ी भीड़ के स्वागत की तैयारी की गई है, जहाँ भाग लेने वालों की संख्या 40,000 से अधिक होने की उम्मीद है। यह बढ़ोतरी नवीकरण योग्य ऊर्जा के कार्यक्षेत्र में और विशेषकर भारत में आरईआई के बढ़ते आकर्षण और महत्व का का प्रमाण है। वैश्विक मंच पर कई मापदण्डों में हमारे देश का विजेता के रूप में उभरना इस आयोजन की जीवंतता और प्रासंगिकता को और भी विस्तारित करता है।

इस अवसर पर इन्फॉर्मा मार्केट्स इन इंडिया के प्रबंध निदेशक, श्री योगेश मुद्रास ने कहा, "नवीकरणीय ऊर्जा के लिये हमारे देश के रणनैतिक प्रयासों में हरित ऊर्जा की एक महत्वपूर्ण भूमिका है। आरईआई एक्सपो और द बैटरी शो के साथ-साथ होने से नवीकरणीय क्षेत्र में भारत के महत्वपूर्ण कदमों का एक उज्जवल प्रदर्शन मिलेगा। गतिशीलता और सहकार्य से चलने वाला यह मंच साझीदारों को अभूतपूर्व नवाचार दर्शाने, वैश्विक संवाद, बहुध्रुवीयता और सहकारिता वाले उपक्रमों को बढ़ावा देने के लिये सशक्त बनाता है और इस प्रकार स्थायित्वपूर्ण ऊर्जा के क्षेत्र में हमारी संयुक्त आकांक्षाएं प्रेरित होती हैं।"

बिग बैश स्पोर्ट्स लीग द्वारा 29 सितंबर से 1 अक्टूबर तक Magics प्रेजेंट माय मॉम, माय सुपरस्टार सीजन-3 क्रिकेट टूर्नामेंट का आयोजन

सूरत। सूरत सहित गुजरात की प्रतिष्ठित स्पोर्ट्स लीग बिग बैश स्पोर्ट्स लीग द्वारा लगातार तीसरे वर्ष सूरत में Magics HAIR CARE प्रेजेंट्स माय मॉम, माय सुपरस्टार क्रिकेट टूर्नामेंट का आयोजन किया गया है। तीन दिवसीय क्रिकेट टूर्नामेंट 29 सितंबर से 1 अक्टूबर तक आयोजित किया जाएगा, जिसमें 32 टीमें भाग ले रही हैं।

इस आयोजन के बारे में जानकारी देते हुए बिग बैश स्पोर्ट्स लीग के संस्थापक और महिला उद्यमी Shital M.Pithawalla और Mehul A. Pithawalla ने कहा कि बिग बैश स्पोर्ट्स लीग खेल और एथलीटों को बढ़ावा देने के लिए एक प्लेटफार्म मुहैया कर रहा है। बिग बैश स्पोर्ट्स लीग द्वारा हर साल महिलाओं को केंद्र में रखते हुए माय मॉम, माय सुपरस्टार क्रिकेट टूर्नामेंट का आयोजन किया जाता है। इस बार Magics HAIR CARE प्रस्तुत माय मॉम, माय सुपरस्टार सीजन 3 का आयोजन 29 सितंबर से 1 अक्टूबर तक किया गया है। इस टूर्नामेंट में वो महिलाएं हिस्सा ले रही हैं जो बच्चों की मां हैं। इस टूर्नामेंट में विभिन्न स्कूलों में पढ़ने वाले बच्चों की माताओं ने भाग लिया। कुल 32 महिला टीमों के बीच क्रिकेट का महा मुकाबला होगा। इस लीग की सफलता का श्रेय राज्य के खेल मंत्री हर्षभाई संघवी और विभिन्न स्कूलों को जाता है। टूर्नामेंट के को - एसोसिएट Steam house, BMW Eminent cars और सूरत महानगर पालिका हैं। जबकि एसोसिएट CASX, Gyaaniv, Babubhai sweets, Procon RMC, L.P.Savani Sports complex, NUA, Pachchigar and son's jwellers, Coco, Khushi, Dr. BWC, Triyom Realty और Chique है।

BGAUSSI ने भारत में C12i EX प्रीमियम स्कूटर लॉन्च किया

BGAUSS, जिसे इलेक्ट्रिक स्कूटरों में अग्रणी शक्ति के रूप में जाना जाता है, को BGAUSS C12i MAX लॉन्च करने पर गर्व है, जो शहरी परिवहन में क्रांति लाने के लिए सुसज्जित है। C12i MAX को लॉन्च के केवल तीन महीनों में ही आश्चर्यजनक रूप से 6000 ग्राहक मिल चुके हैं। भारी सफलता के बाद, C12i EX, C12 रेंज में एक रोमांचक अतिरिक्त के रूप में उभरा है। रु. 99,999 रुपये (एक्स-शोरूम) की प्रतिस्पर्धी शुरुआती कीमत के साथ, C12i EX सवारों को गतिशीलता के भविष्य का अनुभव करने के लिए आमंत्रित करता है।

BGAUSS C12i EX में कई विशिष्ट विशेषताएं हैं जिन्हें सवारी के अनुभव को बेहतर बनाने के लिए सावधानीपूर्वक डिजाइन किया गया है। 1 लाख से कम कीमत वाला यह स्कूटर निर्माण गुणवत्ता, आराम, प्रदर्शन, शैली, सुरक्षा और विशाल भंडारण स्थान का बेजोड़ मिश्रण प्रदान करता है। केवल 3 घंटे के चार्जिंग समय के साथ यह सड़क पर लंबे समय तक चलना सुनिश्चित करता है। हटाने योग्य लिथियम आयन (एलएफपी) बैटरी की सुविधा निर्बाध प्रदर्शन सुनिश्चित करती है। 85 किमी की प्रभावशाली, प्रमाणित एआरएआई रेंज हासिल करते हुए, यह स्कूटर शहर को पार करने के लिए अद्वितीय स्वतंत्रता प्रदान करता है। स्कूटर CAN सक्षम तकनीक से लैस है जो ग्राहकों को कनेक्टेड और नियंत्रण में रखता है। विशेष रूप से, बीजी सी12आई ईएक्स जैसे अपने पूर्ववर्तियों की तरह, यह पूरी तरह से वाटरप्रूफ, आईपी 67 रेटेड, अत्यधिक गर्मी और धूल से सुरक्षा के साथ एक इलेक्ट्रिक मोटर और बैटरी के साथ है। इसके अलावा, 26500 - वॉट (पी) रोटर शक्तिशाली प्रदर्शन प्रदान करता है।

C12i EX सिर्फ एक स्कूटर से कहीं अधिक है; यह एक "परफेक्ट फैमिली स्कूटर" है। छोटी दैनिक यात्राओं और पारिवारिक सैर के लिए आदर्श, यह अतिरिक्त आराम, अतिरिक्त रेंज, अतिरिक्त स्थान और बहुत कुछ प्रदान करता है। अब सात रंगों के जीवंत पैलेट में उपलब्ध, स्कूटर अपने सवार को आरामदायक और कुशल सवारी का आनंद लेते हुए अपनी व्यक्तिगत शैली को व्यक्त करने की अनुमति देता है। यह सुनिश्चित करते हुए कि सवार की सुरक्षा सर्वोपरि है, स्कूटर कई सुरक्षा सुविधाओं से सुसज्जित है। BGAUSS ने एक ऐसा स्कूटर बनाने में निवेश किया है जो ग्राहकों को न केवल अपने आधुनिक डिज़ाइन के लिए बल्कि स्मार्ट बैटरी और मोटर नियंत्रक सहित उपयोगी सुविधाओं के लिए भी आकर्षित करता है, जो चाकन संयंत्र में इन-हाउस विकसित और डिज़ाइन किए गए हैं।

स्ट्रेटफिक्स द्वारा किया गया DRISHTI SME HR पुरस्कार समारोह का आयोजन

सूरत।

एच.आर. और स्ट्रेटजी कंसल्टिंग देश की अग्रणी स्ट्रेटफिक्स कंसल्टिंग द्वारा DRISHTI SME HR पुरस्कार समारोह और पैनल चर्चा का 1 सितंबर को आयोजित की गई थी। जिसमें विभिन्न श्रेणियों में पुरस्कार दिए गए और एक सार्थक पैनल चर्चा की गई।

डुमस रोड स्थित अमोर होटल में आयोजित पुरस्कार समारोह में FYNXT को बेस्ट एम्प्लॉयी एंड रिटेंशन अवार्ड, ग्रोइट इंडिया प्राइवेट लिमिटेड को बेस्ट ट्रेनिंग एंड डेवलपमेंट प्रोग्राम अवार्ड, एमिनेंट कार्स प्राइवेट लिमिटेड को बेस्ट एचआर पॉलिसी अवार्ड, वेलॉक्स ऑटोमेशन को बेस्ट रिवॉर्ड एंड रिकॉग्निशन अवार्ड और सामर्थ्य ग्रुप को इमर्जिंग रिवॉर्ड एंड रिकॉग्निशन अवॉर्ड दिया गया। पुरस्कार समारोह में मुख्य वक्ता के रूप में मैनफोर्ड के संस्थापक आनंद डेविड उपस्थित थे। साथ ही विभिन्न विषयों पर एक पैनल डिस्कशन का आयोजन किया गया, जिसमें सूरत के उपश्रमायुक्त एम. सी. कारिया, सुमिकोट लिमिटेड के निदेशक राकेश सोमानी, श्री रामकृष्ण एक्सपोर्ट प्राइवेट लिमिटेड के CHCO डॉ. नीरव मंदिर,रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड के मानव संसाधन विभाग के EX AVP राजेश शाह उपस्थित थे। पैनल डिस्कशन के दौरान व्यवसाय के 4पी (लोग, लाभ, उद्देश्य, उत्पाद) के संदर्भ में "लोग प्रथम" फिलसूफी का पालन पारंपरिक और नए दोनों व्यवसायों द्वारा किया जाता है, ताकि सफल मानव संसाधनों की अवधारण और विकास सुनिश्चित किया जा सके। मानव संसाधन रणनीतियों को कैसे अनुकूलित किया जाता है, एसएमई से लेकर अर्ध-कॉर्पोरेट और कॉर्पोरेट तक के संगठनों में मानव संसाधन प्रथाओं का सार्वभौमिक महत्व जैसे विषयों पर सार्थक चर्चा की गई। मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित आनंद डेविड ने कहा कि बाजार में लंबे समय तक बने रहने के लिए एचआर उत्कृष्टता को अनलॉक करने के लिए पारंपरिक पिरामिड संरचना को ऊपर से नीचे के दृष्टिकोण से नीचे से ऊपर के दृष्टिकोण में बदलना चाहिए।

इस आयोजन में स्ट्रेटफिक्स के सह-संस्थापक मुकुल गोयल, चिराग पटेल, बिजनेस पार्टनर अनुपमा सुल्तानिया, डिंपल शास्त्री और मार्केटिंग हेड आलोक वर्मा की टीम ने अहम भूमिका निभाई। जबकि इवेंट के एसोसिएट पार्टनर सूरत के कॉर्पोरेट कनेक्शन, क्रिएटिविटी इवेंट्स, प्राइमेक्स मीडिया सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड और जे. मेहता एंड कंपनी थी। दृष्टि एक एसएमई एचआर अवार्ड है। जिसमें सबसे पहले स्ट्रेटफिक्स कंसल्टिंग की एचआर कंसल्टिंग टीम द्वारा नामित कंपनियों में एच.आर. क्षेत्र का ऑडिट किया गया और यह एच. आर ऑडिट के परिणामस्वरूप, प्रत्येक कंपनी की मानव संसाधन (एचआर) की सर्वोत्तम प्रेक्टिसिस की पहचान की गई और उन्हें पुरस्कार के लिए नामांकित किया गया। 100 से अधिक कंपनियों में से 5 कंपनी को पुरस्कार दिए गए।

स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, सम्पादक: संजय रमाशंकर मिश्रा द्वारा ११४, न्यू प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेन्ट, डिंडोली, उधना, सुरत (गुजरात) प्रिन्टर्स- भूनेश्वरा प्रिन्टर्स, प्लाट नं. 29, परमानन्द इण्डस्ट्रीयल सोसायटी, चौकसी मील के पास, उधना मगदल्ला रोड़ (गुजरात) से मुद्रित एवं ११४, न्यू प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेन्ट, डिंडोली, उधना, सूरत (गुजरात) से प्रकाशित। कार्यालय फोन: 0261-2274271, (न्यायिक क्षेत्र सूरत रहेगा)